नई दिल्ली
रविवार, 30 नवंबर, 2025
मार्गशीर्ष मास शुक्ल पक्ष
दशमी वर्ष : 29, अंक : 227
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 23
न्यून. 10

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

रेलवे एप डाउन, नहीं हुई टिकट की बुकिंग

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी की वेबसाइट व एप पिछले 96 घंटों यानी करीब चार दिनों से बंद पड़ी हुई है। सुबह से शाम तक हर कोशिश नाकाम साबित हो रही है। यूजर्स को बार-बार वही पुराना एरर मैसेज दिख रहा है। डाउनडिटेक्टर जैसी साइट्स पर चेक करने पर साफ दिख रहा है कि सर्वर का रिस्पॉन्स टाइम जीरो है मतलब कि सर्वर जवाब ही नहीं दे रहा।

62 के पीएम ने 46 साल की हेडन से की शादी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने अपने आवास पर करीबी लोगों की मौजूदगी में जोडी हेडन से विवाह किया। ऑस्ट्रेलिया की संघीय सरकार के 124 साल के इतिहास में वह ऐसे पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान विवाह किया है। 62 वर्षीय अल्बनीज और 46 वर्षीय हेडन ने कहा, हम अपने विवाह से खुश हैं।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद की बैठक में मौलाना महमूद मदनी ने उगला जहर

कहा-जुल्म होगा तो जिहाद होगा अदालतें हुकूमतों के दबाव में हैं

आरोप-सुप्रीम कोर्ट 'सुप्रीम' कहलाने लायक नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

यहां जमीयत उलेमा-ए-हिंद की नेशनल गवर्निंग बॉडी मीटिंग में मौलाना महमूद मदनी ने कहा विवादित बयान दिए। उन्होंने सीधे कहा कि जब जुल्म होगा तो जिहाद होगा। देश की अदालतें हुकूमतों के दबाव में फैसला दे रही हैं। बीते कुछ अरसे से खासकर बाबरी मस्जिद, तीन तलाक और कई अन्य मामलों में फैसलों के बाद ऐसा ही लगता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट आज सुप्रीम कहलाने लायक नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस्लाम और मुसलमानों के दुश्मनों ने जिहाद जैसी इस्लाम की पवित्र अवधारणा को दुर्व्यवहार, अव्यवस्था और हिंसा से जुड़े शब्दों में बदल दिया है। लव जिहाद, भूमि जिहाद, शिक्षा जिहाद जैसे शब्दों का इस्तेमाल करके मुसलमानों को गहरी ठेस पहुंचाई गई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार और मीडिया में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग भी ऐसे ▶▶शेष पेज 5 पर

लव जिहाद जैसे शब्दों पर जताई आपत्ति

एक विशेष समुदाय को जबरन निशाना बनाया जा रहा

बैठक में बोलते हुए मदनी

एसआईआर पर नजर रखें

उन्होंने कहा कि एसआईआर भी किया जा रहा है, और यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। अगर हम इस पर कड़ी नजर रखें, तो हम निराशा से बच सकते हैं, क्योंकि निराशा किसी भी समुदाय के लिए जहर है और अगर कोई समुदाय जीवित है, तो इससे बचने की और ▶▶शेष पेज 5 पर

मुसलमानों के अनुकूल सिर्फ 10% लोग

मदनी ने कहा कि इस देश में मुसलमानों के अनुकूल लगभग 10 फीसदी लोग हैं, जो अलग-अलग वजहों से हमारे पक्ष में हैं। इसी तरह लगभग 30 फीसदी लोग समुदाय के विरोध में हैं, जबकि एक अनुमान के अनुसार 60 फीसदी लोग ऐसे हैं जो न हमारे अनुकूल हैं और न ही विरोध में। यह जो खामोश बहुमत है, उसे फिरका-परस्त लोग अपनी ओर झुकाने की कोशिश कर रहे हैं। मदनी ने कहा कि ▶▶शेष पेज 5 पर

महमूद मदनी पर भाजपा का पलटवार

पात्रा बोले- बयान भड़काऊ ही नहीं, समाज को भी बांटने वाला

सुप्रीम कोर्ट इस पर ले स्वत: संज्ञान
भारत में जिहाद को सही ठहराना अस्वीकार्य

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मदनी के बयान को उकसाने वाला, विभाजनकारी और बेहद गलत बताया है। पात्रा ने कहा कि उनकी तरफ से भोपाल में दिया गया बयान भड़काऊ और देश को बांटने वाला है। जिहाद के नाम पर जिस प्रकार से लोगों ने भारत में ही नहीं, बल्कि भारत के बाहर भी आतंक फैलाया है, वह हमने देखा है। उन्होंने आगे कहा कि मौलाना मदनी ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कहलाने का कोई अधिकार नहीं है। मौलाना मदनी के इस बयान को सुप्रीम कोर्ट को स्वतः संज्ञान में लेकर इसकी सुनवाई करनी चाहिए। पात्रा ने कहा कि मौलाना मदनी ने अपने भाषण में जिहाद शब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा कि जहां भी अत्याचार हो, वहां जिहाद होना चाहिए। उन्होंने इस पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि ऐसे शब्द देश को बांटने का काम करते हैं। जिहाद के नाम पर दुनिया के कई हिस्सों में आतंकवाद फैला है। भारत में इसे सही ठहराना अस्वीकार्य ▶▶शेष पेज 5 पर

उधर, संघ प्रमुख डॉ. भागवत नागपुर में बोले

भाईचारा ही हमारी परंपरा, झगड़ा करना हमारे स्वभाव में ही नहीं

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि झगड़ा या विवाद करना हमारे देश का स्वभाव नहीं है और भाईचारा और सामूहिक सद्भाव हमेशा से भारत की परंपरा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद का विचार बुनियादी तौर पर पश्चिमी विचार से

अलग है। हमारी किसी के साथ बहस नहीं होती। हम विवादों से दूर रहते हैं। झगड़ा करना हमारे देश का स्वभाव ही नहीं है। मिल-जुलकर रहना और भाईचारे को बढ़ावा देना ही हमारी परंपरा रहा है। दुनिया के अन्य हिस्से संघर्षों से भरे हालात में बने। वहां जब एक राय बन जाती है ▶▶शेष पेज 5 पर

◀ उत्तराखंड स्थित लबासना के 100वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के समापन समारोह को संबोधित करते हुए बोले रक्षा मंत्री

हमने मारे आतंकी लेकिन पड़ोसी के दुर्व्यवहार से सीमा पर असामान्य हालात कायम: राजनाथ सिंह

युवा नागरिकों को देश के वीर सैनिकों की तरह ही हमेशा तैयार रहना होगा

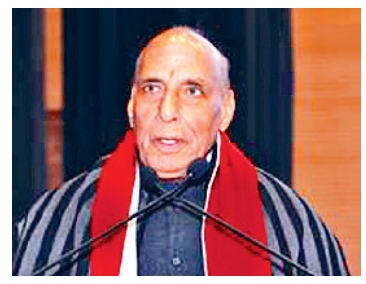

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर को करीब सात महीने का समय बीत चुका है। लेकिन आज तक भारत का सिखाया हुआ ये करारा सबक पाकिस्तान ने ठीक से सीखा नहीं है और सीमा पर भी उसका दुर्व्यवहार जारी है। जिसके चलते दोनों देशों के बीच सीमाओं पर हालात सामान्य नहीं हुए हैं। जी हां, ये कहना है रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का।

उत्तराखंड स्थित लाल-बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (लबासना) के 100 वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के समापन समारोह को शनिवार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 से 10 मई तक की गई भारत की सैन्य कार्यवाही संतुलित होने के साथ ही बिना किसी उकसावे वाली थी। जिसमें हमने केवल पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकी शिविरों को ही नष्ट किया। लेकिन सीमा पर बनी हुई असामान्य स्थिति के लिए पूरी तरह से पाकिस्तान ही जिम्मेदार है। क्योंकि उसके दुर्व्यवहार की वजह से ही सीमाई हालात सामान्य नहीं हो पाए हैं। रक्षा मंत्रालय ने 29 नवंबर को एक बयान जारी कर रक्षा मंत्री के भाषण को सार्वजनिक किया है। ▶▶शेष पेज 5 पर

देखने को मिला नागरिक-सैन्य समन्वय

रक्षा मंत्री ने कहा कि ये सैन्य अभियान नागरिक और सैन्य समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है। जिसमें प्रशासनिक मशीनरी ने जनता का विश्वास जीतने के लिए सशस्त्र बलों के साथ मिलकर सूचनाओं का संचार किया। उन्होंने युवा नागरिक सेवकों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रीय हितों की रक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को समझना होगा। देश के वीर सैनिकों की तरह ही उन्हें भी कठिन परिस्थितियों के लिए हमेशा तैयार रहना होगा। लबासना का फाउंडेशन कोर्स सिर्फ एक प्रशिक्षण मॉड्यूल नहीं। बल्कि एक कुशल, सक्षम और संवेदनशील शासन प्रणाली के निर्माण की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लबासना स्थित यह संस्थान एक संपूर्ण संस्थान है जो देश की प्रशासनिक क्षमताओं को मजबूती प्रदान करता है।

यूं विकसित बनेगा भारत

राजनाथ के मुताबिक, वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना चाहिए। आत्मनिर्भरता और विकसित भारत से जुड़े इस लक्ष्य को गति प्रदान करने में नागरिक सेवकों की अहम भूमिका है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन, सुधार-प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र का उल्लेख करते हुए 2014 से चल रही आर्थिक प्रगति के बारे में युवा जन सेवकों को सूचित किया। साथ ही बताया कि बीते 9 से 10 साल में हम चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब मॉर्गन स्टेनली जैसी वैश्विक वित्तीय फर्म भी कहती है कि भारत आगामी दो से तीन साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

सिंधी कॉलोनी स्थित निवास पर पहुंचकर डॉ. हिमांशु को बंधाया ढांढस

कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल ने पं. कीर्ति नारायण द्विवेदी के दुखद निधन पर शोक संवेदना जताई

पटेल ने डॉ. हिमांशु को स्व-लिखित पुस्तक 'परिक्रमा' की एक प्रति भी भेंट की

ग्वालियर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल शनिवार को आईएनएच-हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के ग्वालियर स्थित 3 सिंधी कॉलोनी निवास पर पहुंचे और उनके पूज्य पिताजी पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी के दुखद निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त कर ▶▶शेष पेज 5 पर

आईआईएम कोलकाता द्वारा आयोजित किए गए एक समारोह में बोले विदेश मंत्री

मौजूदा चिंताजनक वैश्विक माहौल में सक्रिय आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता भारत: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी टैरिफ संकट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी सैन्य संघर्षों के इस जटिल दौर में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत सक्रिय रूप से आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अपने कदम बढ़ा रहा है। लेकिन एक सच्चाई ये भी है कि इसी दौर में अर्थव्यवस्था के ऊपर राजनीति हावी हो रही है। जबकि मेरा मानना है कि आत्मनिर्भर भारत का उद्देश्य मुख्य रूप से चार बिंदुओं पर केंद्रित होना चाहिए। जिनमें- विदेशी ▶▶शेष पेज 5 पर

चीन का दिया उदाहरण

जयशंकर ने भारत के निकट पड़ोसी देश चीन की मिसाल पेश करते हुए कहा कि उसने लंबे वक्त से अपने नियम-कायदों के तहत ही शासन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है, जरूरी निर्णय लिए हैं। उसका यही रुख आज भी जस का तस कायम है। उक्त चुनौतियों की वजह से अनिश्चितता से भरे इस वातावरण में दुनिया के बाकी देश इस बात को लेकर ▶▶शेष पेज 5 पर

सांवरा खेड़ी में होगा आयोजन

आज सीएम के बेटे की शादी

सामूहिक विवाह समारोह में, 22 जोड़ों संग लेंगे फेरे

शनिवार शाम को हुआ महिला संगीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव की शादी की रस्में चल रही हैं। शादी समारोह में मेहंदी, माता पूजन और मंडप के आयोजन हो चुके हैं। मुख्यमंत्री के बेटे होने के बाद भी डॉ. अभिमन्यु की शादी बिलकुल अलग अंदाज में शोर-शराबे से दूर हो रही है।

डॉ. अभिमन्यु यादव भी शादी समारोह में सादगी भरे अंदाज में लाल लिबास में नजर आए। आंखों पर काला चश्मा, कानों में टॉप्स और माथे ▶▶शेष पेज 5 पर

यह फोटो हो रहे वायरल

शादी समारोह के माता पूजन, मंडप, मेहंदी और डांस के फोटो वायरल हुए। जिसमे सीएम सहित पूरा परिवार नजर आ रहा है। शादी की रस्मों में सीएम सपत्नीक पूजन करते नजर आ रहे है तो वहीं दूल्हा बने डॉ. अभिमन्यु और डॉ. इशिता की मेहंदी की रस्म के फोटो भी सामने आए है। जिसमें सीएम का परिवार पूजन के बाद एक साथ शादी का जश्न मनाता दिखाई दे रहा है।

मोटर साइकिल सवार लोगों ने दिया वारदात को अंजाम

शाहदरा में 27 वर्षीय शख्स की गोली मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

शाहदरा में शुक्रवार देर रात एक 27 वर्षीय शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को बाइक सवार हमलावरों ने अंजाम दिया। बताया जाता है कि हाल में हुए एक विवाद को लेकर हत्या की गई है। मृतक की भी आपराधिक पृष्ठभूमि रही है। इस सिलसिले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें नाम कुनाल (28) और अक्षित (27) बताये गये हैं। वारदात का हथियार यानि पिस्टल भी बरामद कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार यह वारदात नवीन शाहदरा स्थित मिठाई की एक दुकान के बाहर हुई। इसकी सूचना रात में 11 बजकर नौ मिनट पर पुलिस को मिली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि इलाके के ही रहने वाले गगन आही नामक शख्स की दाहिनी कनपटी पर गोली लगी थी। उसे तुरंत गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने गगन आही पर गोली चलाई थी। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और अपराध में संभवतः इस्तेमाल की गई मोटरसाइकल व पिस्टल भी जब्त हो गया है। जांच अधिकारियों के अनुसार हत्या का कारण मृतक और दोनों आरोपियों के बीच हाल में हुए विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। तीनों विवाद सुलझाने के लिए एकत्र हुए थे लेकिन स्थिति बिगड़ गई। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भलस्वा डेयरी में युवक की हत्या पांच नाबालिग आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। आउटर नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट की भलस्वा डेयरी पुलिस ने चाकू से गोदकर की गई युवक की हत्या का मामला कुछ ही घंटों में सुलझा लिया है। इस सिलसिले में पांच नाबालिग पकड़े गये हैं। जुर्म का हथियार भी बरामद हो गया है। डीसीपी हरेश्वर स्वामी के अनुसार शुक्रवार को भलस्वा डेयरी पुलिस को गोला चौक, नमक गोदाम में चार पांच लड़कों द्वारा एक युवक को चाकू से गोदे जाने की पीसीआर कॉल मिली थी। घायल लड़का भलस्वा डेयरी का रहने वाला था। उसके रिश्तेदार उसे बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मरने वाले को चाकू के कई घाव थे। बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। क्राइम टीम और एफएसएल टीम ने मौके का मुआयना किया और जरूरी सबूत इकट्ठा किए। जांच के दौरान यह पता चला कि मरने वाले की एक नाबालिग आरोपी से किसी बात को लेकर पर्सनल दुश्मनी थी। शुक्रवार को वह अपने साथियों के साथ चाकुओं से लैस होकर रात करीब 9 बजे स्वरूप नगर एक्सटेंशन के पास मरने वाले युवक से मिला। ग्रुप ने उसे बेरहमी से चाकू मारे और भाग गए। इस संबंध में शनिवार को सेक्शन 103(1)/3(5) बीएनएस के तहत भलस्वा डेयरी थाने में केस रजिस्टर किया गया है। सभी पांच नाबालिग आरोपी एसएसएन कॉलोनी, भलस्वा डेयरी के रहने वाले हैं और पकड़े गये हैं।

ब्लिंकिट के एजेंट से पांच लाख लूटने वाले तीन को गोंडा से पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

मध्य जिले की रंजीत नगर पुलिस ने ब्लिंकिट के एजेंट से पांच लाख रुपये लूटने का मामला सुलझा लिया है। यूपी के गोंडा से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम राम अवतार उर्फ राम, सिकंदर और वीरू सोनकर बताये गये हैं। एक आरोपी अभी फरार है। इनसे लाखों रुपये कैश, मोटरसाइकिल और आईफोन जब्त किया गया है। लाखों की रकम एक आरोपी के अकाउंट में फ्रीज भी करवाई गई है।

पुलिस के अनुसार 22 अक्टूबर को यह मामला रिपोर्ट हुआ था, जिसमें बताया गया कि मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों ने एक ब्लिंकिट डिलीवरी राइडर से कैश लूट लिया है। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची, जहां कॉलर ने बताया कि वह ब्लिंकिट के लिए काम करता है और उस दिन अलग-अलग ब्रांच से पांच लाख रुपये इकट्ठा करने के बाद वह स्कूटर पर जा रहा था। जब वह सत्या पार्क, शादीपुर के सामने पहुंचा तो तीन लोगों ने उसका रास्ता रोका और उसके पास मौजूद पांच लाख जबरन लूट लिए। बयान के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। कई जगहों से बड़े पैमाने पर सीसीटीवी फुटेज स्कैन किए गये। क्राइम में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल की पहचान हुई तो पता चला कि वह चोरी की थी। लुटेरों की पहचान के लिए सीक्रेट इन्फॉर्मर्स को एक्टिवेट किया गया और पता चला कि आरोपी फरीदपुरी इलाके के हो सकते हैं। पता चला कि लुटेरे असल में गोंडा के रहने वाले हैं और डिलीवरी बॉय का काम करते हैं व फरीदपुरी इलाके में किराए पर रहते हैं। टीम को सस्पेक्ट्स से जुड़े मोबाइल नंबर मिले। सीडीआर और आखिरी लोकेशन को एनालाइज किया गया, जिससे आरोपियों का पता गोंडा से चल गया। तेजी से एक्शन लेते हुए टीम गोंडा पहुंची, जहां लोकल सोर्स की मदद से उन्होंने राम अवतार उर्फ राम, सिकंदर और वीरू सोनकर को पकड़ लिया। राम अवतार की निशानदेही पर 1,37,500 रुपये बरामद की गई। वीरू के पास से उसके नाम पर रजिस्टर्ड एक ड्यूक मोटरसाइकिल जब्त की गई, जो लूट के पैसों से लोन लेकर क्लियर की गई थी। साथ ही चोरी के कैश से खरीदा गया एक आईफोन) भी जब्त किया गया। आरोपी सिकंदर ने अपने बैंक अकाउंट में 1,53,000 (लूट के पैसों में उसका हिस्सा) जमा किए थे, जिसे सही तरीके से फ्रीज करवा दिया गया है। आरोपियों ने बताया कि वे ब्लिंकिट और जोमैटो के साथ काम करते थे, क्योंकि उन दोनों की इन एप्लीकेशन पर रजिस्टर्ड आईडी थी। यह भी पता चला कि उनका एक साथी मनोज, जो अभी भी फरार है, पटेल नगर के एक आउटलेट पर काम करता है और उसी ने शिकायतकर्ता के बारे में जानकारी दी थी। आगे की जांच जारी है और फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

दिल्ली पुलिस का प्राइवेट अस्पतालों को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने शहर के सभी निजी अस्पतालों को नोटिस जारी किया है। पुलिस ने नोटिस के द्वारा उन डॉक्टरों की जानकारी मांगी है, जिन्होंने विदेश से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है और वर्तमान में दिल्ली में प्रैक्टिस कर रहे हैं। खासतौर पर पाकिस्तान, बांग्लादेश, यूएई और चीन से एमबीबीएस करने वाले डॉक्टरों की जांच की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम सुरक्षा के मद्देनजर उठाया गया है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों का कहना है कि यह कदम सुरक्षा और संभावित खुफिया कनेक्शन की जांच के दायरे को बढ़ाने के लिए उठाया गया है। इसके अलावा पुलिस यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि आतंकी गतिविधियों या संदिग्ध नेटवर्कों का कोई भी सदस्य मेडिकल प्रोफेशन की आड़ में राजधानी में सक्रिय तो नहीं है। नोटिस में कहा गया है कि डॉक्टर का पूरा नाम, पता (स्थायी व वर्तमान), राष्ट्रीयता (यदि विदेशी नागरिक हो) और वह देश और विश्वविद्यालय जहां से उसने एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की गई है। इसके साथ ही भारत में प्रैक्टिस करने के लिए मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया या नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा जारी किए गए प्रमाण पत्र की जानकारी भी मांगी गई है। अस्पताल में उनकी वर्तमान भूमिका और कार्य की अवधि भी बतानी होगी। अधिकारियों का मानना है कि इन चार विशिष्ट देशों से डिग्री प्राप्त करने वाले डॉक्टरों का डेटाबेस तैयार करना सत्यापन की प्रक्रिया को तेज करने में मदद करेगा। निजी अस्पतालों को जल्द से जल्द यह जानकारी जमा करने को कहा गया है। प्रशासन को सहयोग न करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

बैंकॉक से निर्वासित गैंगस्टर हरसिमरन उर्फ बादल अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने कुख्यात गैंगस्टर हरसिमरन उर्फ बादल उर्फ सिमरन (38) को गिरफ्तार किया है। इसे बैंकॉक से निर्वासित किया गया था। बादल फर्जी पासपोर्ट की मदद से देश छोड़कर भागा था।

दिल्ली पुलिस ने शनिवार को जानकारी दी कि बादल कुख्यात अपराधी व विदेश में बैठे गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों की मदद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने आपराधिक नेटवर्क का विस्तार करने की कोशिश कर रहा था। सिमरन को भारतीय केंद्रीय एजेंसियों और थाईलैंड के अधिकारियों के बीच समन्वित प्रयासों के बाद 26 नवंबर को बैंकॉक से दिल्ली भेजा गया था। हरसिमरन दिल्ली के पूर्वी शालीमार बाग का निवासी है। इसने गोरखपुर से राजेश सिंह के फर्जी नाम से पासपोर्ट हासिल किया था और यूरोप स्थित गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों की मदद से इस साल जनवरी में बैंकॉक भाग गया था। इसके बाद हरसिमरन दुबई गया और मानव तस्करों एवं ढिल्लों के सहयोगियों की मदद से अमेरिका और यूरोप पहुंचने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि अजरबैजान और बाद में बेलारूस-लातविया-पोलैंड मार्ग से यूरोप में प्रवेश करने के हरसिमरन के प्रयास विफल हो गए, जिसके बाद उसे हिरासत में लिया गया था। अब उसे निर्वासित कर दिया गया। पुलिस के अनुसार हरसिमरन वीजा विस्तार के लिए बैंकॉक लौटा और भारतीय एजेंसियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर उसे वहां हिरासत में ले लिया गया। जाली पहचान के आधार पर प्राप्त उसके पासपोर्ट को विदेश मंत्रालय ने रद्द कर दिया था, जिससे उसे निर्वासित करने में आसानी हुई। पुलिस ने बताया कि हरसिमरन को दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया। हरसिमरन का काफी पुराना आपराधिक इतिहास है और उसका नाम जबरन वसूली, हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित 23 मामलों में शामिल बताया जाता हैं।

निगम के बागवानी विभाग ने कर्मचारियों के लिए किया विशेष सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम ने एमसीडी मुख्यालय के आसफ अली सभागार में शनिवार को बागवानी विभाग के कर्मचारियों के लिए एक विशेष सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य चौधरियों को प्रेरित करना और उनकी जागरूकता बढ़ाना था। निगम द्वारा दी गई जानकारी अनुसार कार्यक्रम का संचालन स्वामी प्रेम परिवर्तन (पीपल बाबा) ने किया, जो प्रसिद्ध पर्यावरणविद और गिव मी ट्रीज ट्रस्ट के संस्थापक हैं। यह ट्रस्ट स्वयंसेवी वृक्षारोपण गतिविधियों में से एक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य निदेशक और बागवानी विभाग के निदेशक ने की। पीपल बाबा और उनकी टीम ने व्यावहारिक ज्ञान, प्रेरणादायक मार्गदर्शन और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया, जो विभाग की फील्ड गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। प्रतिभागियों ने इस सत्र को ज्ञानवर्धक, पुनर्जीवित करने वाला और अत्यंत प्रेरक बताया। यह कार्यक्रम न केवल तकनीकी जागरूकता बढ़ाने वाला था, बल्कि कर्मचारियों के मनोबल को भी सशक्त किया, और दिल्ली के हरित आवरण को बनाए रखने में उनके महत्वपूर्ण योगदान की पुष्टि की। निगम ने कहा है कि भविष्य में भी ऐसे क्षमता निर्माण और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन होता रहेगा जिससे कि दिल्ली के बागवानी और पर्यावरणीय प्रयासों को और मजबूत किया जा सके।

पिस्तौल की नोक पर डेरी कर्मचारी को लूटने का आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भागीरथी विहार में एक डेरी कर्मचारी को पिस्तौल की नोक पर कथित तौर पर लूटने वाले 26-वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान न्यू मुस्तफाबाद निवासी मोहम्मद आकिब के रूप में हुई है और उसे बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, दो कारतूस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 17 नवंबर को हुई जब दो व्यक्ति पूर्वाह्न करीब 9:30 बजे भागीरथी विहार स्थित एक डेरी स्टोर में घुसे। उसने बताया कि शिकायतकर्ता 16-वर्षीय छात्र है और अंशकालिक नौकरी करता है। उसने बताया कि वह नकदी गिन रहा था तभी आरोपी ने उसे पिस्तौल दिखाकर धमकाया और पैसे लेकर भाग गया। पुलिस ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और तकनीकी जानकारी के माध्यम से सुराग जुटाए हैं। गश्त के दौरान पुलिस ने छेड़छाड़ की हुई नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल पर सवार एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। मोटरसाइकिल सवार की पहचान आकिब के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि उसकी तलाशी के दौरान एक पिस्तौल और दो कारतूस मिले। वह जिस मोटरसाइकिल पर सवार था वह मंडावली से चोरी हुई थी, जिसके लिए एक अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। हथियार और वाहन की बरामदगी के बाद शस्त्र अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत दूसरा मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान, आकिब ने कथित तौर पर 17 नवंबर की डकैती में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली। वह पहले भी एक झपटमारी के मामले में शामिल पाया गया था। उन्होंने बताया कि जांच जारी है और लूट में शामिल उसके सहयोगी की पहचान करने और उसका पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहादत दिवस पर शिरोमणि कमेटी का दूरी बनाना गलतः कालका

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा है कि गुरु तेग बहादुर साहब के 350वें शहादत दिवस के कार्यक्रमों में उपस्थित न होकर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने गलत परंपरा शुरू की है। उन्होंने कहा कि शनिवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कालका और काहलो ने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब की शहादत दिल्ली में हुई थी। इसलिए 350वें शहादत समारोह का आयोजन करने की ज़िम्मेदारी दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की बनती थी। उन्होंने कहा कि कमेटी ने अपनी ओर से यह जिम्मेदारी पूरी तरह निभाई। कमेटी की चार-सदस्यीय कमेटी ने आयोजन में शामिल होने के लिए एडवोकेट धामी और शिरोमणि कमेटी की पूरी टीम को निमंत्रण पत्र भी भेजा था। लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि शिरोमणि कमेटी की पूरी टीम ने दिल्ली में हुए इन ऐतिहासिक कार्यक्रमों में शामिल होने की बजाय श्री आनंदपुर साहिब में अलग कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने कहा कि 1975 में जब गुरु तेग बहादुर साहब का 300वां शहादत दिवस मनाया जा रहा था, तब दिल्ली के रामलीला मैदान में यह समारोह हुआ था। जिसमें उस समय के पंजाब के मुख्यमंत्री ज्ञानी जैल सिंह, अकाली दल के तत्कालीन प्रधान सुरजीत सिंह बरनाला, शिरोमणि कमेटी के तत्कालीन प्रधान कृपाल सिंह सहित प्रमुख हस्तियों ने हाजिरी भरी थी। उस समय जसपाल सिंह कोछड़ दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान थे। उन्होंने कहा कि हम हैरान हैं कि इस बार शिरोमणि कमेटी प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी की ऐसी क्या मजबूरी थी कि उन्होंने दिल्ली के ऐतिहासिक कार्यक्रमों में शामिल होने के बजाय अलग कार्यक्रम करवाने को प्राथमिकता दी।

लाल किला विस्फोट मामला

अदालत ने तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने लाल किला विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को शनिवार को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सभी चार आरोपियों - मुजम्मिल गनई, अदील राठेर और शाहीना सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागय को प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने चारों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब तक, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं। एनआईए ने एक बयान में कहा कि एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के सिलसिले में विभिन्न सुरागों की तलाश जारी रखे हुए है तथा इस बर्बर हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है। दस नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से लदी आई20 कार में विस्फोट हुआ था, जिसे डॉ. उमर-उन-नबी चला रहा था।

जहांगीरपुरी में हत्या के प्रयास मामले में वांछित आरोपी दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

जहांगीरपुरी इलाके में दो महीने पहले एक व्यक्ति को कथित तौर पर चाकू मारने के आरोप में 33 वर्षीय आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी का नाम भलस्वा गांव निवासी कुवेश उर्फ विक्की उर्फ सोमाइन बताया गया है। पुलिस के अनुसार मामला चार सितंबर को भलस्वा गांव में एक गैस एजेंसी के पीछे डीडीए पार्क के पास सामने आया था। स्वरूप विहार निवासी शिकायतकर्ता राजू पर तीन लोगों ने हमला किया था। हमलावरों के नाम मोनू शर्मा, कुवेश और एक अन्य व्यक्ति के तौर पर सामने आया था। पुलिस के मुताबिक राजू मोनू के कहने पर उन लोगों से मिलने गया था। पुराने विवाद को लेकर हुई बहस में तीनों ने राजू के पेट, हाथ और चेहरे पर कई बार चाकू मारे। हमले के बाद आरोपी भाग गए। 10 सितंबर को इस संबंध में मामला दर्ज किया गया था। शुक्रवार को इनपुट मिलने के बाद जहांगीरपुरी में जाल बिछाया गया। आरोपी वहां अपने एक साथी से मिलने पहुंचा था तभी उसे पकड़ लिया गया। आरोपी ने कबूला कि उसे पहली बार 2010 में गिरफ्तार किया गया था और उसके बाद उस पर कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए। आरोपी ने बताया कि शिकायतकर्ता राजू ने मोनू के भाई को चोट पहुंचाई थी, जिसका बदला लेने के लिए हमला किया गया था। आरोपी पहले भी कम से कम चार अपराधिक मामलों में शामिल रहा है। उसका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। आरोपी के पिता और भाई दोनों ही रिक्शा चलाते हैं। दूसरे आरोपियों का पता लगाने के लिए मामले में जांच जारी है।

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना संख्या : NER-BSB0SnT-OT-26-2025
मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार/ पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए "खुली ई-निविदा" आमंत्रित की जाती है।
क्रमांक : 1, निविदा सूचना सं. एवं कार्य का नाम : NER-BSB0SnT-OT-26-2025 : कार्य का नाम : वाराणसी मंडल के वाराणसी सिटी स्टेशन पर यातायात सुविधाओं की वृद्धि के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के प्रावधान का कार्य, अनुमानित लागत : रु. 6,37,98,268.70, बयाना की राशि : रु. 4,69,000.00, निविदा प्रपत्र की कीमत : रु. 00.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि : 12 माह, निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय : 22.12.2025 को 15:00 बजे।
1. ई-निविदा दिनांक 22.12.2025 को 15:00 बजे तक आनलाईन जमा किया जा सकेगा। 2. पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाईट i.e. www.ireps.gov.in देखें।
मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार
मुजाधि/सिगनल-69 पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी
ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

अंतरराष्ट्रीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

दिल्ली विधानसभा वह स्थान है, जहां इतिहास भविष्य को करता है प्रेरितः विजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

विरासत भी, विकास भी, दिल्ली विधानसभा वह स्थान है जहां इतिहास भविष्य को प्रेरित करता है। यह बात दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को विधानसभा में विभिन्न देशों के सांसदों, पूर्व राजनयिकों, रक्षा और सामरिक मामलों के विशेषज्ञों तथा वैश्विक मीडिया एवं नागरिक समाज के प्रख्यात प्रतिनिधियों से युक्त एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने के दौरान कही। प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट की और उसके बाद ऐतिहासिक विधानसभा भवन एवं सदन का भ्रमण किया। अध्यक्ष गुप्ता ने सभी अतिथियों का पारंपरिक 'पटका' पहनाकर तथा दिल्ली विधानसभा की स्मृति के रूप में विशेष उपहार भेंट कर स्वागत किया। गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल को कॉफी टेबल बुक 'दिल्ली विधान सभा की प्रस्तुति शताब्दी-यात्रा, वीर विट्ठलभाई पटेल' भी भेंट की, जो कि भारत के स्वतंत्रता-पूर्व केंद्रीय विधान सभा के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष वीर विट्ठलभाई पटेल को समर्पित है। प्रतिनिधिमंडल में फ्रांस से राष्ट्रीय युवा आंदोलन के राष्ट्रीय प्रतिनिधि एंज़ो एलिएस, नेपाल से नेशनल डेमोक्रेटिक यूथ ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष सुजीत केसी, नेपाल से राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के उपाध्यक्ष एवं पूर्व आईजीपी/पूर्व मंत्री ध्रुब बहादुर प्रधान, बेल्जियम से फ्लेमिश संसद के उपाध्यक्ष फिलिप डेविंटर, बेल्जियम से फ्लैंडर्स की सेनेटर अंक मारिया, फ्रांस के हांगकांग स्थित फ्रेंच कांसुलर सलाहकार गुइयोन मार्क, मंगोलिया के संसद सदस्य सांइखवु गनबातार, नेपाल की राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी की केंद्रीय समिति सदस्य एवं संचार अधिकारी इंजी. सजिना कार्की, मंगोलिया विकास बैंक के उप निदेशक एरडेनेबाटार खाश एरडेने, सर्बिया के विदेश मंत्रालय के काउंसलर एलेक्जेंडर एम. गाजिक, नेपाल की राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के केंद्रीय प्रशिक्षण विभाग से प्रभा मिश्रा, यूनाइटेड किंगडम के राजनीतिक सलाहकार केनथ ओलिवर मॉरिस, सर्बिया से वोइवोडिना की स्वायत्त प्रांत विधानसभा के डिप्टी रायको कापेलन, श्रीलंका से एसएलपीपी के पोलित ब्यूरो सदस्य गीतनाथ कासिलिंगम एवं श्रीलंका से एसएलपीपी की स्पीकर एडिरिमन पंडिथागे सैंडविन्या लक्सरानी एडिरिमन शामिल थे। अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया कि यह भवन स्वतंत्रता-पूर्व काल में केंद्रीय विधान सभा की प्रथम संसद रहा है और भारत की लोकतांत्रिक विरासत का गौरवशाली प्रतीक है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 सीआरपीसी देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त 1. मेहताब मियाँ पुत्रः मुजीब रहमान 2. फरहाना बेगम पत्नीः मेहताब मियाँ 3. अब्दुल रहमान खान पुत्रः मेहताब मियाँ पताः मकान नं. 3240, कुंचा तारा चंद, दरियागंज, दिल्ली ने FIR No. 02/2023 U/S 498A/406/34 IPC, थानाः चांदनी महल, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त 1. मेहताब मियाँ 2. फरहाना बेगम 3. अब्दुल रहमान खान मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त 1. मेहताब मियाँ 2. फरहाना बेगम 3. अब्दुल रहमान खान फरार हो गये हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं।)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि FIR No. 02/2023 U/S 498A/406/34 IPC, थानाः चांदनी महल, दिल्ली के उक्त अभियुक्त 1. मेहताब मियाँ 2. फरहाना बेगम 3. अब्दुल रहमान खान से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 06.01.2026 को या उससे पूर्व हाज़िर हो।
आदेशानुसार
सुश्री शाइना गोयल
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
महिला कोर्ट–01, कन्द्रीय
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/15641/CD/2025 (Court Matter)

सुरक्षा के लिए मतदान केंद्रों पर 2,265 पुलिस कर्मी, 580 होम गार्ड तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 13 कंपनियां तैनात

कड़ी सुरक्षा में एमसीडी के 12 वार्डों के लिए मतदान आज, चुनाव आयोग की तैयारियां पूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्डों के उपचुनाव लिए मतदान आज कड़ी सुरक्षा में होगा। इस उपचुनाव के लिए दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। अधिकतर मतदान केंद्रों पर मतदान कर्मियों की टीमें पहुंच चुकी हैं। इस उपचुनाव को वर्ष की शुरुआत में हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत के बाद दिल्ली के मतदाताओं के मूड को परखने के लिए महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग ने एक बयान में बताया कि आज 30 नवंबर को सुबह 7.30 बजे 580 मतदान केंद्रों पर मतदान शुरू होगा और शाम 5.30 बजे समाप्त होगा। चुनाव प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए कुल 2,320 मतदान कर्मियों के साथ 2,265 कर्मियों, 580 होम गार्ड तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 13 कंपनियां तैनात की गई हैं। एमसीडी उपचुनाव में 26 महिलाओं सहित 51 उम्मीदवार मैदान में हैं। भाजपा ने सबसे ज्यादा आठ महिला उम्मीदवारों को चुनावी रण में उतारा है, इसके बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने छह और कांग्रेस ने पांच महिला उम्मीदवार उतारे हैं। फरवरी में हुए विधानसभा चुनावों के बाद आप और भाजपा के बीच एक बार फिर मुकाबला होने के कारण इस चुनाव पर कड़ी नजर रखी जा रही है। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 70 में से 48 सीट जीतकर 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की है और आप को सत्ता से बेदखल कर दिया। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के जिन 12 वार्ड में उपचुनाव हो रहे हैं, उनमें से नौ पहले भाजपा के पास थे और तीन आप के पास। शालीमार बाग और द्वारका बी जैसी सीट पर भाजपा के लिए यह प्रतिष्ठा की लड़ाई होगी। रेखा गुप्ता, विधानसभा चुनाव जीतने और दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने से पहले शालीमार बाग बी वार्ड से पार्षद थीं। द्वारका बी वार्ड का प्रतिनिधित्व पहले भाजपा की पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से सांसद कमलजीत सहरावत करती थीं। दिल्ली में सत्ता गंवाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) भाजपा के प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए अपने वार्ड की संख्या बढ़ाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उपचुनाव से ठीक पहले पार्टी को झटका लगा, जब इसके वरिष्ठ नेता और दो बार के विधायक राजेश गुप्ता भाजपा में शामिल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मतदान केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए 'वेबकास्टिंग' की व्यवस्था की गई है। मतों की गिनती तीन दिसंबर को की जाएगी।

26 महिलाओं सहित 51 उम्मीदवार हैं मैदान में

इन 12 वार्ड में उपचुनाव

जिन वार्डों में उपचुनाव हो रहे हैं उनमें मुंडका (35),शालीमार बाग-बी महिला (56), अशोक विहार(65), चांदनी चौक (74),चांदनी महल (76), द्वारका बी (120),दिचाऊं कलां(128), नारायणा (139) सामान्य, संगम विहार-ए (163), दक्षिणपुरी (164),ग्रेटर कैलाश (173) और विनोद नगर (198) वार्ड शामिल है।

इन दस्तावेजों को दिखाकर कर सकते हैं मतदान

एमसीडी के 12 वार्डों के उपचुनाव के लिए जिन सभी मतदाताओं को निर्वाचक फोटो पहचान पत्र जारी किया गया है, उन्हें उपचुनाव के दौरान अपने-अपने मतदान केंद्र पर मतदान करने के लिए निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसके अलावा, वे मतदाता जिनका नाम मतदाता सूची में है, लेकिन निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ हैं, वे 12 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक या डाकघर की फोटो युक्त पास बुक, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, पासपोर्ट, पेंशन दस्तावेज, सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों और निगम पार्षदों द्वारा जारी पहचान पत्र और विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत कर मतदान कर सकते हैं। राशन कार्ड को पहचान दस्तावेज के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

12 वार्डों में मतदाताओं की संख्या

राज्य चुनाव आयुक्त विजय देव के अनुसार, एमसीडी के 12 वार्डों में होने वाले उपचुनाव में फरवरी 2025 में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची के अनुसार, कुल 6,98,751 मतदाता मतदान करेंगे। मतदान के लिए 580 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। सबसे अधिक 55 पोलिंग स्टेशन शालीमार बाग बी वार्ड में बनाए जाएंगे, जहां से सीएम रेखा गुप्ता पहले पार्षद थीं। चुनाव के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील बूथों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है, जिसकी निगरानी के लिए टीमें लगातार सक्रिय हैं।

सुबह 4 बजे से शुरू हो जाएगी मेट्रो और डीटीसी बस सेवा

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्डों में होने वाले उपचुनावों के मद्देनजर मतदान और मतगणना के दिन अपनी सेवाओं के समय में बदलाव की घोषणा की है। चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मियों की आवाजाही निर्धारित समय पर सुनिश्चित करने के लिए, मेट्रो सेवाएं आज सुबह 4 बजे से ही शुरू हो जाएंगी। वहीं अंतिम ट्रेन का ड्यूटी से देर से लौटने वाले कर्मचारियों की सुविधा के लिए, सभी टर्मिनल स्टेशनों से अंतिम ट्रेन सेवा सामान्य रात 11 के बजाय 11:30 बजे सभी लाइनों से रवाना होगी। इसी तरह डीटीसी की बसें भी सुबह 4 बजे से शुरू होंगी।

आप- भाजपा से जनता का भंग हो चुका है मोह, आज उपचुनाव में कांग्रेस के पक्ष में होगा मतदानः यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली के लोगों का आम आदमी पार्टी और भाजपा से मोह भंग हो चुका है। इसलिए रविवार को 12 वार्डों में होने वाले निगम के उपचुनाव में मतदाता कांग्रेस के पक्ष में मतदान करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव वाले वार्ड के प्रत्येक बूथ पर कांग्रेस के पोलिंग एजेंट पूरी सजगता और निर्भिकता के साथ भाजपा की वोट चोरी की साजिश को रोकने के लिए तैयार हैं। यादव ने कहा कि पिछले एक महीने कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निगम उपचुनाव के सभी 12 वार्डों में जिस तरह जी जान से दिन रात मेहनत करके प्रत्येक बूथ के हर घर तक पहुंचकर दिल्ली में जानलेवा प्रदूषण, गंदगी, दूषित जल, हर गली किनारे पड़े कूड़े ढ़ेर, टूटी गलियों और सड़कों की हालत को जनता के समक्ष उजागर किया है। उसके पश्चात दिल्ली की जनता का मोह आम आदमी पार्टी और भाजपा के प्रति भंग हो चुका है और निगम उपचुनावों के सभी 12 वार्डों पर कल 30 नवम्बर को एकमात्र विकल्प कांग्रेस के प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिए मतदान करेंगे। निगम चुनावों के लिए हमारी पूरी तैयारी है और पोलिंग एजेंट कल पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने बूथ पर ड्यूटी निभाने के सभी पहलुओं की जानकारी ले चुके है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर कांग्रेस के पोलिंग एजेंट पूरी सजगता और निर्भिकता के साथ भाजपा की वोट चोरी की साजिश को रोकने के लिए तैयार रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस की बूथ प्रबंधन कमेटी के पदाधिकारियों और पोलिंग एजेंट को चुनाव प्रक्रिया की हर बारीकी की ट्रेनिंग देकर कल चुनाव वाले दिन मतदान केन्द्र पर होने वाली गतिविधियों के लिए तैयार किया है। अगर सत्ताधारी भाजपा या आम आदमी पार्टी कोई गड़बड़ी करती है तो उनके खिलाफ क्या कार्यवाही करनी है, इसके लिए भी दिशा निर्देश दे दिए गए है। उन्होंने कहा कि उपचुनावों में सभी 12 वार्डों पर कांग्रेस प्रत्याशियों द्वारा कल तक किए गए प्रचार, घर-घर जन सम्पर्क, कार्नर मीटिंग, पदयात्राएं और छोटी बड़ी जनसभाओं में क्षेत्रीय जनता ने जिस तरह बढ़-चढ़ कर सक्रियता दिखाई है, उससे कांग्रेस उम्मीदवारों का मनोबल उँचाईयों पर है। मैंने स्वयं सभी 12 वार्डों में कांग्रेस प्रत्याशियों के साथ पदयात्राएं की है और जनसभाओं में भी हिस्सा लिया है। जनता 11 वर्ष के आम आदमी पार्टी के शासन और भाजपा के 9 महीनों के दिल्ली में शासन सहित 15 वर्ष से अधिक निगम के भ्रष्टाचार से तंग आ चुके है। अब जनता भविष्य में विकल्प के रूप में कांग्रेस को ही देख रही है। उन्होंने कहा कि अगर जनता इस बदलाव को वोट में तब्दील करती है तो निश्चित ही हम सभी 12 वार्डों पर विजय हासिल करेंगे। निगम उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों की विजय के बाद दिल्ली में हम विजय की शुरुआत के साथ जनता के लिए अपने सभी वार्डों में सफाई, सौंदर्य, स्वच्छता, गलियों और नालियों के निर्माण के काम तत्परता से करके जनता के वोट कर्ज चुकाऐंगे।

'आप' ने चुनाव आयोग से की पुलिस अफसर को निलंबित करने की मांग

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली चुनाव आयोग से भाजपा प्रत्याशी के साथ दक्षिणपुरी वार्ड में चुनाव प्रचार रहे शालीमार बाग थाने के एसएचओ को तत्काल निलंबित करने की मांग की है। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एसएचओ रामपाल गरीब लोगों को धमका रहे हैं कि भाजपा का वोट नहीं दिया तो देख लेंगे। क्या इस पर दिल्ली चुनाव आयोग संज्ञान लेगा। सौरभ ने एक्स पर शालीमार बाग थाने के एचएचओ की भाजपा प्रत्याशी के साथ चुनाव प्रचार करने की एक वीडियो एक्स पर साझा करते हुए कहा कि ये शालीमार बाग थाने के एसएचओ रामपाल हैं। कुछ दिन पहले तक दक्षिणपुरी में एसएचओ थे। अब दक्षिण पुरी एमसीडी उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी के साथ घूम कर गरीब लोगों को धमका रहे हैं कि भाजपा को वोट नहीं दिया तो देख लेंगे। सौरभ ने दिल्ली चुनाव आयोग से पूछा कि क्या सीएम रेखा गुप्ता के इलाके का पुलिस अधिकारी इस तरह भाजपा का चुनाव प्रचार कर सकता है। क्या दिल्ली पुलिस और दिल्ली चुनाव आयोग के मुख्य निर्वाचन अधिकारी इनको सस्पेंड करेंगे। भाजपा वालों, चुनाव ही क्यों करवा रहे हो। वैसे ही काउंसलर के दफ्तर में घुस कर कब्जा कर लो और बन जाओ काउंसलर।

'आप' के दो बार के विधायक राजेश गुप्ता भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और दो बार के विधायक रहे राजेश गुप्ता ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उन्हें पार्टी का पटका पहना कर भाजपा में शामिल किया। इस अवसर पर विधायक राजकुमार भाटिया भी उपस्थित रहे। भाजपा में शामिल होने के दौरान आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल और पार्टी को दिए अपने योगदान और बदले में मिले उपहास का जिक्र करते हुए भावुक हो गए और रोने लगे। इस मौके पर वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि एक जागरूक विधायक के रुप में राजेश गुप्ता ने अपनी एक अलग पहचान बनाई लेकिन उस पहचान की कद्र आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने नहीं की। उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार से अरविंद केजरीवाल दिल्ली से गायब हैं और जिस स्थिति में उन्होंने दिल्ली छोड़ा उस पर अध्ययन करने की जरूरत है। सचदेवा ने कहा कि आप ने दिल्ली को पिछले 12 सालों में इस स्थिति में ला दिया है कि आज उसका बोझ नई सरकार पर भी आया है और भाजपा सरकार उसको धीरे-धीरे कम करने की कोशिश भी कर रही है।

कार्यकर्ताओं को यूज एंड थ्रो समझना ही 'आप' के पतन का है सबसे बड़ा कारण : राजेश

राजेश गुप्ता ने भावुक होते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं को यूज एंड थ्रो समझना ही अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के पतन का सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की जब शुरुआत हुई थी, उस वक्त कई बड़े नाम एक नई ऊर्जा के साथ अरविंद केजरीवाल के लिए इकट्ठा हुए लेकिन अरविंद केजरीवाल ने सभी को धोखा दिया और आज सभी एक एक करके उन्हें छोड़ने में ही अपनी भलाई समझी। आज मैं भी दुर्भाग्यपूर्ण रूप से उसी लिस्ट में शामिल हो गया। गुप्ता ने कहा कि अशोक विहार वार्ड में आम आदमी पार्टी ने ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया है जिसे खुद आप ने नोटिस दिया है।

पत्नी को टिकट न मिलने से नाराज होकर राजेश गुप्ता ने छोड़ी पार्टी : सौरभ भारद्वाज

आम आदमी पार्टी से दो बार के विधायक रहे राजेश गुप्ता के पार्टी छोड़ने पर पार्टी के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राजेश गुप्ता मेरे भाई हैं। पार्टी ने उन्हें चार बार विधायक का चुनाव लड़ाया। इस बार वह विधायक का चुनाव जीत नहीं सके। मगर निगम वार्ड के चुनाव में वह अपनी पत्नी के लिए काउंसलर का टिकट मांग रहे थे। पार्टी ने बड़े भारी मन से यह तय किया कि हम उनको टिकट नहीं दे पा रहे हैं। इससे नाराज होकर उन्होंने एक आजाद उम्मीदवार अशोक विहार वार्ड में खड़ा किया। पार्टी की कई बातें दूसरी पार्टी को बताने की कोशिश की।

राजधानी को नहीं मिल रही वायु प्रदूषण से राहत बहुत खराब श्रेणी में दर्ज हो रहा है एक्यूआई

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

राजधानी को लंबे समय बाद भी वायु प्रदूषण से कोई राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। शनिवार को भी सुबह के समय वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 335 दर्ज किया गया जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। हालांकि यह आंकड़ा शुक्रवार को एक्यूआई 369 से कुछ कम है लेकिन स्तर बहुत खराब श्रेणी में ही है, इसलिए ज्यादा राहत नहीं कही जा सकती। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार सुबह एक्यूआई 335 दर्ज किया गया। जानकारी अनुसार सुबह के समय इंडिया गेट और कर्तव्य पथ पर घने स्मॉग की चादर फैली रही। जिसके चलते इन क्षेत्रों में एक्यूआई 346 दर्ज किया गया। स्मॉग की चादर की वजह से आनंद विहार व धौला कुआं में विजिबिलिटी प्रभावित रही। अलीपुर में एक्यूआई 314 रहा जबकि आनंद विहार में 350 तक दर्ज किया गया। आया नगर में 322 रहा। इन तीनों जगहों पर प्रदूषण का मुख्य कारण पीएम 2.5 बना रहा। वहीं बवाना में 360, नरेला में 389, ओखला फेज-2 में 338 और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा क्षेत्र 291 एक्यूआई दर्ज हुआ। इसके अलावा दिल्ली में तापमान सामान्य से मामूली उपर रहा। दिल्ली में न्यूनतम व अधिकतम तापमान अब सामान्य स्तर पर दर्ज हुआ। न्यूनतम तापमान अब डबल डिजिट में 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली ने अनुमान जताया है कि एक बार फिर मौसम करवट लेने वाला है और न्यूनतम तापमान गिरकर सिंगल डिजिट में 8 डिग्री तक पहुंच सकता है। जबकि अगले तीन चार दिन आसमान पर हल्के बादल देखे जा सकते है। लेकिन इसके बाद भी दिल्ली में बारिश या बूंदाबांदी की संभावना नहीं है। इस दौरान सुबह व शाम तथा रात को हल्का कोहरा देखने को मिल सकता है।

प्रदूषण फैलाने पर डीएमआरसी ने दिया जवाब, कार्य स्थलों पर व्यापक प्रबंध का दावा

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार बढ़ रहे वायु प्रदूषण को लेकर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) पर कई बार सवाल उठे है। इस बार भी प्रदूषण में डीएमआरसी के निर्माण कार्यों पर सवाल उठे है। ऐसे में डीएमआरसी ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि उनकी अपनी अलग-अलग साइट पर प्रदूषण कंट्रोल करने के लिए 82 एंटी-स्मॉग गन लगा रखी है। यह लंबी चौड़ी एंटी-स्मॉग गन हवा में पानी की बौछार मारती है जिससे वहां धूल उड़न से पहले ही पानी के संपर्क में आकर जमीन पर बैठ जाती है। ऐसे में धूल के कण हवा में नहीं घुलते। वहीं डीएमआरसी ने बताया कि वर्तमान में उनके अधीन महज 19 किलोमीटर लंबाई की अलग अलग सड़क की देखरेख का ही जिम्मा है। इन सड़कों पर डीएमआरसी की तरफ से लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है जिससे गाड़ियों के चलने से धूल नहीं उड़ती। इसके अलावा भी डीएमआरसी ने अन्य उपाय किए है।

दिल्ली के झंडेवालान में आरएसएस मुख्यालय के पास एमसीडी ने अतिक्रमण हटाया

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शनिवार को झंडेवालान स्थित आरएसएस मुख्यालय के पास अतिक्रमण रोधी अभियान चलाया और उन ढांचों को हटाया, जिनके लिए डेढ़ महीने पहले नोटिस जारी किए गए थे। इस बात की जानकारी अधिकारियों ने दी है। एमसीडी के एक सूत्र ने बताया कि ये संरचनाएं खतरनाक क्षेत्र में थीं और अधिकांश लोग पहले ही इस क्षेत्र को खाली कर चुके थे। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई इसलिए की गई, क्योंकि वे अनुपालन करने में विफल रहे। उन्होंने बताया कि उन्हें 45 दिन पहले प्लॉट खाली करने के लिए कहा गया था। दिल्ली पुलिस और एमसीडी अधिकारियों की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने के लिये अभियान चलाया गया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि नोटिस काफी पहले जारी कर दिए गए थे।

आप विधायक ने एमसीडी बुलडोजर का किया विरोध, पुलिस ने लिया हिरासत

करोलबाग के झंडेवालान स्थित हर श्री नाथ मंदिर के पास शनिवार सुबह दिल्ली नगर नगम (एमसीडी) ने बुलडोजर चला दिया। अचानक हुई बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर स्थानीय का गुस्सा फूट पड़ा और करोल बाग के विधायक विशेष रवि के नेतृत्व में आप कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस की बार-बार चेतावनी के बाद भी नहीं मानने पर पुलिस ने विधायक विशेष रवि समेत कई लोगों को हिरासत में ले लिया। हालांकि बाद सभी को छोड़ दिया। इस दौरान विधायक विशेष रवि ने कहा कि भाजपा की एमसीडी ने हर श्री नाथ मंदिर, झंडेवालान पर बुलडोजर कारवाई कर दी। शनिवार सुबह झंडेवालान स्थित हर श्री नाथ मंदिर और उसके आसपास निर्माण को ध्वस्त करने के लिए भाजपा की एमसीडी ने कई बुलडोजर मौके पर भेजे। उन्होंने कहा कि झंडेवालान में स्थित हर श्री नाथ मंदिर आरआरएस मुख्यालय के बराबर में है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मंदिर बहुत पुराना है। यह मंदिर आजादी के समय का बना है। यह मंदिर अवैध कैसे हो गया। यह गुरु गोरखनाथ स्थान है। इस मंदिर से लाखों लोगों की श्रद्धा जुड़ी हुई है। लोगों का कहना है कि मंदिर तोड़ने से पहले कोई नोटिस नहीं दिया गया। बुलडोजर की कार्रवाई अवैध रूप से की गई है।

चैतन्यानंद सरस्वती से जुड़े यौन उत्पीड़न मामले में तीन सह-आरोपियों को मिली जमानत

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती से जुड़े यौन उत्पीड़न मामले में तीन सह-आरोपियों को शनिवार को जमानत दे दी। न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिमेष कुमार तीन आरोपियों - काजल, भावना और श्वेता - की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, तीनों को गिरफ्तार नहीं किया गया था, लेकिन उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था। अदालत ने तीनों को 20-20 हजार रुपये का जमानती बांड भरने को कहा और मामले की अगली सुनवाई दो दिसंबर को निर्धारित की। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के एक निजी प्रबंधन संस्थान में 16 छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती को 27 सितंबर को आगरा से गिरफ्तार किया गया। चैतन्यानंद प्रबंधन संस्थान का पूर्व चेयरमैन भी है। वह कई महिलाओं के साथ छेड़छाड़ के आरोपों के चलते न्यायिक हिरासत में है। अदालत ने फर्जी राजनयिक नंबर प्लेट के इस्तेमाल से जुड़े एक अन्य मामले में भी सरस्वती के खिलाफ पेशी वारंट जारी किया। सरस्वती को 2 दिसंबर को अदालत में पेश किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने गृहणियों को प्रदान किए नए गैस कनेक्शन

उज्ज्वला योजना से दिल्ली की रसोई बनी प्रदूषण मुक्त : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) से दिल्ली की रसोई प्रदूषण मुक्त बन रही है। यह बात शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वजीरपुर क्षेत्र में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के अंतर्गत महिला लाभार्थियों को गैस कनेक्शन वितरित करने के दौरान कही। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना एक उपहार नहीं, बल्कि उज्ज्वल जीवन जीने की नई सुबह है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह वितरण केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य को सशक्त बनाने वाला निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ राजधानी में लकड़ी और कोयले पर आधारित रसोई को समाप्त करने के लिए प्रयासरत है। इस कड़ी में राजधानी के सिक्योरिटी गार्ड और रात्रि-ड्यूटी कर्मियों को इलेक्ट्रिक हीटर प्रदान किए जा रहे हैं, ताकि उन्हें ठंड में लकड़ी आदि जलाने की जरूरत न पड़े। साथ ही प्रेस कर्मियों को भी कोयला-आधारित प्रेस से गैस या बिजली-आधारित उपकरणों की ओर स्थानांतरित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि पर्यावरण पर होने वाले दुष्प्रभावों को पूरी तरह खत्म किया जा सके।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उज्ज्वला योजना ने दिल्ली के 2.5 लाख से अधिक परिवारों की रसोई को धुआं मुक्त बनाया है। यह केवल ईंधन परिवर्तन नहीं है, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य, प्रदूषण नियंत्रण और घरेलू गरिमा के लिए एक महत्वपूर्ण सुधार है, जिसने खुले में लकड़ी, कोयला और उपलों जलाने की जगह सुरक्षित एलपीजी को अपनाने का मार्ग खोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार घरों में लकड़ी और कोयले जलाने से होने वाले प्रदूषण को समाप्त करने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। हर घर तक एलपीजी कनेक्शन पहुंचाना न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा का माध्यम है, बल्कि दिल्ली को स्वच्छ वायु और प्रदूषण मुक्त भविष्य की तरफ ले जाने का मिशन भी है।

जहां-जहां कनेक्शन उपलब्ध नहीं उन सभी परिवारों को मिलेगी उज्ज्वला सुविधा

मुख्यमंत्री ने सभी लाभार्थियों को बधाई दी और कहा कि जहां-जहां अभी भी कनेक्शन उपलब्ध नहीं हुए हैं, उनकी सूची तैयार कर सभी परिवारों को उज्ज्वला सुविधा प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि उज्ज्वला योजना के अंतर्गत नए गैस कनेक्शन व सिलेंडर दिल्ली की गृहणियों को रसोई के धुएं से राहत देंगे और प्रदूषण को कम करके घरों और वातावरण दोनों को अधिक सुरक्षित बनाएंगे। यह पहल घरेलू वायु-प्रदूषण में कमी लाकर दिल्ली को स्वच्छ हवा और प्रदूषण-मुक्त भविष्य की ओर अग्रसर कर रही है।

पहली बार लोगों ने हॉट एयर बैलून राइड से देखी अपनी दिल्ली, बताया अनोखा रोमांचक अनुभव

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली में लोगों ने पहली बिना हवाई जहाज व बिना हेलीकॉप्टर के दिल्ली का रोमांचित करने वाला एरियल उड़ान का अनुभव प्राप्त किया। यह रोमांचक अनुभव दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा शनिवार से शुरू हुई हॉट एयर बैलून राइड के जरिए मिला। दिल्ली के सराय काले खां के निकट बांसेरा पार्क में हॉट एयर बैलून राइड क पहल दिन शाम तीन पहली यात्रा करने वाले दीपक जैन व उनके परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं था। उन्होंने बताया कि अभी तक पहाड़ी राज्यों के पर्यटन स्थल पर ही गुब्बारे से यात्रा करने का अवसर मिलता था। लेकिन दिल्ली जैसे शहर में हॉट एयर बैलून राइड का अपना अलग ही अनुभव व रोमांच महसूस किया। उन्होंने कहा कि गुब्बारे से हमने यमुना नदी का सुंदर दृश्य देखा जो कभी सोचा भी नहीं था। इसी प्रकार आसमान से अक्षरधाम मंदिर को अलग ही भव्य रूप देखने को मिला। इसी प्रकार पहली बार दिल्ली में हॉट एयर बैलून राइड करने वाले लोगों ने अपने अपने अनुभव साझा किए। इनके अलावा वरिष्ठ नागरिकों के सामने उतरने चढ़ने की समस्या सामने आई। वरिष्ठ नागरिकों ने डीडीए से अपील की है कि अगर उतरने चढ़ने के लिए कोई बेहतरीन व्यवस्था की जाए तो बेहतर होगा। दूसरी तरफ बच्चों खिले हुए चेहरे बता रहे थे कि उन्होंने कुछ अलग ही आनंद लिया है। इस राइड में बैलून करीब 120 फीट की ऊंचाई तक पहुंचता है जहां से अक्षरधाम मंदिर, सिग्नेचर ब्रिज, इंडिया गेट, पूरा यमुना तट और दूर तक फैली दिल्ली की अनदेखी अलग ही तस्वीर का नजारा देखने को मिलेगा। हर सेशन यानी प्रत्येक राइड 15–20 मिनट की है और बैलून में एक समय में चार लोग ही सवार हो सकते है। लोगों की सुरक्षा का भी पूरा ध्यान व प्रबंध किया गया है। बता दें कि मंगलवार 25 नवंबर 2025 को उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना की मौजूदगी में पहली बार हॉट एयर बैलून राइड का सफल ट्रायल हुआ था। जिसके बाद अब शनिवार से इस हॉट एयर बैलून राइड को आम जनता के लिए शुरू कर दिया गया है।

खबर संक्षेप

कंपनी की कॉपर लूटने वाला आरोपी काबू

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने सेक्टर 24 स्थित एक कंपनी से कॉपर व गाड़ी

की लूट के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 23-24 नवम्बर की रात को 5-6 व्यक्तियों ने सेक्टर-24 स्थित त्रिकूटा मेटल्स प्लांट में चौकीदार को बंधक बनाकर करीब 2000 किलो तांबा, एक पिकअप गाड़ी व दो टीवी लूट कर ले गये। जिस पर जतिन चोपड़ा की शिकायत पर थाना मुजेसर में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

आवासीय योजना निवाड़ी के 55 भवनों का ड्रॉ

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निवाड़ी के शेष 55 भवनों का उप-जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शनिवार को हिंदी भवन, लोहिया नगर हुआ। गाजियाबाद में आवेदकों की उपस्थिति में पूरी शुचिता एवं पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हुआ। जिसमें ड्रॉ के दौरान प्राधिकरण के अपर सचिव पीके सिंह, वित्त नियंत्रक एवं परियोजना अधिकारी डूडा उपस्थित रहे।

पैसे निकालने के मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने फोन हैक कर खाता से पैसे निकालने के मामले में तीन आरोपियों को

गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सेक्टर-7 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कथित सैमसंग कस्टमर केयर कर्मचारी का फ्रिज के रूटीन चैक अप के लिए कॉल आया। जिसके कुछ देर उन्होंने उसके पास फोन पर एक लिंक भेजा, जिस पर क्लिक करते ही उसका फोन हैक हो गया और उसके बैंक खाता 1,81,862 रुपए कट गए।

राज्य मंत्री नागर ने बल्लभगढ़ रेलवे स्टेशन पर किया स्वदेशी अभियान का नेतृत्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी अभियान के तहत रेल यात्री संपर्क अभियान का आयोजन जिला अध्यक्ष सोहन पाल सिंह की अध्यक्षता में रेलवे स्टेशन बल्लभगढ़ पर किया गया। जिसमें हरियाणा के खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। यहां उन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात की और उन्हें देश में बने सामान खरीदने की अपील की। कैबिनेट मंत्री राजेश नागर और पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्टेशन पर स्वदेशी अपनाओ के स्टीकर भी लगाए, ताकि लोग जागरूक हों और भारतीय वस्तुओं को अधिक अपनाएं।

स्वदेशी अपनाकर ही देश मजबूत बनेगा : राजेश नागर

खास बातें

- रेल यात्री संपर्क अभियान का आयोजन किया
- समाज के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात की
- मंत्री नागर ने कहा स्वदेशी अपनाओं के स्टीकर भी लगाए

मंत्री शर्मा ने कहा-पीएम चाहते है देश 2047 तक आत्मनिर्भर विकसित बने

कैबिनेट मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि देश 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित बने। इसके लिए जरूरी है कि हर नागरिक स्वदेशी सामान का इस्तेमाल करें और विदेशी चीजों पर निर्भरता कम करें। उन्होंने बताया कि पूरे हरियाणा में यह अभियान चलाया जा रहा है। हर जिले और विधानसभा में स्वदेशी अपनाकर देश को मजबूत बनाने का सशक्त संदेश दिया जा रहा है। मंत्री ने यह भी कहा कि जल्द ही राज्य में स्वदेशी दुकानों की शुरुआत की जाएगी, जहां सिर्फ भारतीय उत्पाद ही मिलेंगे। कैबिनेट मंत्री राजेश नागर ने रोहतक में खेल मैदान में खिलाड़ी की हुई मौत पर मंत्री नागर ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने घटना के बाद तुरंत आवश्यक कार्रवाई की है। साथ ही सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में बने स्टेडियमों और खेल सुविधाओं की जांच करें ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और खिलाड़ियों को बेहतर व्यवस्था मिल सके। इस अवसर पर समाजसेवी कार्यकर्ताओं ने यात्रियों से संवाद कर स्वदेशी अपनाने, स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने तथा प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देने का संदेश दिया। इस अवसर पर मेयर प्रवीण जोशी, जिला प्रभारी कमल यादव, हरियाणा सरकार में चेयरमैन हुकम सिंह भाटी, वरिष्ठ भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा, जिला महामंत्री अनुराग गर्ग, बलदेव अलावलपुर, जिला मीडिया प्रभारी राजेश कौशिक, सह मीडिया प्रभारी हन्नी कुमार सहित बड़ी संख्या में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रमुख तथा ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

विधायक अदलखा ने कहा- शहर की बहु सांस्कृतिक पहचान में सिख समुदाय का योगदान सराहनीय

बलिदान और मानवता के प्रतीक गुरु तेग बहादुर के नाम पर फरीदाबाद का प्रमुख चौक समर्पित: मंत्री गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद में शनिवार का दिन ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण रहा, जब वर्षों से नीलम चौक के नाम से पहचाना जाने वाला यह प्रमुख चौराहा आधिकारिक रूप से गुरु तेग बहादुर चौक के नाम से घोषित किया गया। यह निर्णय गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ के उपलक्ष्य में लिया गया है, जिसकी मुख्य राज्य स्तरीय समर्पित कार्यक्रम 26 नवंबर को कुरुक्षेत्र में आयोजित हुआ था और जिसमें स्वयं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए थे।

भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहे। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने शनिवार को नीलम चौक का नाम गुरु तेग बहादुर चौक के नाम से घोषित किया। उनके साथ बड़खल विधायक धनेश अदलखा, एनआईटी फरीदाबाद विधायक सतीश फागना भी मौजूद रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि गुरु तेग बहादुर की शहादत सदियों से मानवता, धर्म, रक्षा और अदम्य साहस का प्रतीक रही है।

सिख गुरुओं ने मानवाधिकारों की रक्षा की

तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ पर समर्पित दिवस के रूप मनाया

बड़खल विधायक धनेश अदलखा ने कहा कि फरीदाबाद के एनआईटी क्षेत्र में स्थित नीलम चौक का नाम आज औपचारिक रूप से श्री गुरु तेग बहादुर चौक घोषित किया गया। यह घोषणा केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों, संगत और नागरिकों की उपस्थिति में की गई। यह निर्णय गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ पर उन्हें समर्पित दिवस के रूप में लिया गया है। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद की बहुधर्मी और बहुसांस्कृतिक पहचान को सिख समुदाय ने सदैव मजबूती दी है। शहर में गुरुद्वारा साहिब की उपस्थिति लोगों के लिए भरोसे और एकता का प्रतीक है। उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही इसी चौक से थोड़ा आगे गुरु तेग बहादुर द्वार के निर्माण का शिलान्यास किया जाएगा, ताकि गुरु साहिब की शहादत और मानवीय मूल्यों को नई पीढ़ी तक प्रेरणादायक रूप में पहुंचाया जा सके। इसके अतिरिक्त सलूजा साहिब पेट्रोल पंप से केसरी रोड तक की सड़क को बाबा बंदा सिंह बहादुर मार्ग नाम देने की भी बात सरकार से चल रही है।

गुरुद्वारों द्वारा की गई सेवा को भी मानवता की मिसाल के रूप में याद किया

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में वैश्विक स्तर पर गुरुद्वारों द्वारा की गाई सेवा को भी मानवता की मिसाल के रूप में याद किया गया। एनआईटी विधायक सतीश फागना ने कहा कि फरीदाबाद के ऐतिहासिक नीलम चौक, जिसे अब आधिकारिक रूप से श्री गुरु तेग बहादुर चौक नाम दिया गया है, को लेकर क्षेत्र में हर्ष और सम्मान का वातावरण देखने को मिला। उन्होंने कहा कि यह स्थान लंबे समय से नीलम चौक के नाम से जाना जाता था, जबकि आज यहां न तो नीलम नाम की कोई पहचान बची थी और न ही इसका पूर्व स्वरूप। ऐसे में यह बदलाव शहर की भावना और श्रद्धा को सम्मान देने वाला निर्णय है। उन्होंने धर्म के लिए प्राण त्याग दिए, किंतु सिद्धांतों से विचलित होना स्वीकार नहीं किया। यह नामकरण फरीदाबाद ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है, क्योंकि ऐसे महापुरुष सम्पूर्ण मानवता की धरोहर होते हैं। उन्होंने स्मरण कराया कि मुगल शासनकाल में सिख गुरुओं और उनके साथियों ने धर्म और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अप्रतिम बलिदान दिए। गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों की शहादत भारत की इतिहास धारा में अमिट है, जहां दो युद्धभूमि में वीरगति को प्राप्त हुए और दो नन्हे राजकुमारों को जीवित दीवार में चुनवा दिया गया। इसी बलिदान की स्मृति को जीवित रखने के लिए देशभर में प्रतिवर्ष वीर बाल दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कार्यक्रम में सिख समुदाय की सेवा, परंपरा की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आपदाओं और संकटों के समय गुरुद्वारों द्वारा किए गए सेवा कार्य, विशेषकर कोरोना महामारी के दौरान लाखों लोगों के लिए प्रतिदिन लंगर उपलब्ध कराना, मानवता की अनुपम मिसाल है। उन्होंने कहा कि नीलम चौक का नया नाम श्री गुरु तेग बहादुर चौक आने वाली पीढ़ियों को उन वीरों की याद दिलाता रहेगा, जिन्होंने देश और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया।

तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का किया शुभारंभ

श्रीमद्भगवद गीता विश्व का शाश्वत और सार्वकालिक ज्ञान का भंडार है: विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

जिला फरीदाबाद के सेक्टर-12 स्थित एचएसवीपी कन्वेंशन सेंटर में तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव 2025 का भव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण में शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में यज्ञ में आहुति डालकर और दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि ने सर्वप्रथम सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा लगाई गई श्रीमद्भगवद गीता पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिसमें गीता के अठारह अध्यायों का सार, महाभारत के प्रमुख प्रसंग, भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश तथा आधुनिक जीवन में गीता के संदेश की प्रासंगिकता को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न विभागों तथा सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं द्वारा लगाए गए जनकल्याणकारी स्टॉलों का भी निरीक्षण किया गया।

समाज को एकता और सद्भाव का संदेश मिला

मुख्यातिथि ने जिला प्रशासन को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में आध्यात्मिक चेतना का संचार करते हैं। युवाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं और समाज को एकता व सद्भाव के संदेश से ओतप्रोत करते हैं। जिला प्रशासन ने मुख्य अतिथि पंडित मूलचंद शर्मा को शाल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान विभिन्न कलाकारों ने श्रीमद्भगवद गीता के उपदेशों पर आधारित सांस्कृतिक नृत्य, नाटक, भजन, कृष्ण लीला और योगाभ्यास की प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने उपस्थित दर्शकों को भक्ति, ज्ञान और संस्कृति से परिपूर्ण कर दिया। कार्यक्रम में महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया, जिला अध्यक्ष सोहन पाल छोकर, एसडीएम बड़खल त्रिलोक चंद, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, नगराधीश अंकित कुमार, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी मूर्ति दलाल, विभिन्न विभागों के अधिकारी, समाजसेवी, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

4 दिसंबर को सेन भगत की 682 वीं जयंती मनाई जाएगी

सेन समाज हरियाणा की बैठक में सेन भगत की 682 वीं जयंती मनाने पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सैन समाज हरियाणा (कोर कमेटी) द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैठक की अध्यक्षता सेन समाज हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप सेन ने की बैठक में उपस्थित समाज के लोगों को संबोधित करते हुए श्री सेन ने कहा कि आगामी 4 दिसंबर को लाडवा कुरूक्षेत्र में सैन भगत जी की 682वीं जयंती भव्य स्तर पर मनाई जा रही है। यह जयंती राज्य स्तरीय रूप से मनाई जा रही हैं इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगें। वहीं हरियाणा के अलावा पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखण्ड व राजस्थान से सैन समाज के हजारों लोग कार्यक्रम में शिरकत करेगें।

इस अवसर पर कुलदीप सेन ने हरियाणा के सभी पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां लगाई तथा समाज के बंधुओं, मात्र शक्ति, युवा वर्ग, बुजुर्ग, बच्चों को अधिक से अधिक संख्या में लाडवा में सैन जयंती पर आने के लिए आमंत्रित करने को कहा।

कुलदीप सैन ने बताया कि सैन जयंती प्रत्येक वर्ष धूमधाम से मनाई जाती है और भविष्य में भी मनाई जाएगी इस बार भी सैन भगत जयंती कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर की जा रही है।

डीपीजी लॉ कॉलेज में संविधान दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

डीपीजी लॉ कॉलेज के विधि विभाग ने भारत के संविधान को अंगीकार किए जाने के उपलक्ष्य में संविधान दिवस मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देना, मौलिक कर्तव्यों के महत्व को सुदृढ़ करना और विधि छात्रों को लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करना था।

समारोह में अध्यक्ष राजेंद्र गहलोत ने संविधान दिवस की प्रासंगिकता पर एक सार्थक भाषण दिया।

उपाध्यक्ष दीपक गहलोत ने छात्रों को स्वतंत्रता संग्राम और संविधान निर्माण के पीछे की कड़ी मेहनत के बारे में जागरूक किया। डीपीजी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ एसएस बोकेन ने छात्रों से आज संविधान की प्रासंगिकता के बारे में पूछा और रजिस्ट्रार महोदय अशोक गोगिया ने बीआर अंबेडकर और देश के लिए उनके बलिदान पर एक शानदार भाषण दिया और डीपीजी लॉ कॉलेज की निदेशक डॉ प्रिया शुक्ला ने छात्रों को हमारे संविधान में नागरिकों को दिए गए विभिन्न अधिकारों के बारे में जागरूक किया।

पोकेमॉन गो कम्यूनिटी डे आज

देश के 33 शहरों में एक साथ आयोजित होगी कम्यूनिटी डे मीटअप

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

पोकेमॉन गो कम्यूनिटी डे पर आज 30 नवंबर को पिकीपेक, वुडपेकर पोकेमॉन को विशेष रूप से फीचर किया जाएगा। यह एक दिवसीय कम्यूनिटी डे मीटअप दोपहर को एक साथ देश के 33 शहरों में आयोजित होगी।

कम्यूनिटी डे मीटअप में नई दिल्ली के सेक्टर 6, द्वारका में प्लाज़ा पार्क, ईरोज़ वन मॉल, महाराजा अग्रसेन पार्क और लोधी गार्डन, गाजियाबाद के इंदिरापुरम में स्वरूप जयंती पार्क, गुरुग्राम के लीज़र वैली पार्क, मुंबई के काला में हॉर्निमन सर्कल, आईआईटी बॉम्बे, वीर सावरकर उद्यान और शिवाजी पार्क (दादर), नवी मुंबई के वाशी में इनऑर्बिट मॉल, ऐरोली में राजीव गांधी गार्डन और कलांबोली के सेक्टर 10 में मंडावा गार्डन, पुणे के सिद्धिविनायक गणेश मंदिर, सरसबाग, फरीदाबाद में ताऊ देवीलाल पार्क, देहरादून के गांधी पार्क, गुवाहाटी के प्लेग्राउंड, जयपुर के जवाहर सर्किल, भुवनेश्वर के खरवेला सेंट्रल पार्क शामिल हैं।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शफीक पुत्र अब्दुल हमीद निवासी बी–61, शहीद नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश और ए–399, गली नंबर 06, सीलमपुर, दिल्ली** ने **FIR No. 136/2010, U/S 279/304A IPC & 3/181, 14G/19G MV-Act, अन्तर्गत थाना खजूरी खास, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शफीक** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शफीक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 136/2010, U/S 279/304A IPC & 3/181, 14G/19G MV-Act, अन्तर्गत थाना खजूरी खास, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शफीक** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री इसरा जैदी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–04
कमरा संख्या 64, चतुर्थ तल, उत्तर पूर्व जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली
DP/16016/NE/2025(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **मंजू भालोठिया, प्रोपराइटर मेसर्स:** एम.ए. एक्सपोर्ट, **पता:** बीओ, –20 दूसरी मंजिल, शालीमार बाग दिल्ली, ने **CC No. 540881/16, U/s 138 NI Act थाना: प्रसाद नगर दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मंजू भालोठिया,** मिल नहीं रही हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मंजू भालोठिया,** फरार हो गई है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 540881/16, U/s 138 NI Act थाना: प्रसाद नगर दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **मंजू भालोठिया,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अरविंद तोमर
जेएमएफसी–07, कमरा नंबर 507
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/15443/CD/2025
(Court Matter)

एसआईआर अभियान में नगर आयुक्त ने मॉनिटरिंग के लिए लगाए अधिकारी

मतदाताओं की पहचान करने में निगम कर रहा बीएलओ का सहयोग: जिला निर्वाचन अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नगर निगम द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्य में मतदाताओं तथा बीएलओ का भरपूर सहयोग किया जा रहा है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार जहां स्वास्थ्य विभाग से सफाई नायकों तथा सेनेटरी फूड इंस्पेक्टर्स द्वारा भी बीएलओ का सहयोग किया जा रहा है। वही नगर आयुक्त द्वारा वरिष्ठ प्रभारी की ड्यूटी भी मॉनिटरिंग के लिए बूथवार लगाई गई है।

इसी क्रम में जोनल प्रभारी भी अपने-अपने क्षेत्र में मतदाताओं का भी सहयोग कर रहे हैं, जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया मतदाता तथा बीएलओ के बीच गाजियाबाद नगर निगम टीम समन्वय का कार्य कर रही है । एस आई आर फॉर्म एकत्र करने के साथ-साथ उनको सही तरह से भरवाने के लिए भी जानकारी मतदाताओं को दी जा रही है तथा गाजियाबाद नगर निगम टीम मतदाताओं की पहचान में भी मदद कर रही है, जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निगम कर्मियों का उत्साहवर्धन किया तथा रफ्तार बढ़ाने के लिए भी निर्देश दिए गए।

अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त सहित विभागीय अधिकारियों को भी मॉनिटरिंग के लिए निर्देश दिए हैं। बूथवार अधिकारियों की टीम द्वारा चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया तथा बीएलओ का सहयोग कराया गया।

केंद्रीय राज्य मंत्री गुर्जर ने राजकुमार तेवतिया के निधन पर शोक जताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने शनिवार सैक्टर-3 स्थित राजा नाहर सिंह पैलेस में उनके निवास पर जाकर सुख-दुख के साथी रहे राजकुमार तेवतिया के निधन पर शोक प्रकट किया। इस अवसर पर उनके साथ विधायक एवं पूर्व मंत्री पं. मूलचंद शर्मा, सतीश कुमार फागना, विधायक धनेश अदलक्खा सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद थे।

कृष्णपाल गुर्जर ने उनके पुत्र सुनील तेवतिया, अनिल तेवतिया व उनके परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि जीवन की यह बात बिल्कुल सत्य है कि जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है, यही जीवन का अटल नियम है। जीवन एक यात्रा है, उन्होंने कहा कि राजकुमार तेवतिया एक महान हस्ती थी और उन्होंने हमेशा समाज के साथ-साथ दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम किया और और लोगों का भला किया। आज उनको हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और हमारी श्रद्धांजलि तब ही पूरी होगी जब उनके बताए हुए मार्ग पर हम सभी उनके बताए कार्य को पूरा करें। उन्होंने हमेशा शहीद राजा नाहर सिंह के इतिहास को आगे बढ़ाने का काम किया वह उनके कॉलेज समय के भी सीनियर साथी रहे थे। इसके अलावा पूर्व मंत्री एवं विधायक आफताब अहमद ने भी राजकुमार तेवतिया को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पूर्व सांसद रामचन्द्र बैंदा के पुत्र दयानंद बैंदा, संजय डागर, गिरीश भारद्वाज, अनिल जेलदार, कपिल डागर, विजय तेवतिया, पवन तेवतिया, शिव तेवतिया, मनोज तेवतिया, प्रमोद दीक्षित आदि।

खबर संक्षेप

तेजस्वी यादव विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष घोषित

पटना। आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव 18वीं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे। राजद और महागठबंधन के विधायक दल की बैठक में तेजस्वी यादव के नाम पर सर्वसम्मति से मुहर लगा दी गई।

शनिवार को हुई बैठक में राजद, कांग्रेस, वाम दलों के विधायकों ने एक स्वर से तेजस्वी को अपना नेता माना। तय हुआ कि संख्या भले ही कम है, लेकिन जनहित के मसले पर मजबूती से सदन में आवाज उठाएंगे।

खुदाई में ईंट भट्ठे से निकली शिवलिंग

भदोही। जिले में खुदाई के दौरान ईंट-भट्ठे से सैकड़ों वर्ष पुरानी विशालकाय शिवलिंग निकली।

जिसे देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। देखते ही देखते वहां पूजा-अर्चना शुरू हो गई। दरअसल अस्ती गांव में खुदाई के दौरान सैकड़ों वर्ष पुराना प्राचीन शिवलिंग निकला है। भदोही तहसील के अस्ती गांव में अरुण सिंह का ईंट भट्ठा है। जहां ईंट निर्माण के लिए काफी गहराई तक मिट्टी खोदी गई।

आदमखोर भेड़िए ने 2 बच्चों को बनाया निवाला

बहराइच। जिले में भेड़ियों के हमले ने लोगों की नींद उड़ा दी है। दो घटनाओं में बच्चों की मौत हो गई। शुक्रवार की रात देहात कोतवाली के खोरिया शफीक गांव में 10 महीने की बच्ची का गन्ने के खेत में अधखाया शव मिला है। वहीं कैसरगंज के गोडहिया में भेड़िया पांच साल के बच्चे को उठा ले गया।

मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन में दिया भरोसा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनता दरबार में आए सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है, हर समस्या का प्रभावी समाधान होगा।

बिना चिंता कराएं इलाज, सरकार करेगी भरपूर आर्थिक मदद

एजेंसी ▶▶ गोरखपुर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को "जनता दर्शन" में आए लोगों को आश्वासन दिया कि वे बिना किसी चिंता के इलाज कराएं, सरकार उनकी भरपूर आर्थिक मदद करेगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को आश्वस्त किया कि वह बिना किसी चिंता के बेहतर अस्पतालों में इलाज कराएं, सरकार उनकी भरपूर आर्थिक मदद करेगी। योगी ने कहा कि ऐसे लोगों के उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था राज्य सरकार करेगी। योगी ने इसे लेकर अधिकारियों को निर्देश भी दिया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके अनुमानित खर्च की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की

योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद शनिवार सुबह आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित सभा में प्रत्येक व्यक्ति की समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को सौंपे। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है, प्रत्येक समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा।

सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। यदि कहीं कोई जमीन पर कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो कड़ी कानूनी कार्रवाई करें। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही यदि कोई पात्र व्यक्ति सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित है तो उसे तत्काल योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

कोई गाए, मेरा मत बता देना

बिहार चुनाव में आरजेडी पर बने गानों से अखिलेश सावधान

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी में एसआईआर को लेकर विपक्ष लगातार चुनाव आयोग और भाजपा पर हमलावर है। शनिवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर भाजपा और निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। अखिलेश ने दावा किया कि सरकार मतदाता सूची के एसआईआर के बहाने वोट डालने का अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है। सपा मुख्यालय पर प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान अखिलेश ने बिहार चुनाव में बजे गानों का जिक्र करते हुए खुद को सावधान भी किया। उन्होंने कहा, मैं कलाकार साथियों से कहूंगा- बिहार में आरजेडी के लिए जैसे गाने बने, वैसे गाने मत बना देना।

एसआईआर सोची समझी साजिश

अखिलेश यादव ने आरोप लगाते हुए कहा, ये सोची समझी साजिश है, रणनीति है। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के दिए हुए संविधान के तहत हमें जो वोट डालने का अधिकार है, उस अधिकार को छीनने की तैयारी है।" उन्होंने कहा, "ये (केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग) एसआईआर के बहाने वोट डालने का अधिकार छीन रहे हैं। आरक्षण, आपकी पहचान छीनेंगे और आपके ऊपर उल्टे सीधे दबाव बनाएंगे।" सपा प्रमुख ने 14 नवंबर को मस्तिष्काघात से मृत बीएलओ विजय कुमार वर्मा का जिक्र करते हुए ये गंभीर आरोप लगाए। यादव ने कहा कि सरकार के लोग इस बात का दबाव बना रहे हैं कि वह ड्यूटी में ही नहीं थे और पहले से ही बीमार थे।

बीएलओ वर्मा के परिजनों ने मीडिया के सामने कहा कि वे (वर्मा) शिक्षा मित्र थे, उनकी ड्यूटी बीएलओ में लगाई गई थी। उन्हें मस्तिष्काघात हुआ 14 तारीख को और उस दिन वह काम पर गए थे।

गीडा स्थापना दिवस

सीएम योगी बोले- यहां गोलियां चलती थीं, सबकी कमर तोड़कर सीधी कर दी, अब यूपी उत्सव का प्रदेश

एजेंसी ▶▶ गोरखपुर

मुख्यमंत्री शनिवार को गीडा के 36वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ कर सभी को बाद कहा कि गीडा के 36वें स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि गीडा के स्थापना के साथ ही इसपर कुछ बीमारियों ने हमला कर दिया। 1998 तक यहां गतिविधियां शून्य रहीं। धरना प्रदर्शन होते रहते थे, गोलियां चलती थीं। सरकार इसपर ध्यान नहीं देती थी। गोरखपुर में इंसेफलाइटिस की बीमारी बच्चों को कहर बनकर निगल रही थी। आज हम नए बदलते हुए भारत में उत्तर प्रदेश आगे है।

डबल इंजन की सरकार के बाद यूपी में 45 लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। इसके लिए सरकार ने प्रयास किए हैं।

> सीएम शनिवार को गीडा के 36वें स्थापना दिवस समारोह में सीएम योगी लोगों को संबंधित किए। उन्होंने कहा कि आठ वर्ष पहले यूपी में क्या स्थिति थी। पहले जाती के नाम पर लड़ाओ, भाषा के नाम पर विवाद होता था। वैमनस्यता के नाम पर कर्फ्यू जैसी स्थिति बन जाती थी। अब इनकी कमर तोड़कर सीधी कर दी गई।

देश का सबसे बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर देने में यूपी सफल हुआ

सीएम ने कहा कि अपराधी व माफियाओं पर कैसे कार्रवाई को इसपर लोग यूपी का उदाहरण देते हैं। किसी भी अन्नदाता किसान से अन्याय नहीं होना चाहिए। देश का सबसे बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर देने में यूपी सफल हुआ। 55 फीसदी एक्सप्रेसवे यूपी में है। सबसे बड़ा रेल नेटवर्क, सबसे ज्यादा एयरपोर्ट और सबसे ज्यादा मेट्रो सिटी हैं। भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट भी जेवर में तैयार हो गया है। देश की पहली रैपिड रेल यूपी में है। देश की पहली इन्लैंड वाटरवे भी यूपी में है। देश की सबसे तेजी से बढ़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। यहां अनलिमिटेड पोटेंशियल है। हर निवेश से रोजगार का सृजन होता है। निवेश प्रस्ताव से सीधे सीधे 1.5 करोड़ नौकरियों की व्यवस्था हुई। गीडा में अकेले 40 हजार लोगों को रोजगार मिला है।

माफियागिरी ने निवेश को किया चौपट

सीएम ने कहा कि विरासत पर गौरव के बिना कोई भी देश विकसित नहीं हो सकता। ये पूर्वी उत्तर प्रदेश आजादी के बाद से ही उपेक्षित था। माफियागिरी ने यहां के निवेश को चौपट कर दिया था। यहां के वातावरण को खराब कर दिया था। अब यहां केवल निवेश ही नहीं आता, अब देश और दुनिया का सबसे बड़ा उद्यमी भी गोरखपुर में निवेश के लिए आ रहा है। सरकार में आने के बाद सुरक्षा का माहौल, इन्फ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी दी गई। इसी की देन है कि यहां पर निवेशक निवेश करके तेजी से आगे बढ़ रहा है। आठ वर्ष में यहां 500 से अधिक इकाइयां स्थापित हुई हैं। 40 हजार से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिले। अब धुरियापार में रिलायंस समूह का कैंपा ब्रांड अपनी यूनिट लगाने की तैयारी कर रहा है।

गीडा में आ रहीं बड़ी कंपनियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही प्लास्टिक पार्क और फ्लैटेड फैक्ट्री भी मिलेगी। गीडा से लेकर धुरियापार तक उद्योग ही उद्योग दिखेंगे। अंबुजा सीमेंट से लेकर कई बड़ी कंपनियां लगेंगी। आनेवाले समय में गीडा देश के विकसित औद्योगिक जब के रूप में अपनी एक पहचान बनाएगा। नाइलेट से एमओयू के बाद इंडस्ट्री की डिमांड के अनुसार युवाओं को तैयार किया जाएगा। स्थापना दिवस में प्रदर्शनी लगी है। इसमें 250 से अधिक स्टॉल लगे हैं।

पेज एक का शेष

कहा-जुल्म होगा...

शब्दों का इस्तेमाल करने में कोई शर्म महसूस नहीं करते है। एक विशेष समुदाय को जबरन निशाना बनाया जा रहा है, जबकि अन्य समुदायों को कानूनी रूप से शक्तिहीन, सामाजिक रूप से अलग-थलग और आर्थिक रूप से अपमानित किया जा रहा है। भीड़ द्वारा हत्या, बुलडोजर कार्रवाई, वक्फ संपत्तियों पर कब्जा और धार्मिक मदरसों व सुधारों के विरुद्ध नकारात्मक अभियान जैसे व्यवस्थित और संगठित प्रयास उनके धर्म, पहचान और अस्तित्व को कमजोर करने के लिए किए जा रहे हैं।

एसआईआर पर ...

भी ज्यादा जरूरत है। हम चाहते हैं कि फिरकापरस्त तत्व कामयाब न हों, तो समुदाय को मानवता की चिंता करने वाला रवैया अपनाना होगा और अपनी प्रतिनिधिक सोच पर नियंत्रण रखना होगा। मुसलमान अपने ओहदे को पहचानें, दूसरों के साथ बेहतर रिश्ते स्थापित करें, एक-दूसरे के धर्म का सम्मान करें और साथ ही दूसरों को दीन-इस्लाम की सच्चाई से अवगत कराएं।

मुसलमानों के अनुकूल...

यदि यह वर्ग उनके प्रभाव में आ गया, तो यह देश और मुसलमानों दोनों के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी होगी।

भाईचारा ही हमारी ...

तो उसके अलावा हर विचार को अस्वीकार कर दिया जाता है। वे दूसरे के विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और इसे '...इज्म' कहना शुरू कर देते हैं।'

पात्रा बोले- बयान...

है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में जिहाद का आह्वान करना देश की एकता पर हमला है और इस बयान की जांच होनी चाहिए। पात्रा ने दावा किया कि मौलाना मदनी ने सुप्रीम कोर्ट की भी आलोचना की और कहा कि कोर्ट सरकार के दबाव में काम करता है। इस पर उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इस देश की सर्वोच्च संस्था है। उसके बारे में ऐसी टिप्पणी सिर्फ संस्था को कमजोर करने की कोशिश है। मैं चाहता हूं कि सुप्रीम कोर्ट इस बयान पर स्वतः संज्ञान ले।

हमने मारे आतंकी लेकिन...

सार्वजनिक जवाबदेही का रखें ध्यानः उन्होंने कहा कि नागरिक सेवक केवल आदर्शवादी संरक्षक नहीं हैं। बल्कि जनसेवक हैं। इसलिए उन्हें उत्तरदायी और सार्वजनिक जवाबदेही से कार्य करना चाहिए। इसके अलावा आपकी भूमिका केवल प्रदाता ही नहीं, बल्कि सशक्तिकरण के सूत्रधार की भी है। आपका चरित्र भ्रष्ट न हो और आचरण सत्यनिष्ठा से परिपूर्ण होना चाहिए। जन सेवकों को एक ऐसी संस्कृति बनानी होगी जहां सत्यनिष्ठा न तो कोई गुण हो, न ही अपवाद। ये दैनिक जीवन का एक सामान्य हिस्सा हो। प्रशिक्षुओं को हर नागरिक के साथ सहानुभूति और समझदारी से बर्ताव करना चाहिए। जब अधिकारी समाज के वंचित या कमजोर वर्गों के साथ संवाद करते हैं तो उन्हें ये समझना चाहिए कि लोगों के संघर्ष न केवल उनके प्रयासों से बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से भी प्रभावित होते हैं।

नवाचार केंद्रित हो समाधानः प्रौद्योगिकी-संचालित युग में नवोन्मेषी ढंग से कार्य करने और लोगों की समस्याओं का समाधान खोजने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि प्रौद्योगिकी वर्तमान में एक सक्षम कर्ता की भूमिका निभा रही है। लेकिन वह एक माध्यम होनी चाहिए, साध्य नहीं। अधिकारियों को जनता तक पहुंच और पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने रक्षा मंत्रालय में प्रयोग की जाने वाली एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संचालित स्वचालन प्रणाली के बारे में बताते हुए इसके इस्तेमाल की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह रक्षा खरीद और भुगतान का पारदर्शी ढंग से विश्लेषण करती है।

महिलाओं की प्रगति को सराहाः सिविल सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती प्रगति को लेकर रक्षा मंत्री ने कहा, नवीनतम यूपीएससी परीक्षा में एक महिला ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। जबकि शीर्ष पांच उम्मीदवारों में तीन महिलाएं थीं। 2047 तक कई महिलाएं कैबिनेट सचिव के पदों तक पहुंचेंगी और भारत की विकास यात्रा का नेतृत्व करेंगी।

कैबिनेट मंत्री प्रहलाद...

श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी के आचरण-व्यवहार और उनकी व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि डॉ. हिमांशु अपने पिता के पदचिन्हों पर चले और आज वह पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और कद अलग रूप से रखते हैं। आज वे अहम मुकाम पर हैं, यह उनके पिता की सीख और शिक्षा का ही नतीजा है। कैबिनेट मंत्री पटेल ने इस अवसर पर डॉ. हिमांशु को स्व-लिखित पुस्तक 'परिक्रमा' की एक प्रति भी भेंट की ।

मौजूदा चिंताजनक...

निवेश पर पूर्णतः रोक लगाना, विज्ञान में प्रगति करना, देश को ग्लोबल सप्लाई का केंद्र बनाना और कृषि उत्पादन बढ़ाना होना चाहिए। आर्थिक मजबूती के लिए बाहरी निर्भरता घटेगी। यह जानकारी डॉ.जयशंकर ने आईआईएम कोलकाता द्वारा आयोजित किए गए एक समारोह को संबोधित करते हुए दी है। जिसमें उन्हें प्रबंधन के क्षेत्र के इस प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा मानद डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी की उपाधि से सम्मानित किया गया। विदेश मंत्री ने अपने भाषण के जरूरी अंश और सम्मान से जुड़ी हुई कुछ तस्वीरें एक्स पोस्ट में साझा की हैं।

राष्ट्रीय शक्ति को बल देती विदेश नीतिः उन्होंने कहा कि देश की विदेश नीति हमारी राष्ट्रीय शक्ति को आगे बढ़ाती है, कमजोरियों को कम करते हुए प्रभाव में इजाफा करती है। केंद्र सरकार ने इस कवायद को आगे बढ़ाने के लिए हालिया वक्त में कई जरूरी पहल की हैं। जिनमें सेमीकंडक्टर, ईवी, अंतरिक्ष, नैनो तकनीक, प्रौद्योगिकी के प्रवाह और विनिर्माण में आसानी को सुविधाजनक बनाना, औद्योगिक विकास और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना, जन-केंद्रित वैश्विक दृष्टिकोण से प्रेरित नई व्यापार व्यवस्थाएं बनाना, प्रक्रियाओं को सरलीकृत कर विनियमन को खत्म कर व्यापार को आसान बनाना शामिल है। विदेशी संस्थानों के साथ ज्यादा सहयोग के जरिए कौशल संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करना, वैश्विक कार्य-बल का समर्थन करना-गतिशीलता प्रवाह व्यवस्था बनाना, कोविड व संघर्षों के समय पर देखी गई ऊर्जा, भोजन, स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, ऋण श्रृंखलाओं, अनुदान सहायता के माध्यम से सद्भावना के साथ साझेदारी को बढ़ाना, उदार बाह्य वातावरण का निर्माण-प्रतिस्पर्धी माहौल में भलाई और प्रगति सुनिश्चित करना भी केंद्र की अन्य जरूरी पहल में शामिल हैं।

चीन का दिया उदाहरण...

आशंकित हैं कि उन्हें प्रतिस्पर्धा या सौदेबाजी पर ध्यान देना चाहिए या इसे लेकर कोई प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता नहीं है। सप्लाई चेन से जुड़ी हुई जटिलताओं और वैश्वीकरण के संकट के मध्य दुनियाभर के तमाम देश अचानक सामने आने वाली बाधाओं और चुनौतियों से दो-दो हाथ करने के लिए भी अपनी कमर कस रहे हैं। जिसमें भारत की ध्यान सक्रिय आत्मनिर्भरता की ओर केंद्रित है। वह अपने आप को उद्योगों के लिए एक निर्माण केंद्र के रूप में गढ़ रहा है। हालांकि देश में आधारभूत ढांचे के साथ-साथ विज्ञान के क्षेत्र में भी प्रगति जारी है।

सामूहिक विवाह...

पर जगमगाता तिलक लगाए नजर आए। डॉ. अभिमन्यु यादव ने गजरानुमा माला भी पहन रखी थी। डॉ. अभिमन्यु-इशिता की शादी में अब तक गणेश पूजन, हल्दी, मेहंदी, माता पूजन जैसे आयोजन हो चुके हैं। शनिवार शाम को अथर्व होटल में महिला संगीत हुआ। इसके बाद डॉ. अभिमन्यु यादव खरगोन की डॉ. इशिता के संग सामूहिक विवाह समारोह में विवाह बंधन में बंधेंगे। इसके बाद 30 नवंबर की शाम को अथर्व होटल में रिसेप्शन होगा। विवाह सम्मलेन में खास लोगों को आमंत्रित किया गया है। इसमें राज्यपाल मंगु भाई पटेल, कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, गौतम टेटवाल समेत दोनों परिवारों के करीबी रिश्तेदार, मंत्री, अफसर और पार्टी के प्रमुख नेता शामिल हो सकते हैं। विवाह सामूहिक विवाह समारोह में होगा। यह आयोजन सांवराखेड़ी में होगा।

सीएम बनने के बाद कल्याण बिगहा पहुंचे नीतीश

पिता को नमन किया व मछली को दाना खिलाया

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा पहुंचे। मुख्यमंत्री पद की दसवीं बार शपथ लेने के बाद यह उनका पहली बार पैतृक गांव आगमन था। अवसर था—अमर स्वतंत्रता सेनानी स्व. कविराज रामलखन सिंह की पुण्यतिथि, जहां स्थित स्मृति वाटिका में उन्होंने अपने पिता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीएम ने अपनी माता स्व. परमेश्वरी देवी और धर्मपत्नी स्व. मंजू सिन्हा की प्रतिमाओं पर भी पुष्प अर्पित कर नमन किया। मौके पर स्मृति वाटिका को अच्छी तरह साफ–सुथरा कर सजाया गया था। ग्रामीणों ने बताया कि कविराज रामलखन सिंह बख्तियारपुर में रहकर लोगों के इलाज में आजीवन समर्पित रहे और समाज की सेवा को ही अपना धर्म माना।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के बड़े भाई सतीश कुमार सहित परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सांसद कौशलेंद्र कुमार, विधायक कृष्णा मुरारी शरण, विधायक जितेंद्र कुमार, विधायक कौशल किशोर, विधायक रूहेल रंजन, एमएलसी संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, एमएलसी ललन सर्राफ, जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा, पूर्व विधायक ई. सुनील कुमार, जदयू प्रखंड अध्यक्ष रविकांत कुमार समेत बड़ी संख्या में राजनीतिक, सामाजिक कार्यकर्ता और परिजन मौजूद रहे। सभी ने स्वतंत्रता सेनानी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

नियुक्ति पत्र बांटने के बाद सीएम ने विपक्ष पर साधा निशाना

झारखंड में विरोधियों का दिमाग सुन्न हो जाएगा

एजेंसी ▶▶ रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने 8792 लोगों को नियुक्ति पत्र दिया. इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद नव निर्वाचित अभ्यर्थियों को भरोसा दिया कि उनकी सरकार पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से नियुक्ति प्रक्रिया चला रही है। साथ ही उन्होंने कहा था कि उनका मकसद नौजवानों को सशक्त बनाना है। अब सीएम ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट इसे उनके परिवारों की जीत बताया है। सीएम ने अपने संदेश में कहा है कि झारखंड के इतिहास में एक यादगार दिन बना, जब हजारों युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र मिला। यह युवाओं की मेहनत, सपनों और उनके परिवारों के संघर्ष की जीत है।

सीएम ने अपने संदेश में सीधे विपक्ष का नाम लिए बगैर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि झारखंड विरोध में काम करने वालों का मन-मस्तिष्क इस सफलता से सुन्न हो जाएगा। उन्होंने बिना नाम लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग दिन-रात झारखंड के खिलाफ साजिश में लगे रहते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि अगर वे षड्यंत्र करना छोड़ दें तो राज्य का विकास और तेज हो सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, "जब-जब झारखंड के साथ षड्यंत्र की कोशिश होगी, तब-तब हम और मजबूत होकर उभरेंगे। हमारे वीर पुरखों ने हमें यही सिखाया है।" अंत में उन्होंने 'जय झारखंड' और 'जोहार झारखंड' कहते हुए अपने पोस्ट को समाप्त किया।

योगी सरकार ने एमएसपी पर धान-बाजरा खरीद में बनाया रिकॉर्ड

यूपी के किसानों को मिला 2131 करोड़ का भुगतान

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

योगी सरकार किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर धान और बाजरा किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान किया जा रहा है। पहली अक्टूबर से 28 नवंबर तक धान किसानों को 1868.35 करोड़ रुपए और बाजरा किसानों को 263.03 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। पारदर्शी नीतियों के कारण किसान अपनी फसल को सरकारी क्रय केंद्रों पर बेच रहे हैं, जहां 17% नमी तक का धान स्वीकार किया जाता है।

बाजरा किसानों को 263.03 करोड़ रुपए मिले

धान किसानों को 1868.35 करोड़ का भुगतान जारी

उत्तर प्रदेश में श्री अन्न (मिलेट्स) की खरीद 1 अक्टूबर से चल रही है। बाजरा किसानों ने भी बड़ी संख्या में सरकारी केंद्रों पर अपनी फसल बेची है। 28 नवंबर तक 22,000 किसानों को 263.03 करोड़ रुपये का भुगतान हो चुका है। 64,000 से अधिक किसानों ने बाजरा बिक्री के लिए पंजीकरण कराया है और बाकियों के भुगतान की प्रक्रिया तेज की जा रही है।

सरकार धान खरीद की लगातार समीक्षा कर रही है ताकि किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न आए। खाद्य एवं रसद विभाग भी इसकी सख्त निगरानी कर रहा है। 1 अक्टूबर से 28 नवंबर के बीच 1.40 लाख से अधिक किसानों ने अपनी धान फसल सरकारी केंद्रों पर बेची है। सरकार अब तक 1868.35 करोड़ रुपए किसानों को दे चुकी है और बाकी किसानों का भुगतान भी तेजी से किया जा रहा है।

बाजरा और धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य

बाजरा का एमएसपी 2775 रुपए प्रति कुंतल तय किया गया है। इसकी खरीद 33 जनपदों में 281 सरकारी केंद्रों पर हो रही है। धान खरीद (कॉमन) 2369 रुपये प्रति कुंतल और (ग्रेड-ए) 2389 रुपये प्रति कुंतल पर की जा रही है। मिली है और किसानों की आय, भरोसा और आत्मनिर्भरता मजबूत हुई है।

सुदृढ़ संचार व्यवस्था हो या सामरिक सुरक्षा का मामला, कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी की बात हो या प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाना हो, इन सबके लिए स्पेस टेक्नोलॉजी में नित नई ऊंचाई छूना जरूरी है। इस दिशा में इसरो निरंतर अग्रसर है। यही नहीं विश्व की स्पेस सुपर पावर बनने के लिए भी इसरो के पास कई इंपॉर्टेंट प्रोजेक्ट्स और प्लानिंग्स हैं। इन सभी पर एक विस्तृत नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाई छूने के लिए
निरंतर अग्रसर इसरो

{ कवर स्टोरी / संजय श्रीवास्तव }

इसरो द्वारा तीन साल के भीतर अंतरिक्षयान निर्माण की तीन गुनी क्षमता का लक्ष्य निर्धारण, भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा का पूर्वाभास है। यदि यह हासिल हो जाता है, तो भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी भी न सिर्फ नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के समानांतर खड़ी होगी बल्कि विश्व अंतरिक्ष बाजार में भी वह बहुत बड़ी खिलाड़ी बन जाएगी।

देश की प्रगति के लिए जरूरी: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो का अगले तीन वर्षों में अपने अंतरिक्षयान निर्माण क्षमता को तिगुना करने का फैसला, देश की बदलती सामरिक, वैज्ञानिक और आर्थिक प्राथमिकताओं के पूर्वाभास सरीखा है। इसरो चाहता है कि खुद को अंतरिक्ष के क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल सके, ताकि वो निजी कंपनियों की तेज भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा के बीच अविलंब आगे आ सके। उसकी यह पहल, देश को विश्व की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में ऊपरी स्थान दिलाने की दिशा में एक रणनीतिक विस्तार है। अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को बढ़ाना कई वजहों से जरूरी है। 5जी से बढ़कर 6जी की ओर बढ़ना है, तो सैकड़ों छोटे उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजना ही होगा। पृथ्वी अवलोकन और जलवायु निगरानी उपग्रहों की मांग भविष्य में बहुत ज्यादा बढ़ेगी।

वैश्विक शक्ति बनने की है सामर्थ्य: वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उपग्रहों और उनकी सेवाओं की मांग अभूतपूर्व तरीके से बढ़ रही है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होने के चलते आने वाले दशक में हजारों नए उपग्रह लॉन्च होने की उम्मीद है।

भारत के पास सस्ता, तेज, कुशल और विश्वसनीय अंतरिक्ष अभियान संचालन की बेहतर क्षमता है, इसको पूरी दुनिया जान और मान रही है। तमाम देश इसके लिए भारत की ओर आकर्षित भी हैं। लेकिन अंतरिक्ष यान निर्माण-क्षमता के सीमित होने के कारण देश बेहतरीन कौशल होने के बावजूद इस तेजी से बढ़ती वैश्विक मांग का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा। इसरो अभी सालाना औसतन 6 से 7 अंतरिक्षयान बनाता है। तीन साल बाद क्षमता तीन गुना होने का मतलब है कि वह 18 से 21 अंतरिक्षयान प्रति वर्ष तैयार कर सकेगा। फिर उसके पास अन्य देशों के उपग्रहों के लांच के लिए न सिर्फ पर्याप्त यान होंगे बल्कि उन्हें लांच के लिए विंडो भी। कम समय अंतराल पर होने और निर्माण तथा लांच सुविधाएं सीमितता के चलते इसरो के कई प्रक्षेपण कार्यक्रम आपस में ओवरलैप करते हैं। इसरो द्वारा उत्पादन वृद्धि के साथ सैटेलाइट इंटीग्रेशन सेंटर्स की संख्या बढ़ाना इस ओवरलैप को कम करेगा। अंतरिक्षयानों की संख्या में वृद्धि भारत को वैश्विक प्रक्षेपण सेवाओं के बड़े बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा, जहां आज

अमेरिका की स्पेस-एक्स जैसी निजी कंपनियां लगभग एकछत्र राज कर रही हैं।

संभावनाएं-क्षमताएं हैं भरपूर: आज भारत, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में केवल 2 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, इसरो इसे 2030 तक 8 फीसद तक ले जाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। क्षमता विस्तार, निजी साझेदारी और नई तकनीकों का विकास इसे संभव बना सकता है। बेशक इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी दर्ज होगी तथा संबंधित क्षेत्र में साख भी बढ़ेगी। असल में इसरो की रणनीति महज अपने अंतरिक्ष यानों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इस दौर में जब देश में कई स्पेस स्टार्टअप तेजी से उभर रहे हैं, इसरों की प्लानिंग है कि अंतरिक्षयान निर्माण में तमाम बड़ी निजी कंपनियों जैसे लार्सन एंड टुब्रो, गोदरेज, एचएएल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, स्काईरूट, अग्निकुल, ध्रुव स्पेस तथा अन्य छोटे

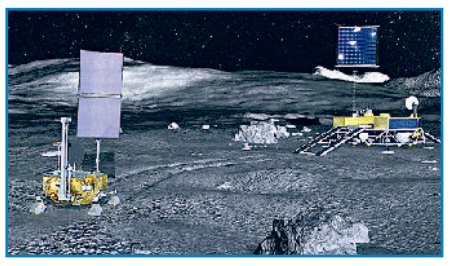

स्टार्टअप्स को भी वह इस काम में बड़े पैमाने पर साझेदार बनाए ताकि इससे भारत में 'एयरोस्पेस मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्री' का विकास तीव्र हो। वह अमेरिका में नासा और स्पेस-एक्स जैसे सरकारी एजेंसी और निजी कंपनी के आपसी सहयोग जैसे मॉडल को भारतीय परिस्थितियों में संभव बनाना चाहती है। इससे देश, संबंधित कंपनियों और आखिरकार इसरो को लाभ पहुंचेगा।

निजी क्षेत्रों को कर रहा प्रोत्साहित: जल्द ही भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी उद्योग-निर्मित पीएसएलवी इसी परिवर्तन की ज्वलंत निशानी बनेगा। इसरो खूब जानता है कि निजी क्षेत्र जितना बड़ा होगा, उसको उतनी ही सुविधा होगी। वह उन पर बहुत से तकनीकी और निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी देकर अपना ध्यान ज्यादा से ज्यादा प्रक्षेपण कार्यक्रमों एवं अनुसंधान मिशनों पर केंद्रित कर पाएगा। इसरो को निजी-सरकारी कंपनियों के सहयोग से तीन गुनी यान निर्माण क्षमता हासिल हो गई, तो उसका परोक्ष प्रभाव यह भी होगा कि इसरो के वैज्ञानिक मिशन तेजी से पूरे होंगे, वाणिज्यिक लॉन्च बढ़ेंगे। ऐसे में भारत वैश्विक उपग्रह-निर्माण और प्रक्षेपण बाजार में बेहद कमाऊ और प्रभावी खिलाड़ी बन सकेगा। इनके अलावा इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और ज्यादा बढ़ेगी, तो विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम होती जाएगी। बड़ी बात यह भी कि पांच मॉड्यूल वाला देश का अंतरिक्ष स्टेशन समय पर स्थापित करने की संभावना भी इससे मजबूत होगी।

कई स्तरों पर करनी होगी पहल: इसरो के सभी प्रोजेक्ट्स समय से पूरे हों, इस लिए भी इसरो को अपनी यान निर्माण क्षमता को तीन गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। चंद्रयान-4 भारत के लिए अमेरिका के अपोलो कार्यक्रम की तरह विशिष्ट होगा। यह चंद्रमा से नमूने वापस लाकर भारत को उस सैंपल रिटर्न टेक्नोलॉजी में सक्षम बनाएगा, जो संसार के महज तीन देशों के पास है। इसी तरह जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ लूपेक्स मिशन, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ की मौजूदगी तलाश उसकी उपयोगिता समझने का अवसर देगा। यह भविष्य के मानव मिशनों के लिए ईंधन और पानी का स्रोत समझाएगा। भारत अपने अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल को 2028 तक पूरा करते हुए 2035 तक पांच मॉड्यूल वाला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना चाहता है। इस पूरे प्रकरण में सरकार की जो भूमिका हो सकती है, वह यह है कि उसके द्वारा अंतरिक्ष नीति और विनियमों को सरल बनाया जाए ताकि निजी निवेश, इसरो को लंबी अवधि की फंडिंग और स्टार्टअप ईकोसिस्टम को बढ़ावा मिले, मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम पर नियमित निवेश एवं निजी भागीदारी को गति मिले, जिससे इसरो अधिक प्रक्षेपण केंद्र और ट्रैकिंग स्टेशन स्थापित कर सके। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के विस्तार पर भी सरकार को जोर देना होगा। फिलहाल इसरो का फैसला देश को वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में आर्थिक शक्ति बनाएगा, लाखों नौकरियों का सृजन, युवा वैज्ञानिकों के लिए अवसर पैदा करेगा। *

कई प्रोजेक्ट्स पर हो रहा काम

इसरो के लिए आने वाला दशक निर्णायक है। इस वर्ष और अगले वर्ष में इसरो के पास आधे दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण कार्यक्रम शेष हैं और अगले कुछ वर्षों में संचालित होने वाले इसरो के पूर्व नियत कई प्रमुख अभियान तो बहुत जटिल और महत्त्वाकांक्षी हैं। गगनयान के कई मानव-रहित परीक्षण, मानव सहित गगनयान, 2028 में जाने वाला चंद्रयान-4, जापानी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ मिशन लूपेक्स, एसएसएलवी निर्माण तथा रि-यूजेबल लॉन्च व्हीकल का विकास, शुक्रयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, नई पीढ़ी के संचार उपग्रह जैसे कई महत्त्वाकांक्षी मिशन पर कार्य जारी है।

डिजिटल गेम्स वर्तमान है शानदार-उज्ज्वल है भविष्य

हाल के वर्षों में मनोरंजन के लिहाज से डिजिटल गेम्स का क्रेज जबर्दस्त तरीके से बढ़ा है, निरंतर इसमें इजाफा भी हो रहा है। खासतौर पर इसे लेकर नई पीढ़ी में बहुत दीवानगी देखी जाती है। इसकी क्या हैं वजहें और कैसा है भविष्य, जानिए।

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

आज के युग में मनोरंजन, शिक्षा और तकनीकी प्रयोग का सबसे लोकप्रिय माध्यम बन चुके हैं-डिजिटल गेम्स। मोबाइल, कंप्यूटर, टैबलेट और गेमिंग कंसोल के जरिए खेले जाने वाले ये खेल महज खेल नहीं हैं बल्कि आज की तारीख में अरबों रुपए का कारोबार भी है। नई पीढ़ी के बीच इन डिजिटल गेम्स का आकर्षण इतना अधिक है कि अब ये डिजिटल गेम्स एक पूरी संस्कृति का रूप ले चुके हैं।

क्या होते हैं डिजिटल गेम्स: डिजिटल गेम्स सही मायने में इलेक्ट्रॉनिक खेल होते हैं। इन्हें डिजिटल गेम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये किसी डिजिटल डिवाइस के जरिए खेले जाते हैं। जैसे- कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, टैबलेट या वीडियो गेम कंसोल। डिजिटल गेम्स में ग्राफिक, ध्वनि और उपयोगकर्ता का सीधे-सीधे संपर्क या इंट्रैक्शन संभव है। यह इंट्रैक्शन या संपर्क दो तरीके से होता है। इसमें एक है वर्चुअल अनुभव। वास्तव में यह किसी अनुभव के आधार पर तैयार किए जाते हैं और यहीं इनकी भूमिका बदल जाती है। यह केवल शारीरिक सक्रियता या महज मनोरंजन का कारण नहीं होते बल्कि कभी-कभी सीखने, कभी रणनीति बनाने, कभी निर्णय क्षमता को परखने या उसे विकसित करने तथा कभी-कभी हीनभावना को दूर करने का तरीका भी होते हैं।

दीवानी है नई पीढ़ी: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स को लेकर बहुत ज्यादा आकर्षण या कहें क्रेज है। विशेषकर जनरेशन जेड और अल्फा, डिजिटल दुनिया में जन्मी, पली-बढ़ी पीढ़ियां इन खेलों की दीवानी हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इनका बचपन मोबाइल और इंटरनेट के साथ खेलते और इस्तेमाल करते हुए गुजरा। इसलिए डिजिटल गेम्स को ये मनोरंजन नहीं कहते बल्कि अपने व्यक्तित्व की पहचान, प्रतिस्पर्धा और आत्म अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं।

इसलिए बढ़ रहा इतना क्रेज: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स का इतना क्रेज इसलिए है, क्योंकि यह वास्तविक अनुभव देता है। आज के डिजिटल गेम्स में एक साथ वीआर यानी वर्चुअल रियलिटी और एआर यानी ऑग्मेंटेड रियलिटी का इस्तेमाल होता है, जिसे खिलाड़ी इन्हें दूर से खेलता हुआ नहीं लगता बल्कि खुद को वह खेल के भीतर का हिस्सा समझता है और खेल के रोमांच को पल-पल महसूस करता है। दुनिया के किसी कोने से किसी दोस्त के साथ, किसी अजनबी के साथ, इन खेलों को खेला जा सकता है यानी आज की डिजिटल लाइफ के अनुकूल ये ऑनलाइन गेम की सुविधा प्रदान करते हैं और सबसे आकर्षक बात यह है कि डिजिटल गेम्स, एक रिवॉर्ड सिस्टम से भी जुड़ा होता है यानी प्वाइंट, लेवल और खरीदारी के लिए वाउचर जैसी सुविधाओं का मौजूद होना खिलाड़ियों को अलग ही दुनिया के रोमांच से जोड़ देते हैं। आज की तारीख में डिजिटल गेम्स महज खेलने की डिजिटल गतिविधि भर नहीं हैं बल्कि यह एक किस्म की सामाजिक प्रतिष्ठा बन चुके हैं। युवाओं में गेमिंग अब अपने आपमें एक स्टेटस सिंबल बन चुका है। लोकप्रिय गेम्स में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और फैंस भी मिलते हैं। इस तरह डिजिटल गेम्स मनोरंजन करने के साथ-साथ हमारे तनाव मुक्ति का भी जरिया हैं। इस कारण भी युवाओं में डिजिटल गेम्स को लेकर जबरदस्त क्रेज है।

ऐसे हुई डिजिटल गेम्स की शुरुआत: वर्ष 1962 की बात है, एमआईटी यानी मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका में दो युवाओं ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम स्पेस वार बनाया। स्टीव रसेल और उनके दोस्त मार्टिन ग्रेट्ज ने पहले-पहल इस डिजिटल गेम्स की अवधारणा को 1961 में रखा था। लेकिन बाद के एक साल में उनके साथ उनके चार और दोस्त आ जुड़े, ये थे- वेन विटानन, पीटर सैमसन, डेन एडवर्ड्स और एलन कोटाक। इन सभी ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम्स स्पेस वार सीडीपी-1 कंप्यूटर पर बनाया। यहीं से आधुनिक वीडियो गेम उद्योग की शुरूआत हुई।

जहां तक भारत में डिजिटल गेमिंग की शुरुआत का सवाल है तो यह सन 1990 के दशक में आया, जब कंप्यूटर और इंटरनेट भी धीरे-धीरे आम लोगों तक पहुंचने लगे थे। भारत का पहला स्वदेशी डिजिटल गेम 'भारतः द गेम' (1998) माना जाता है, जिसे सिनका गेम्स कंपनी ने विकसित किया था। हालांकि गेम बहुत अधिक लोकप्रिय नहीं हुआ।

डिजिटल गेम्स का भविष्य: जहां तक डिजिटल गेम्स की दुनिया के भविष्य का सवाल है तो यह बेहद उज्ज्वल और तकनीकी रूप से बेहद रोमांचक है। साल 2025 में वैश्विक गेमिंग इंडस्ट्री बढ़कर 250 अरब अमेरिकी डॉलर की हो चुकी है और इसमें बहुत बड़ा हिस्सा भारत के डिजिटल गेम्स प्रेमियों का भी है। क्योंकि साल 2024 के अंत तक भारत में सक्रिय गेम्स की संख्या बढ़कर 40 करोड़ हो चुकी है। शायद यह डिजिटल गेमिंग का ही विस्तार है कि आज ई-स्पोर्ट्स की दुनिया बड़े पैमाने पर उभरी है और लाखों लोग इसे अपना करियर बनाकर अपना भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित कर रहे हैं। *

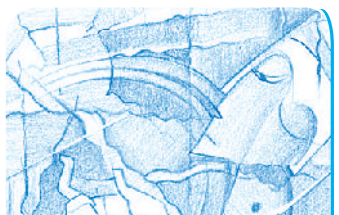

{ कविता / पुरुषोत्तम व्यास }

गिरना भी अच्छा होता

कभी-कभी गिरना भी अच्छा होता,
गिरने से संभलना सीखते
फिर चलना सीखते।
समझ में आता है
अति हर चीज की
अच्छी होती नहीं,
बात-बात पर अहंकारी,
और ज्यादा ज्ञानी
समझने से बच जाते।
बात यह भी जरूरी है कि
गिरने को किस रूप में देखते हो,
विचलित होते हो या
नए साहस से आगे बढ़ते हो
गिरने से दिमाग भी
ठिकाने रहता
अपने और पराए पर
पर्दा उठ जाता।
अगर गिरे तो फिर
नए रूप लेकर उठो
नए विचार लेकर उठो
बेफिक्र होकर जीना सीखो
इसलिए कभी-कभी
गिरना भी अच्छा होता है।

{ व्यंग्यात्मक संस्मरण / डॉ. मुकेश असीमित }

टिकट विंडो की लाइन

रेलवे स्टेशन की टिकट विंडो आजकल किसी आध्यात्मिक तप जैसी लगती है। अमृत योजना का थोड़ा-बहुत बजट खर्च कर चार खिड़कियां बना दी गई हैं, पर चारों के सामने उतनी ही लंबी लाइनें, मानो चार अलग-अलग धर्मपंथ हों और भक्त सभी जगह समान संख्या में हों।

मैं बड़ी होशियारी से सबसे छोटी लाइन में लगा, और जैसे ही लगा किस्मत मेरी गर्दन पकड़कर मुझ पर हंस रही हो जैसे। मेरी लाइन कछुए की चाल से और बाजू वाली लाइन खरगोश की गति से फुर्र-फुर्र बढ़ती जा रही थी।

खिड़की पर एक बुजुर्ग बाबू थे, शायद रिटायरमेंट के ठीक पहले के अंतिम वर्ष में। चश्मा उतारते, लगाते, की-बोर्ड को किसी वेद-पाठ की तरह एक-एक अक्षर छूते। स्क्रीन पर अक्षर प्रकट होता तो उनके चेहरे की झुर्रियां भी खिल उठतीं, मानो तकनीकी उन्नयन का चमत्कार उन्हें रोज नई जवानी दे रहा हो। रेलवे ने शायद फैसला कर रखा है कि यह महाशय अपना अंतिम प्रण और अंतिम प्रणय दोनों इसी खिड़की पर छोड़ेंगे।

इतने में एक दुबला-पतला अधेड़ मेरी कोहनी पसलियों में गड़ाता हुआ फुसफुसाया, 'कौनसी ट्रेन चाहिए साहब? बोलो तो जुगाड़ कर दूं, अंदर तक पहुंच है। बस सौ का एक नोट एक्स्ट्रा।'

मैंने विनम्रता से मना कर दिया। विनम्रता पर उसने जर्दे-भीगे होंठों से मोबाइल और मुझे संयुक्त रूप से एक गाली दी और फुर्र हो गया। उसकी प्रतिक्रिया खीझ से उत्पन्न हुई, जैसे कोई एक डील होते-होते रह गई हो।

मोबाइल ही आजकल इन लंबी लाइनों का आधुनिक तपो-साधन है, सभी यात्री उसमें गुम। मैं भी व्हाट्सएप की दुनिया में तल्लीन था, तभी आगे शोर हुआ। एक यात्री जिसकी ट्रेन छूटने वाली थी, लाइन तोड़कर हथेली खिड़की के नैनो साइज के छेद में घुसा चुका था कि दूसरा यात्री अपना हाथ निकाल ही नहीं पा रहा था। अब विवाद यह नहीं कि किसकी बारी, बल्कि यह कि सबसे पहले हाथ कौन निकाले!

बाबू ने सीटी बजाई। दो पुलिसकर्मी अपनी तोंदें, बाल्टी की तरह लटकाते हुए आए। लाठी को हवा में घुमाते हुए स्थानीय भाषा में अपशब्दों का ऐसा समन्वित गान किया कि लाइन तुरंत सीधी हो गई। दोनों यात्रियों के हाथ बड़ी मुश्किल से निकाले गए। इस खींचतान में एक की हस्त-धारित भारतीय मुद्रा फट गईं और उसके मुंह से निकली गालियां व्यवस्था की संपूर्ण संस्थाओं को समर्पित थीं, रेलवे, सरकार, मंत्री से लेकर कुली तक कोई नहीं छूटा।

मैं फिर मोबाइल में चला गया। नया वर्ष आने में महीना है लेकिन कंपनियां जैसे चाहती हैं कि इस बार मैं चार नए कपड़ों, दो नई चॉकलेटों और पांच नए कूपनों से लैस रहूं। ऑफर ऐसे कि लगता है हर कंपनी ने मेरे लिए ही सुकुमारी ब्रांड की मॉडल को विज्ञापन में खड़ा किया है। एक बार जल्दबाजी में मैंने सुकुमारी के मोहपाश में बंधे सब्सक्रिप्शन डाल दिया था, तभी से वह मेरे जीवन की स्थाई सदस्य बन चुकी है।

मोबाइल भी क्या करे। कंपनियां चाहती हैं कि आप दिन-रात उसी से चिपके रहो। कभी धमाका सेल, कभी फ्लैश सेल, कभी लास्ट स्टॉक, हड़प लो!

नई पीढ़ी को ये सेल-ऑफर ऐसे जकड़ती है कि किसी उल्टे-सीधे काम में ऊर्जा लगे, उससे अच्छा है कि स्क्रीन पर अंगूठा फिसलाते रहो। गेम्स, जुआ, सट्टा, लॉटरी सब आपके दरवाजे पर नहीं, आपकी जेब में बैठा है।

इधर मेरा मोबाइल भी मेरा पूरा जीवन समझता है- कब रिचार्ज खत्म होगा? कब बीमा एक्सपायर होगा? कब कार की सर्विसिंग करानी है?

कब पुरानी कार बेचे चार साल हो गए? यह सब याद दिला रहा है।

सच कहूं तो मोबाइल ने आदमी को अकेला किया, या अकेलापन आदमी को मोबाइल तक ले गया, ये तफरीक अब मैं भी नहीं कर पाता।

मोबाइल पर आध्यात्मिक गुरुओं के संदेश, प्रेरक कथन और भविष्यवाणियां भी तड़ातड़ आ रहे हैं। सुबह-सुबह इतनी 'ज्ञान-वर्षा' कि दिमाग की हार्ड डिस्क फुल होकर ओवरहीट हो जाए। पर सही कहूं, रेलवे की लाइनें और मोबाइल दोनों ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की लाइफलाइन हैं। एक में लगकर देश चलता है और दूसरे में खोकर आदमी। इतने में मेरी लाइन भी दो-चार इंच आगे बढ़ गई।

शायद मेरे नंबर का भी समय आ रहा था और मोबाइल पर एक नया मैसेज भी। *

{ लघुकथा / सतीश उपाध्याय }

दरवाजा

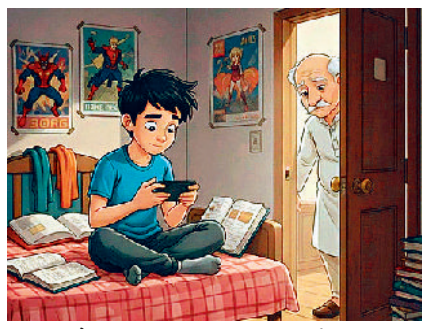

'मम्मी, दादाजी की वजह से हमारी पढ़ाई डिस्टर्ब होती है, बार-बार हमारे कमरे में आ जाते हैं।' परेश ने अपनी मां से दादाजी की शिकायत की। सामने कुर्सी पर बैठे दादाजी अखबार पढ़ रहे थे, वह तुरंत बोले, 'नहीं बेटा, ऐसी बात नहीं है। तुमको मैंने तीन घंटे से नहीं देखा था, इसलिए ऐसे ही तुम्हें देखने तुम्हारे कमरे में चला आया था।' परेश की मम्मी बेटे का पक्ष लेते हुए बोलीं, 'बाबूजी, थोड़ा बुद्धि से काम लिया करिए। स्कूल से कितना होमवर्क मिलता है, असाइनमेंट पूरा करना होता है। अगर वह आपसे बात करेगा तो उसका होमवर्क कैसे पूरा हो पाएगा?' दादाजी आहिस्ता से बोले, 'बेटा बात सही है, अब मैं आगे से ध्यान रखूंगा।' अगला दिन छुट्टी का था। परेश सारा दिन अपने लैपटॉप और मोबाइल में ही बिजी था। दादाजी के भीतर अपने पोते के प्रति प्यार उमड़ा तो वह अपने आपको रोक नहीं पाए। परेश के कमरे में चले गए। परेश के बेड पर स्कूल की कॉपी-किताबें बिखरी हुई थीं। वह मोबाइल में बिजी था। उसने दादाजी की आहट सुनी, लेकिन वह दादाजी की उपेक्षा करते हुए अपने मोबाइल में ही लगा रहा। दादाजी ने पूछा, 'क्या कर रहे हो बेटा?' परेश रूखे स्वर में बोला, 'दादाजी देख नहीं रहे हैं, मैं अपना असाइनमेंट पूरा कर रहा हूं। आप डिस्टर्ब मत करिए।' 'ठीक है बेटा, कितना समय लगेगा, इसे पूरा करने में?' दादाजी ने बड़े प्यार से पूछा। 'दादाजी मैं अभी कैसे बता दूं, आप डिस्टर्ब मत कीजिए प्लीज।' परेश ने तेज स्वर में बोला। 'ठीक है बेटा, मैं नीचे तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं।' यह कहकर दादाजी ने कमरे से बाहर निकलते समय पलटकर देखा, परेश अपने मोबाइल में लगा दिखा। दादाजी के कमरे से निकलते ही परेश ने अपने कमरे का दरवाजा तेज आवाज के साथ बंद कर दिया। दादाजी कुछ देर दरवाजे के पास भाव शून्य खड़े रहे। उनकी आंखों में एक नमी उतर आई थी। *

पुस्तक: छवि से अलग (संस्मरण), **लेखक:** विनोद दास, **मूल्य:** 295 रुपए, **प्रकाशक:** सेतु प्रकाशन, नोएडा

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

छवि से अलग

हाल में ही वरिष्ठ साहित्यकार विनोद दास के संस्मरणों की पुस्तक 'छवि से अलग' छपकर आई है। इसमें चौदह नामचीन साहित्यकारों के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा संस्मरण भी संकलित है। इन संस्मरणों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें सम्मिलित हस्तियों की कई अनावृत्त रही छवियां उजागर होती हैं। ये छवियां उनके साहित्यिक ही नहीं व्यक्तिगत जीवन से भी जुड़ी हुई हैं। लेखक ने निरपेक्ष भाव से इनकी खूबियों और खामियों को सामने रखा है। इसके साथ ही साथ कई संस्मरणों में लेखक, समानांतर रूप से उस देश, काल और परिस्थितियों का भी वर्णन करते चलते हैं, जब इन अनुभूतियों को वे अर्जित कर रहे थे। निर्मल वर्मा, नामवर सिंह, श्रीलाल शुक्ला, कुंवर नारायण, केदारनाथ सिंह, अखिलेश, शानी और मुद्राराक्षस जैसे कई साहित्यकारों के बारे में यह किताब बहुत कुछ अनसुना बताती है। *

विधानसभा शीत सत्रः अब परिसर में विधायकों की नारेबाजी और प्रदर्शन पर रोक हटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एक दिसंबर से शुरू होने जा रहे विधानसभा सत्र के दौरान विधायकों द्वारा विधानसभा परिसर में नारेबाजी और प्रदर्शन करने पर रोक का फरमान विधानसभा सचिवालय ने इस बार हटा दिया है। वहीं मंत्रियों और सदस्यों की सुरक्षा में तैनात अंगरक्षक इस बार विधानसभा परिसर में प्रवेश कर सकेंगे लेकिन विधानसभा भवन में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। इसी वर्ष जुलाई निज सहायक और ड्रायवर की जानकारी तलब 2025 में आयोजित विधानसभा सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष के आदेश पर तत्कालीन सदस्यों के निज सहायक तथा वाहन चालक का नाम मय वाहन क्रमांक मांगा गया है। दर्शक दीर्घा में प्रमुख सचिव विधानसभा एपी सिंह ने विधायकों के विधानसभा परिसर में सदस्यों की अनुशंसा पर केवल दो व्यक्तियों को ही परिसर प्रवेश पत्र प्रदाय किया जाएगा।

खास बातें

- इस बार परिसर में आ सकेंगे अंगरक्षक
- वाहन में भी गैर प्रवेशपत्र धारक को नहीं ले जा सकेंगे विधायक
- केवल दो लोगों को ही प्रवेश पत्र प्रदाय हो सकेगा

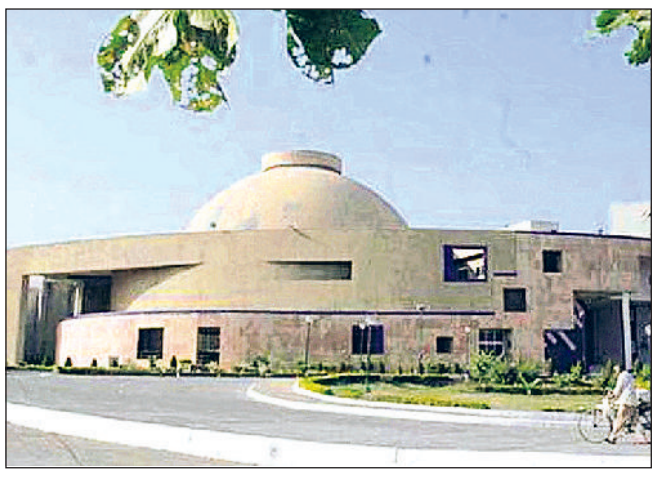

एक घंटे के लिए प्रवेश की अनुमति

मंत्रियों और एक घंटे के लिए प्रवेश की अनुमति होगी जिसे अलग-अलग घंटों में सदस्य की सुविधानुसार विधायकों की ड्यूटी पर तैनात अंगरक्षकों के साथ ही बड़े हथियारबंद सकेगा। सदस्य किसी गैर अथवा बिना प्रवेश पत्रधारी व्यक्ति को अपने साथ वाहन में बिठाकर अथवा पैदल विधान सभा परिसर एवं सदन की लाबी में प्रवेश नहीं करा सकेंगे। अंगरक्षकों का सत्रावधि में परिसर में प्रवेश वर्जित किया गया था।

सुरक्षा कारणों से बदला गया नियम

इस बार एक दिसंबर से होने वाले विधानसभा सत्र के लिए मौजूदा प्रमुख सचिव विधानसभा अरविंद शर्मा ने सत्रकाल में विधानसभा परिसर की सुरक्षा, प्रवेशपत्र और पार्किंग व्यवस्था को लेकर जो निर्देश जारी किए है उनमें विधायकों को परिसर में नारेबाजी और प्रदर्शन की रोक संबंधित निर्देश को हटा दिया गया है हालाकि इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष के स्थायी आदेश 94(2) जारी है। अभी तक विधानसभा सत्र के दौरान सुरक्षा कारणों से मंत्री, विधायकों की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात अंगरक्षकों और हथियारधारी अंगरक्षकों का सत्रावधि में परिवर में प्रवेश वर्जित था। इस सत्र में अंगरक्षकों के परिसर में प्रवेश की व्यवस्था की गई है।

सुरक्षाकर्मियों के बैठने की व्यवस्था भी तय

मंत्री और विधायकों की सुरक्षा में तैनात अंगरक्षक अब परिसर की पार्किंग स्थल द्वार क्रमांक तीन के पास तक आ सकेंगे। विधायकों के वैध प्रवेशपत्र धारक सहायकों के बैठने और प्रतीक्षा करने की व्यवस्था द्वार क्रमांक एक के समीप ब भाग में स्थित नव निर्मित स्थायी शेड तथा द्वार क्रमांक तीन के समीप अस्थायी रूप से निर्मित शेड में की गई है। सहायक दोनो में से किसी भी स्थान पर बैठकर प्रतीक्षा कर सकेंगे।

खबर संक्षेप

बीओटी-ओएमटी योजना की मॉनिटरिंग करने तैनात होंगे इंजीनियर

भोपाल। मध्यप्रदेश में बीओटी, टोल सह वार्षिकी और ओएमटी योजना के तहत पूर्ण सड़क परियोजनाओं की मानीटरिंग करने इन सड़कों के संचालन और रखरखाव को लेकर राज्य सरकार को परामर्श देने मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कापोरेशन स्वतंत्र इंजीनियरों की तैनाती करेगा। मध्यप्रदेश में सात करोड़ पांच लाख और चार करोड़ 91 लाख रुपए की लागत से से दो साल की अवधि में सड़कों का संचालन और रखरखाव अवधि के दौरान इनकी मानीटरिंग करने के लिए दो इंजीनियों की स्वतंत्रत रुप से तैनाती की जाएगी। ये इंजीनियर इन सड़कों के संचालन और रखरखाव को लेकर राज्य सरकार को परामर्श देने का काम करेंगे। सड़कों का चौड़ीकरण और उन्नयन तथा निष्पादन गारंटी अवधि में इन कामों का पर्यवेक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एकल पैकेज सलाहकार की तैनाती की जाना है। विजयपुर धरनावदा मार्ग जो कि गैल के पास विजयपुर शहरी भाग में बन रहा है वहां व्हाइट टॉपिंग से डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क का उन्नयन कार्य 3 करोड़ 89 लाख से किया जाना है। भोपाल मंदसौर फोर लेन विद पेव्ड शोल्डर एक्सेस कंट्रोल कॉरिडोर के लिए जाने वाले विकास कार्य के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाना है इसके लिए परामर्श सेवाएं ली जाना है।

एमपी के कई आईएएस ने एकीकृत पेंशन योजना के लिए नहीं दिया विकल्प

भोपाल। प्रदेश के कई आईएएस अधिकारियों ने अब तक एकीकृत पेंशन योजना के तहत विकल्प नहीं दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने ऐसे सभी आईएएस अधिकारियों को रिमाइंडर दिया है। उन्हें तीस नवंबर तक मौका दिया गया है। प्रदेश के आईएएस अधिकारियों को एकीकृत पेंशन योजना के विकल्प के लिए बार-बार निर्देशित करने के बाद भी कई आईएएस अधिकारी विकल्प का चयन नहीं कर रहे हैं। पहले सामान्य प्रशासन विभाग ने बारह जून 2025 को निर्देश जारी कर याद दिलाया था कि भारत सरकार की 24 जनवरी 2025 को जारी अधिसूचना और पीएफआरडीए की 19 मार्च को जारी अधिसूचना के अनुसार पेंशन फंड रेग्यूलेटरी एवं डेवलपमेंट अथार्टी रेग्यूलेशन 2025 के तहत एक अप्रैल 2025 तक के राष्ट्रीय पेंशन योजना एनपीएस के अभिदाता भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रेग्यूलेशन में विहित प्रारुप एक दो में एकीकृत पेंशन योजना के विकल्प का चयन तीस जून 2025 तक कर सकते है।

राजस्व वसूली में पिछड़ा निगम, 8 माह में 400 करोड़ वसूले

भोपाल। नगर निगम चालू वित्तीय वर्ष में राजस्व वसूली में पिछड़ रहा है। बीते आठ माह में 400 करोड़ रुपए राजस्व वसूली हो पाई है जबकि वित्तीय वर्ष समाप्ति के बाकी चार माह में 300 करोड़ का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में एसआईआर के चलते निगम के राजस्व विभाग के 800 से ज्यादा कर्मचारी लगे हैं। इससे राजस्व वसूली थम सी गई है। हालांकि राजस्व विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि आगामी माह में राजस्व वसूली में तेजी आएगी। सभी काम सरकारी हैं। कर्मचारी 4 दिसंबर के बाद राजस्व वसूली में जुटेंगे। दिसंबर के बाद जनवरी-26 से बकायादारों पर अधिभार लगना शुरू हो जाएगा, जो हर माह बढेगा।

भाषा और संस्कृति एक-दूसरे की सहज पूरक और संरक्षक भी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव को सीएम ने किया संबोधित

हिंदी लोकभाषा हमारे माथे की बिंदी नमस्कार बन गया वैश्विक संस्कार

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाषा और संस्कृति एक-दूसरे की सहज पूरक हैं और एक दूसरे के संरक्षक भी। संस्कृति, भाषा को वह कथा-बीज देती है, जिनसे लोक-साहित्य से लेकर वैश्विक साहित्य जन्म लेता है और भाषा, संस्कृति को वह अभिव्यक्ति देती है, जिससे परंपराएं पीढ़ियों तक सुरक्षित यात्रा कर पाती हैं। साहित्य का एक ही रंग होता है, राग और आनंद का। उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा सच्चे अर्थों में लोक भाषा है।

हिन्दी हमारे माथे की बिन्दी है। हमारी संस्कृति ने अधिसत्ता नहीं, सदैव प्रभुसत्ता और लोक बन्धुत्व की भावना रखी। हमारी संस्कृति जियो और जीने दो की पवित्र भावना से ओत-प्रोत है। यही कारण है कि आज भारतीय संस्कृति दुनिया भर में अपनी अलग पहचान रखती है। नमस्कार अब वैश्विक शब्द बन गया है।

डॉ यादव शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में साहित्य और कला के सबसे बड़े उत्सव 'विश्वरंग–2025 टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव' में देश-विदेश से आए साहित्यकारों, कलाकारों और युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

साहित्य सच्चे अर्थों में एक दीर्घ साधना

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि साहित्य सच्चे अर्थों में एक दीर्घ साधना है और साहित्यकार एक प्रयोगधर्मी साधक। साहित्यकार अपनी कल्पनाशीलता, चिंतन और रचनात्मकता से ऐसे शब्द गढ़ता है, जो कालांतर में अमर हो जाते हैं। उन्होंने साहित्य और कला को समाज का दर्पण बताते हुए कहा कि विश्वरंग जैसे आयोजन नई पीढ़ी में सृजनशीलता और संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करते हैं। डॉ यादव ने कहा कि रवीन्द्रनाथ टैगोर की विचारधारा और उनकी वैश्विक दृष्टि आज भी दुनिया भर में संवाद, सौहार्द और मानवता का संदेश देती है। विश्वरंग–2025 जैसा मंच साहित्य, कला, संगीत और संस्कृति को जोड़ने का माध्यम है। यह आयोजन हमारी समृद्ध देशज कला एवं संस्कृति का पोषक है। यह हमारे साहित्यिक वैविध्य में भी एकात्मकता का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव का संबोधन

भारत का उद्भव मातृ सत्ता के आधार पर

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा है कि दुनिया में कई देशों की अपनी-अपनी संस्कृति है, लेकिन भारत का उद्भव मातृ सत्ता के आधार पर विश्व बंधुत्व को लेकर आगे बढ़ने की रही है। ब्रिटिश काल से ही भारतवंशी दुनिया के अनेक देशों में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। भारतीय इतिहास पर नजर डालें, तो अंग्रेज कभी एग्रीमेंट कर भारतीयों को कृषि और पशुपालन सहित अन्य कार्यों के लिए अपने स्वामित्व वाले देशों में ले गए थे। इन्हीं को गिरमिटिया कहा गया है। तब अंग्रेजों ने देशभर से इन शुभ कार्यों के लिए सुयोग्य लोगों को चुना था। आज विश्वरंग के माध्यम से 70 देशों के साहित्यकार, कलाकार और संस्कृति संरक्षक भोपाल आए हैं। उन्होंने कहा कि कोविड के कठिन दौर में भारत ने 'जियो और जीने दो' के भाव के आधार पर बंधुत्व का संदेश दिया।

सात साल में सत्तर देशों तक पहुंचा विश्वरंग

विश्वरंग फांउडेशन के संस्थापक और रवीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ संतोष चौबे ने कहा कि विश्वरंग एक ऐसा आयोजन है, जिसकी शुरुआत मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से हुई। विश्वरंग के पहले आयोजन 2019 में केवल 16 देश शामिल थे, अब इसमें 70 से अधिक देश सहभागिता कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह सातवां आयोजन है। विश्वरंग में 40 देशों के 70 से अधिक साहित्यकार एवं पत्रकार सहभागिता कर रहे हैं। आयोजन में 1000 से अधिक अतिथि आए हैं। विश्वरंग में 100 से अधिक हिंदी पुस्तकों का विमोचन किया जाएगा।

गीता प्रतियोगिता-पाठ में जन भागीदारी सुनिश्चित की जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीता जयंती महोत्सव के कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर दिए निर्देश

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

सीएम डॉ मोहन यादव ने 1 दिसंबर को गीता जयंती पर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव पर राज्य में हो रहे कार्यक्रमों की तैयारी की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अभ्युदय मप्र (गवर्नेंस एंड ग्रोथ समिट) निवेश से रोजगार (अटल संकल्प उज्जवल मध्य प्रदेश) के अंतर्गत 25 दिसंबर को ग्वालियर में हो रहे कार्यक्रम के संबंध में भी अधिकारियों से चर्चा की। डॉ यादव ने गीता महोत्सव के संबंध में मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा जिला कलेक्टर्स और पुलिस अधिकारियों से चर्चा की। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सबके लिए आवास की अवधारणा से गरीब परिवारों को मिल रहा अपना आवास

पीएम आवास योजना (शहरी) में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अपनाए गए नवाचार और प्रभावी रणनीतियों से मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य में शामिल

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट अवार्ड की श्रेणी में दूसरे स्थान पर है। योजना के क्रियान्वयन में अपनाए गए नवाचार तथा प्रभावी रणनीतियों से प्रदेश देश में अग्रणी स्थान पर बना रहा है। उन्होंने कहा कि सबके लिए आवास की अवधारणा के साथ प्रदेश के गरीब वर्ग को पक्का आवास देने में मध्यप्रदेश, देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में बड़े पैमाने पर गरीब तबके को आवास उपलब्ध कराए गए हैं। डॉ यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-1.0 में 8 लाख 75 हजार आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 में 50 हजार से अधिक आवासों की सौगात पात्र हितग्राहियों को दी जा चुकी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में चयनित हितग्राहियों को सब्सिडी के रूप में 23 हजार करोड़ रुपए की राशि प्रदान की जा चुकी है। प्रदेश में पीएमएवाय 1.0 में 9 लाख 46 हजार आवासों को स्वीकृति दी गई थी। पिछले 2 वर्षों में हितग्राहियों को उनके बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से करीब 1750 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की गई है। योजना में भूमिहीन परिवारों को आवासीय पट्टा उपलब्ध कराया गया है। इससे भूमिहीन गरीब परिवारों को भी बीएलसी घटक का लाभ प्राप्त हो सका हैं। योजना में नवाचार का प्रयोग करते हुए हितग्राही अंश की पूर्ति के लिए त्रिपक्षीय अनुबंध की सुविधा दी गई है। इस प्रक्रिया में हितग्राहियों को नगरीय निकाय की जिम्मेदारी पर सुगमतापूर्वक ऋण हितग्राहियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। ईडब्ल्यूएस वर्ग के हितग्राहियों का अंश न्यूनतम रखने के उद्देश्य से राज्य द्वारा शासकीय भूमि नगरीय निकायों को निःशुल्क प्रदान की गई है। भूमि का आवंटन भूस्वामी अधिकारी पर होने से नगरीय निकायों द्वारा हितग्राहियों को भी आवास आवंटन पट्टे की जगह भू-स्वामी अधिकार पर दिया गया है।

देश-विदेश के निवेशकों की पहली पसंद बना हरियाणा : नायब सैनी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य एक राष्ट्रवादी विचार, जन आंदोलन और राष्ट्रीय जागरण है। उन्होंने कहा कि हम अपने देश में बनी वस्तुओं का उपयोग करके ही देश को हर तरह से आत्मनिर्भर बना सकते हैं। आज हरियाणा देश-विदेश के निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी शनिवार को पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में विधि प्रकोष्ठ के समिनार को संबोधित कर रहे थे। सेमिनार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अधिवक्ता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक गोपाल शर्मा और एक भारत श्रेष्ठ भारत के संयोजक पर्व शर्मा भी मौजूद रहे।

स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करें : अलका

भाजपा की राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर ने कहा जब हम स्वदेशी अपनाते हैं, तो हम अपने देश की मिट्टी से जुड़ते हैं, अपने लोगों की मेहनत को सम्मान देते हैं. और अपने देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का मानना था कि आर्थिक व्यवस्था स्वदेशी पर आधारित होनी चाहिए। जब तक यह स्वदेशी नहीं होगी, यह न तो हमारी स्वतंत्रता की रक्षा कर सकती है और न ही न्याय की गारंटी दे सकती है।

आत्मनिर्भर भारत नारा नहीं, 21 वीं सदी का राष्ट्रीय संकल्प

पंचकूला में आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना केवल नारा नहीं, बल्कि 21वीं सदी में भारत को अग्रणी आर्थिक शक्ति बनाने का संकल्प है। सैनी ने कहा कि हरियाणा ने देश को खाद्यान आत्मनिर्भरता दिलाने में अग्रणी भूमिका निभाई है और राज्य अब विविधीकरण, दलहन–तिलहन उत्पादन को बढ़ावा दे रहा है। उद्योग क्षेत्र में हरियाणा आत्मनिर्भर पोर्टल उद्यमियों को योजनाओं का सीधा लाभ उपलब्ध करा रहा है। 12 लाख से अधिक एमएसएमई द्वारा 65 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया है तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों के अंतर्गत लगभग 400 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डेमोग्राफी को महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए कहा कि हरियाणा का लक्ष्य नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले युवा तैयार करना है।'

रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पलगी का मामला

शिक्षक ने मामूली बात पर छात्र को बुरी तरह पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रामानुजगंज

रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पलगी में प्राथमिक शाला जावाखाड़ी के शिक्षक द्वारा मासूम छात्र की पिटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कक्षा दूसरी में पढ़ने वाले 7 वर्षीय छात्र भागीरथी यादव को गिनती में गलती करने पर शिक्षक उदय यादव ने इतनी जोरदार पिटाई की कि उसकी आंख में खून उतर आया और चेहरा सूज गया। घटना शुक्रवार की है। भोजन अवकाश के बाद कक्षा में पहुंचे शिक्षक ने बच्चे से गिनती सुनाने को कहा। गलती जैसे ही हुई, शिक्षक ने उसके दोनों गालों पर थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिए। बच्चा जब डर के कारण सिर झुकाने लगा तो शिक्षक और अधिक नाराज हुए और लगातार पिटाई करते रहे। पीड़ित छात्र के पिता धनंजय यादव ने आरोप लगाया कि शिक्षक घटना के समय नशे में थे और अक्सर नशे की हालत में ही स्कूल आते हैं। घर पहुंचकर भागीरथी ने रोते हुए पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिजन त्रिकुंडा थाना पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

हरकत में आया शिक्षा विभाग

मामले की जानकारी मिलने पर शिक्षा विभाग भी हरकत में आ गया है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी विजय कुशवाहा ने बताया कि उन्हें मीडिया के माध्यम से घटना की जानकारी मिली है और वह इसकी जांच करवा रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव ने कहा कि दोषी शिक्षक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। वहीं त्रिकुंडा थाना प्रभारी जवाहर तिर्की ने पुष्टि करते हुए बताया कि शिकायत प्राप्त हो गई है और मामले में उचित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने दोषी शिक्षक की बर्खास्तगी की मांग की है। पुलिस व शिक्षा विभाग घटना की जांच में जुट गए हैं।

हरीश बोले -कांग्रेस पार्टी के भीतर की प्रक्रिया है, मैं नाराज नहीं, जीतू ने कहा - सब बढ़िया है, जल्द होगी नियुक्ति

इन नियुक्तियों के बाद जिलों में दो पावर सेंटर जैसी बन गई थी स्थिति

जीतू के इशारे पर कामले ने सृजित किया कांग्रेस के भीतर नया पद संगठन मंत्री का पद ही नहीं होता, महासचिव की सूची होगी जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र कांग्रेस में संगठन को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए एआईसीसी प्रभारी हरीश चौधरी ने गुरुवार रात सभी जिला प्रभारियों की नियुक्ति निरस्त कर दी। ये वे प्रभारी थे जिन्हें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने नियुक्त किया था। इन नियुक्तियों के बाद जिलों में दो पावर सेंटर जैसी स्थिति बन गई थी। जिला अध्यक्षों ने दिल्ली में शिकायत की थी कि नए प्रभारी उनके काम में दखलअंदाजी कर रहे है। इधर, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के भीतर की प्रक्रिया है, मैं नाराज नहीं हूं। जीतू ने कहा - सब बढ़िया है, जल्द ही नियुक्ति होगी।

इसके बाद एआईसीसी ने हस्तक्षेप करते हुए चौधरी ने तुरंत आदेश जारी किया। जारी आदेश में साफ लिखा गया है कि जिलों में संगठन से जुड़ी जो भी नियुक्तियां बिना पूर्व अनुमति की गई थीं, वे तुरंत प्रभाव से रद्द मानी जाएंगी। आगे से किसी भी नियुक्ति के लिए पहले औपचारिक प्रस्ताव तैयार होगा उसे अनुमति के लिए भेजा जाएगा मंजूरी मिलने पर ही नियुक्ति की जाएगी। बताया जा रहा है कि जिन जिला प्रभारियों को हटाया गया है, उन्हें पीसीसी में नई जिम्मेदारी दी जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के भीतर जीतू पटवारी के इशारे पर संजय कामले जिला संगठन मंत्री का पद तैयार कर दिया था। जबकि पार्टी में महासचिव का पद होता है। इस पद पर नियुक्ति होनी थी लेकिन कामले ने जिला संगठन मंत्री का पद तैयार कर सूची जारी की थी।

चौधरी ने बैठक में फटकार लगाई

हरीश चौधरी

गुरुवार को भोपाल में मौजूद चौधरी ने दिन में अग्रिम संगठन के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में संजय कामले, अवनीश भार्गव, शिवि चौहान, रीना बौरासी, यश घनघोरिया और आशुतोष चौकसे शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक चौधरी ने सभी को कड़ी फटकार लगाई और कहा- अलग-अलग मत भागो, एक लाइन में चलो। चौधरी प्रदेश कांग्रेस की गतिविधियों से नाराज बताए जा रहे हैं। वे भोपाल में होते हुए भी युवा कांग्रेस के प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए।

पटवारी को लगा झटका, आगे नियुक्तियों में मुश्किलें बढ़ेंगी

जीतू पटवारी

इन नियुक्तियों के निरस्त होने से पटवारी को बड़ा धक्का माना जा रहा है, क्योंकि यह उनके कार्यकाल की पहली संगठनात्मक नियुक्तियां थीं। अहम बात- इन नियुक्तियों के लिए उन्होंने एआईसीसी से अनुमति नहीं ली थी। माना जा रहा है कि आगे की संगठनात्मक नियुक्तियों में उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

भारत में चार नए श्रम कानूनों को लागू कर दिया गया है, जिसके तहत कई बड़े बदलाव हुए हैं। इन चार संहिताओं में 'कोड ऑन वेजेज 2019', 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020', 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020' और 'ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020' शामिल हैं। श्रम सुधारों का यह नया ढांचा भारत के आर्थिक, डिजिटल और औद्योगिक भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने वाला मॉडल है। यह सुधार न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान है बल्कि आने वाले दशकों में रोजगार परिदृश्य को स्थिरता, पारदर्शिता और सशक्तिकरण की नई दिशा देगा। नए कानूनों के लागू हो जाने से भारतवर्ष की उत्पादन क्षमता, रोजगार गुणवत्ता, औद्योगिक सामंजस्य और वैश्विक स्पर्धा में वृद्धि की पूर्ण संभावना दिखाई पड़ रही है। कह सकते हैं कि देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। आत्मनिर्भर भारत को मजबूत आधार प्रदान करने में नए चार श्रम कोड कारगर भूमिका अदा करेंगे, ऐसी उम्मीद जताई जा रही है। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

नए श्रम कानूनों से बदलेगी तस्वीर

विश्लेषण

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

सालों से इंतजार किए जा रहे चार नए श्रम कानूनों को बीती 21 नवंबर को लागू कर दिया गया है, जिसके तहत कई बड़े बदलाव हुए हैं। इन चार संहिताओं में 'कोड ऑन वेजेज 2019', 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020', 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020' और 'ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020' शामिल हैं। 29 श्रम कानूनों को खत्म करके चार नए कानून पेश किए गए हैं, जो सभी तरह के कर्मचारियों को कवर करते हैं। इस कानून के तहत सैलरी, अनिवार्य नियुक्ति पत्र, सामाजिक सुरक्षा, ग्रेच्युटी और समान काम की समान सैलरी आदि जैसे बदलाव हुए हैं। इसमें दो राय नहीं कि नए श्रम कानून लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नए दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम कानून मसलन वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। दावा किया जा रहा है कि इससे अनुपालन सरल बनेगा, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा और ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। केंद्र सरकार की इस कदम से कर्मचारियों को समय पर वेतन, औपचारिक नियुक्ति पत्र देने, न्यूनतम वेतन की गारंटी और वार्षिक स्वास्थ्य जांच का वादा किया गया है।

इसमें दो राय नहीं कि नए श्रम कानून लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नए दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम कानून मसलन वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। दावा किया जा रहा है कि ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा।

सैलरी का दायरा बढ़ेगा

नए कानूनों के तहत कर्मचारियों को समय पर सैलरी दी जाएगी। देशभर में मिनिमम सैलरी का दायरा बढ़ेगा यानी कि बाकी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी इसके अंतर्गत लाया जाएगा, ताकि कोई भी सैलरी इतनी कम नहीं हो कि कर्मचारियों का जीवन-यापन कठिन हो। नए कानून के तहत अब ग्रेच्युटी पाने के लिए 5 साल का इंतजार नहीं करना होगा, बल्कि 1 साल की सर्विस पर ही ग्रेच्युटी दी जाएगी। यह ग्रेच्युटी फिक्स्ड-टर्म कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स को भी मिलेगी। इन कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारियों के बराबर ही सभी फायदे जैसे छुट्टी, चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा भी दी जाएंगी। नए कानून के तहत एक और बड़ा बदलाव यह है कि सभी संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र देने का किया गया है। इसके अलावा गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म वर्कर्स ओर एग्रीगेटर्स को इन कानूनों के तहत पहली बार डिफाइन किया गया है। इन्हें भी आधार-लिंक्ड यूनिवर्सल अकाउंट नंबर से वेलफेयर बेनिफिट्स दिया जाएगा, जिसमें पीएफ से लेकर पेंशन तक का लाभ शामिल होगा। 40 साल से ज्यादा उम्र के कर्मचारियों को सालाना फ्री हेल्थ चेकअप दिया जाएगा। केंद्र सरकार मजदूरों की बेहतर सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय मानदंड बनाएगी।

महिला कर्मियों का हित

नए कानूनों के तहत महिलाएं सभी जगहों पर काम कर सकती हैं, जिसमें अंडरग्राउंड माइनिंग, भारी मशीनरी और खतरनाक काम शामिल हैं, जिससे सभी के लिए रोजगार के समान अवसर सुनिश्चित होंगे। हर साइट पर ऑन-साइट सेफ्टी मॉनिटरिंग के लिए जरूरी सेफ्टी कमेटी और खतरनाक रसायनों की सुरक्षित हैंडलिंग पक्का करना है। वहीं फिक्स्ड-टर्म एम्प्लॉई (एफटीई) से रोजगार मिलने की संभावना बढ़ेगी और सामाजिक सुरक्षा, स्थायी कर्मचारी के बराबर फायदे जैसे कानूनी सुरक्षा पक्की होगी। कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों को समाजिक और स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी। महिला-पुरूष भेदभाव कानूनी तौर पर नकार दिया गया है। महिला हो या पुरुष समान काम के लिए समान वेतन मिलेगा। महिलाओं को नाइट शिफ्ट में भी काम करने का अधिकार होगा। सभी कामगारों के लिए मिनिमम सैलरी की गारंटी होगी। सभी तरह के कर्मचारियों को ऑफर लेटर देना होगा, जिससे सामाजिक सुरक्षा, रोजगार विवरण और औपचारिक रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। छुट्टी के दौरान मजदूरी देना अनिवार्य किया गया है। मजदूरों को केंद्र सरकार की ओर से तय की गई फ्लोर वेज के हिसाब से वेतन दिया जाएगा।

ग्रेच्युटी व प्रोविडेंट फंड बेहतर

सभी प्रवासी कामगारों (डायरेक्ट, कॉन्ट्रैक्टर-बेस्ड और खुद माइग्रेटेड) को बराबर वेतन, वेलफेयर बेनिफिट और पीडीएस पोर्टेबिलिटी का लाभ दिया जाएगा। कामगार 3 साल तक लंबित बकाय के निपटारे के लिए दावा कर सकते हैं। सभी डॉक वर्कर्स के लिए प्रोविडेंट फंड, पेंशन और बीमा के लाभ तय कर दिया गया है, चाहे कॉन्ट्रैक्ट वर्कर हैं या अस्थायी कर्मचारी। जानकारों के मुताबिक नए लेबर कोड्स 'कोड ऑन वेजेज' और 'सोशल सिक्योरिटी' के तहत 'वेजेज' (सैलरी) की परिभाषा को एक जैसा बनाते हैं। इससे ग्रेच्युटी और प्रोविडेंट फंड बेहतर होगा, लेकिन अगर कंपनियां खर्च कम करने के लिए अलाउंस घटाती हैं, तो हाथ में आने वाली सैलरी कम हो सकती है। श्रम क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, अब 'वेजेज' में बेसिक पे, डियरनेस अलाउंस यानी डीए और रिटेनिंग अलाउंस यानी आरए शामिल होंगे। कुल कमाई का 50 प्रतिशत (या सरकार द्वारा तय की गई कोई और प्रतिशत राशि) 'वेजेज' में जोड़ा जाएगा। इससे ग्रेच्युटी, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा लाभों की गणना में एकरूपता आएगी। पहले कंपनियां बेसिक सैलरी कम रखकर बाकी पैसा अलग-अलग भत्तों के रूप में दे देती थीं। इससे पीएफ और ग्रेच्युटी में उनका योगदान कम होता था। लेकिन अब सरकार ने नियम बना दिया है कि आपकी कुल सैलरी यानी सीटीसी का कम से कम आधा हिस्सा बेसिक सैलरी होना चाहिए। इससे आपकी रिटायरमेंट सेविंग्स तो बढ़ेंगी, लेकिन हर महीने हाथ में आने वाले पैसे थोड़े कम हो सकते हैं। यह एक तरह से आपकी भविष्य की सुरक्षा के लिए अच्छा कदम है, भले ही अभी थोड़ा जेब पर भारी पड़े। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि श्रम सुधारों के कई प्रावधान, लंबे समय से अपेक्षित प्रगति का संकेत देते हैं।

जमीनी स्तर पर हो बदलाव

सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन का सार्वभौमिक वैधानिक अधिकार, अनिवार्य लिखित नौकरी अनुबंध, निश्चित अवधि के कर्मचारियों के लिये बेहतर ग्रेच्युटी तक पहुंच और स्वास्थ्य व सुरक्षा पर स्पष्ट मानदंड, औपचारिक प्रावधानों और पारदर्शिता की दिशा में बदलाव को रेखांकित करते हैं। निश्चित रूप से सामाजिक-सुरक्षा ढांचे के भीतर गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को मान्यता देना शायद सबसे बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन माना जा सकता है। निश्चय ही, ये देश के लाखों कामगारों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है। लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा।

नए श्रम कानून : श्रमिक जीवन का नया सूर्योदय

उम्मीद

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा

स्वतंत्र पत्रकार

श्रमिक कल्याण की प्रतिबद्धता से जुड़े नए श्रम कानून के लागू हो जाने के बाद से शोषण की कूटनीति को समाप्त करने का मार्ग खोला जा सकेगा। पुराने कानूनों में राजनीतिक उद्देश्यों को साधने के लिए किए जाने वाले घेराव के साथ तालाबंदी जैसी औद्योगिक गतिविधियों को भी रोका जा सकेगा। 'श्रमेव जयते' जैसे सार्थक शब्द का आह्वान श्रम के क्षेत्र में विकास यात्रा के मार्ग को सुगम बनाते हुए श्रम की गरिमा और श्रमिकों के सम्मान का प्रतीक बनकर जरूर उभरेगा। आजाद हिंदुस्तान में अब तक जो श्रम कानून चल रहे थे, वे आजादी से पूर्व 1920 और आजादी के तुरंत बाद 1950 में लागू किए गए थे। कहीं न कहीं अंग्रेजों की सोच कानून में घुली हुई थी। 105 वर्षों की लंबी यात्रा में समय-काल-परिवर्तन के अनुसार युगकालीन परिवर्तन स्पष्ट दिखाई पड़ रहे थे। तब समय की जरूरत के हिसाब से कानून में परिवर्तन करना एक अच्छी सोच कही जा सकती है। अलग-अलग टुकड़ों में बंटे 29 श्रम कानूनों को चार मुख्य कोड में समेटना कहीं न कहीं पेचीदे कानून को सरल बनाने की दिशा में एक अच्छा निर्णय माना जाना चाहिए। वर्तमान केंद्रीय सरकार की यह सोच कि निजी क्षेत्रों में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को सम्मानित जीवन मिले। अनुकूल कार्य क्षेत्र की प्राप्ति हो। समान वेतन का हक मिले, निम्न तबके को कल्याणकारी योजना की ओर अग्रसर करता है। नए श्रम कानून का सबसे ज्यादा लाभ प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों को मिलने जा रहा है। इन कानूनों के चलते अब जहां शोषण से मुक्ति मिलेगी, वहीं वेतन की नियमितता श्रमिकों को खुशियों का उपहार देती दिखेगी। नए नियमों के अनुसार अब नियोक्ता को किसी भी परिस्थिति में अपने कर्मचारियों को प्रत्येक माह की 7 तारीख तक वेतन का भुगतान करना होगा। सबसे बड़ा लाभ सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली ग्रेच्यूटी के रूप में होगा। पुराने कानून जहां कम से कम पांच वर्ष के सेवाकाल के बाद ही ग्रेच्युटी भुगतान की जंजीरों में जकड़ दिए गए थे, वहीं अब नए कानून के तहत हर वह कर्मचारी जिसने एक वर्ष की निरंतर सेवा पूर्ण कर ली है, ग्रेच्यूटी का हकदार होगा। हमारा पुराना श्रम कानून जहां महिला और पुरुषों के वेतन की विसंगति से जूझ रहा था, अब महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर वेतन का अधिकार प्रदान कर रहा है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो जेंडर आधारित भेदभाव को नए कानून ने कचरे के डिब्बे में डाल दिया है। चार नए श्रम कोड के चलते प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों का जीवन सम्मानित और सुनियोजित तरीके से सांस ले पाएगा। नए कानून को कार्यरूप देने के पीछे जो उद्देश्य नजर आ रहे हैं, वे कर्मचारियों को लाभान्वित करने के साथ ही कार्यक्षेत्र में किए जाने वाले शोषण को समाप्त करने वाले हैं। साथ ही इन कानूनों में सामाजिक सुरक्षा का मुद्दा नियोक्ताओं को उनके कर्तव्यों की याद दिलाने वाला होगा। आत्मनिर्भर भारतवर्ष के स्वप्न को साकार करने के लिए ही शायद सरकार के द्वारा 29 श्रम कानूनों को चार कानून में समेटा गया है। देश में 2025 नवंबर माह के तीसरे सप्ताह से प्रभावशील चार श्रम कानून कोड वेतन संहिता 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, तथा ओएसएच और कार्य शर्तें संहिता के रूप में लागू किए जा चुके हैं। जैसा कि वेतन संहिता के नाम से ही विदित होता है कि यह कोड कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन के साथ समय पर वेतन देने की मजबूत व्यवस्था के लिए बनाया गया है। सामाजिक सुरक्षा संहिता कर्मचारियों को सेवा निवृत्ति के बाद सम्मानित जीवन यापन के क्षेत्र में पीएफ, ईएसआईसी, ग्रेच्यूटी और बीमा जैसे लाभों का आवरण प्रदान करेगी। इसी तरह औद्योगिक संबंध संहिता कर्मचारियों की नियुक्ति, उनकी अनावश्यक छंटनी सहित अन्य सुविधाएं प्रदान करने वाली होगी। सबसे अहम चौथे कोड में काम के दौरान सुरक्षा और कार्यक्षेत्र को अनुकूल वातावरण प्रदान करने से संबंधित नियमों से बंधा होगा। संक्षिप्त में कहें तो नए कानूनों के जरिए सरकार ने कानून के सरलीकरण का शानदार प्रयास किया है। इन कानूनों के तहत गिग वर्कर अर्थात ऐसे कर्मचारी जो स्थाई नहीं हैं, बल्कि अस्थाई रूप से काम पर रखे जाते हैं, उन्हें भी कानून के दायरे में लाया गया है। नए कानूनों के लागू हो जाने से भारतवर्ष की उत्पादन क्षमता, रोजगार गुणवत्ता, औद्योगिक सामंजस्य और वैश्विक स्पर्धा में वृद्धि की पूर्ण संभावना दिखाई पड़ रही है। आत्मनिर्भर भारत को मजबूत आधार प्रदान करने में नए चार श्रम कोड कारगर भूमिका अदा करेंगे।

नए श्रम कानून का सबसे ज्यादा लाभ प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों को मिलने जा रहा है। इनके चलते अब जहां शोषण से मुक्ति मिलेगी, वहीं वेतन की नियमितता श्रमिकों को खुशियों का उपहार देती दिखेगी।

श्रम संसार की तस्वीर बदलने वाली गारंटी

राष्ट्र-चिंतन

आचार्य श्रीहरि

स्वतंत्र पत्रकार

श्रमेव जयते। श्रम की प्रधानता और समृद्धि के बिना जीवंत राष्ट्र की परिकल्पना नहीं हो सकती है। श्रम की कसौटी पर निर्माण और विकास की परिकल्पना बनती है। इसलिए श्रम की महत्ता और अनिवार्यता को अस्वीकार करना मुश्किल है। इनकी उपेक्षा और इन पर उदासीनता अस्वीकार है। सरकार की ही नहीं, बल्कि नियोक्ता और सेवा प्रदाताओं की जिम्मेदारी भी स्वस्थ और समृद्ध श्रम संसाद की बनती है। यह अच्छी और स्वागतपूर्ण कदम है कि नरेन्द्र मोदी ने मजदूरों की तस्वीर बदलने की गारंटी दी है, उनकी आजीविका के अधिकार को सशक्त बनाया है। उनके होने वाले शोषण और उत्पीड़न पर रोक लगाने की व्यवस्था की है और भेदभाव की नीतियों को समाप्त करने की घोषणा की है, यानी कि श्रमेव जयते। इस निमित नरेन्द्र मोदी की सरकार ने चार नए श्रम संहिताओं की घोषणा की है। इन श्रम संहिताओं की घोषणा से लगभग 30 साल के श्रम काले कानूनों को समाप्त कर दिया गया है, जो काफी समय से प्रस्तावित और प्रत्याशित थे। चार नये श्रम संहिताओं को इस प्रकार से जानिये। पहला वेज कोड 2019, इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020 सोशल सिक्योरिटी कोड 2020 और ऑक्यूपेशनल सेल्फी हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020 में परिवर्तन कर दिया गया है। इससे मजदूरों के वेतन और सुरक्षा अधिकारों में बहुत ज्यादा परिवर्तन होगा और लाभकारी भी होगा। नए श्रम संहिताओं में मजदूरों के सभी प्रकार के अधिकारों और कल्याण की भावनाओं को निहित किया गया है। औद्योगिकीकरण और कारपोरेटिवकरण तथा रोजगार और श्रम के नये आयामों के उद्भव और विकास के कारण मजदूरों के सामने विकट समस्या उत्पन्न हो गयी थी, निवेशकों के सामने भी बहुत बडी समस्या थी, पूर्व की श्रम संहिताएं अस्पष्ट थी और विसंगतियों से भरी पड़ी थी, नियोक्ता और श्रमिकों के बीच अविश्वास उत्पन्न करती थी, अधिकारों को लेकर संहिताएं स्पष्ट भी नहीं थी। न्यूनतम वेतनमान में हीलाहवाली थी, असमानता थी और शोषण युक्त था। नयी आर्थिक नीतियों के लागू होने से सर्वाधिक शोषण के शिकार मजदूर थे और उनके हित हाशिये पर थे, उनके आंदोलन करने के अधिकार और कर्तव्य पर नियोक्ता, पुलिस और प्रशासन की टेढी नजर रहने लगी थी। भारत की ये श्रम संहिताएं विश्व की अन्य संहिताओं के अनुपात में कितनी लाभकारी हैं, कितनी सहयोगी हैं और कितनी कल्याणकारी हैं? नई श्रमिक संहिताएं श्रमिकों के कल्याण और उनकी सुरक्षा के लिए बेमिसाल तो हैं पर नियोक्ताओं और सेवादाता कंपनियों के बीच भी श्रम कानूनों को लेकर विश्वास उत्पन्न करने की आवश्यकता है। उम्मीद है कि नरेन्द्र मोदी सरकार श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच विश्वास और संतुलन बनाने की भूमिका निभाएगी।

इन श्रम संहिताओं की घोषणा से लगभग 30 साल के श्रम काले कानूनों को समाप्त कर दिया गया है, जो काफी समय से प्रस्तावित और प्रत्याशित थे।

भारत में नए लेबर कोड : श्रमिक अधिकारों का नया अध्याय

रणनीति

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

केंद्र सरकार ने 21 नवंबर 2025 शुक्रवार को कार्य परिस्थितियों में बड़े बदलाव का कदम उठाते हुए देश में नई श्रम संहिता (लेबर कोड) लागू कर दी। यह वाकई काबिले-तारीफ है कि निजी एवं असंगठित क्षेत्र के करोड़ों कामगारों के लिए उपयोगी इस नए लेवर कोड में अनिवार्य नियुक्ति-पत्र, न्यूनतम और समय पर वेतन की गारंटी और एक साल में ही ग्रेच्युटी भुगतान की व्यवस्था की गई है, वहीं सामाजिक सुरक्षा का ध्यान रखते हुए ईएसआइसी सुविधा और 40 साल की सेवा के बाद अनिवार्य स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। बता दें कि ईएसआईसी भारत सरकार की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों और उनके परिवारों को बीमारी, दुर्घटना, मातृत्व और रोजगार से जुड़ी अन्य आपात स्थितियों में आर्थिक तथा चिकित्सीय सुरक्षा प्रदान करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के बाद इसे सबसे बड़ा रिफॉर्म बताया है। उन्होंने कहा है कि यह कृषकों को मजबूत बनाने वाला है। इनसे एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार होगा, जो भविष्य में कामगारों के हकों की रक्षा करेगा और भारत की आर्थिक वृद्धि को नई शक्ति देगा, साथ ही विकसित भारत की यात्रा को भी तेज गति मिलेगी।' कितनी अच्छी बात है कि नए लेबर कोड में महिलाओं के लिए खास सुविधाएं जोड़ी गई हैं, वहीं खतरनाक व जोखिम वाले उद्योगों, गिग वर्कर्स और आइटी क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों के लिए भी विशेष उपाय किए गए हैं। आज के समय में ओला-उबर के ड्राइवर, स्विगी-जोमैटो, ब्लिंकिट ,अमेजन के डिलीवरी पार्टनर, फ्रीलांसर (कंटेंट राइटर, ग्राफिक डिज़ाइनर, वीडियो एडिटर, वेब डेवलपर, डिजिटल मार्केटर आदि), डिज़ाइनर, या अर्बन कंपनी जैसी सर्विस देने वाले लोग गिग वर्कर्स के रूप में जाने जाते हैं। यह काम लचीला होता है, इसलिए लोग अपनी सुविधा अनुसार समय तय कर सकते हैं, लेकिन इसकी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसमें स्थायी नौकरी जैसे लाभ जैसे पीएफ, पेंशन, मेडिकल सुरक्षा अक्सर नहीं मिलते। यही कारण है कि गिग वर्कर्स को असंगठित क्षेत्र का हिस्सा माना जाता है।

यदि पारदर्शिता से काम हो तो यह कोड अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और देश को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सच तो यह है कि गिग वर्कर्स, खनन श्रमिकों और टैक्सटाइल श्रमिकों के लिए नए लेबर कोड में विशेष इंतज़ाम किए गए हैं,जो सराहनीय हैं। वास्तव में अब गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों सहित सभी श्रमिकों को पीएफ, ईएसआइसी, बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिल सकेंगे। इतना ही नहीं, खनन श्रमिकों के क्रम में आवागमन दुर्घटना पर मुआवजा, खान में सुरक्षा व स्वास्थ्य मानकों का ध्यान, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ ही साथ काम के घंटों की सीमा प्रतिदिन 8 से 12 घंटे, तथा प्रति सप्ताह 48 घंटे तय की गई है। टैक्सटाइल श्रमिकों के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। मसलन, ठेकेदार कर्मियों को समान वेतन, कल्याणकारी लाभ, बकाया निपटान के लिए तीन साल की अवधि, तथा ओवरटाइम पर दोगुना भुगतान जैसी व्यवस्थाएं नये लेबर कोड में की गईं हैं। नए लेबर कोड में महिलाओं के लिए खास सुविधाओं में क्रमशः लिंग भेद निषेध, समान कार्य के लिए समान वेतन, महिलाओं को सहमति व जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ रात्रि पाली में तथा सभी प्रकार के काम की अनुमति, शिकायत निवारण समितियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व जरूरी, महिला कर्मचारी के परिवार की परिभाषा में सास-ससुर को शामिल करना, 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश, क्रैच व वर्क फ्रॉम होम की सुविधा के साथ ही साथ 3500 रुपये का मेडिकल बोनस दिए जाने की व्यवस्थाएं भी की गईं हैं। वास्तव में लेबर कोड में विभिन्न सुधारों से कामगारों को निश्चित ही लाभ हो सकेगा। कुल मिलाकर, श्रमिकों की स्थिति सुधारने के लिए नए लेबर कोड की आवश्यकता महसूस की गई। अब नए लेबर कोड से श्रमिकों के दिन बदलेंगे। हालांकि, इनकी सफलता प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। यदि सरकार और उद्योग पारदर्शिता से काम करें तो यह कोड भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और देश को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

रोजगार, सुरक्षा और सम्मान की दिशा में ऐतिहासिक पहल

श्रम कानून

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

एक लंबे इंतजार के बाद देश के श्रम कानूनों में बदलाव किया गया है, जो कई तरह से ऐतिहासिक है। इसकी मांग दशकों से की जा रही थी। पुराने 29 श्रम कानूनों को अब इतिहास बनाते हुए उनकी जगह 21 नवंबर से देश में चार नए श्रम कोड लागू हो गए हैं। इसे श्रम सुधारों में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

ये कोड हैं- वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यस्थल स्थिति संहिता 2020। इनका मकसद कामगारों को सुरक्षित काम, समय पर वेतन और सामाजिक सुरक्षा देना है। संसद ने ये चार लेबर कोड लगभग पांच साल पहले पारित कर दिए थे। लेकिन इन्हें अब जाकर लागू किया गया है। अब पूरे देश में संगठित और असंगठित क्षेत्रों के लिए श्रम कानून एक जैसे होंगे। इन संहिताओं का सबसे बड़ा उद्देश्य श्रमिकों के कल्याण को मजबूत बनाना, उद्योगों को सुगम कार्य-परिस्थिति देना, डिजिटल कार्य संस्कृति को औपचारिक मान्यता देना और गिग-प्लेटफॉर्म वर्कर्स जैसे उभरते श्रमिक वर्ग को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। इससे भारत की उत्पादन क्षमता, रोजगार गुणवत्ता, औद्योगिक सामंजस्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होगी। बहरहाल, इन कानूनों को लागू करते हुए केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। ऐसा मानना है कि ये बदलाव देश में रोजगार और औद्योगिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। नए श्रम कानूनों से देश के करीब 40 करोड़ कामगारों को सामाजिक सुरक्षा कवरेज भी मिलेगी।

पहले देश में लागू श्रम कानून 1930-1950 के बीच के बनाए गए थे। उन कानूनों में श्रमिकों के आर्थिक हितों का ध्यान नहीं रखा गया था। लेकिन नए कानून इन बातों को ध्यान में रखा गया है। हालांकि, कई मजदूर संगठनों का आरोप है कि ये कोड कंपनी मालिकों को पहले से कहीं अधिक अधिकार देते हैं। खासकर छोटी और असंगठित कंपनियों में कामगारों का शोषण बढ़ेगा। दावा किया जा रहा है कि यह अद्भुत संतुलन वाला कानून है, जिससे मजदूरों और कर्मचारियों को भी फायदा होगा तो उद्योग समूहों को भी लाभ होगा। सवाल है कि जब दोनों के लिए फायदे वाला कानून है तो इसे लागू करने में सरकार को छह साल क्यों लग गए? दूसरा सवाल यह है कि अगर ये कानून मजदूरों के हित में हैं तो देश के ज्यादातर बड़े मजदूर संगठन इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? असल में संसद में पास करने से लेकर इनके नियम बना कर इन्हें लागू करने तक जब भी इन कानूनों की बात होती है तो दावा किया जाता है कि इनसे मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा मिलेगी, स्वास्थ्य की बेहतर सुविधा मिलेगी, समय पर उचित वेतन मिलेगा तो दूसरी ओर कंपनियों को एक ऐसा सरल ढांचा मिलेगा, जिसके अनुपालन में उनको कोई समस्या नहीं आएगी। लेकिन यह सिर्फ सदिच्छा है। वास्तव में इसका कितना लाभ मिलता है यह इन कानूनों के अनुपालन के बाद पता चलेगा। लेकिन एक बात साफ है कि मजदूरों के हड़ताल या विरोध प्रदर्शन के अधिकार को सीमित कर दिया गया है। नए कानून में प्रावधान है कि हड़ताल से 60 दिन यानी दो महीने पहले नोटिस देना होगा।

वास्तव में श्रम कानून का कितना लाभ मिलता है यह इन कानूनों के अनुपालन के बाद पता चलेगा, लेकिन एक बात साफ है कि मजदूरों के हड़ताल या विरोध प्रदर्शन के अधिकार को सीमित कर दिया गया है।

अगर कर्मचारी या मजदूर अपनी किसी समस्या के लिए तत्काल विरोध प्रदर्शन या हड़ताल नहीं कर पाएंगे तो उनकी समस्या को निराकरण कैसे होगा? वहीं सामाजिक सुरक्षा वाले तीसरे कानून में गिग वर्कर्स और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड की बात कही गई है। लेकिन यह फंड कैसे बनेगा? कंपनियां कितना योगदान करेंगी और मजदूरों को उसका लाभ कैसे मिलेगा, इस बारे में बहुत स्पष्टता नहीं है। इसी तरह व्यावसायिक सुरक्षा वाले चौथे कानून में रोज के काम के घंटे का विस्तार 12 घंटे तक कर दिया है। असल में नए श्रम कानून जैसा कि हमेशा होता है उद्योग समूहों और निवेशकों के हितों को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। इनका मकसद ज्यादा से ज्यादा निवेश आकर्षित करना और उद्योग समूहों का विस्तार करना है। सभी सरकारें मानती रही हैं कि उद्योगों का विकास होगा, निवेश बढ़ेगा तो रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और संपन्नता आएगी। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर कानून शोषण और गैर बराबरी को बढ़ाता है। ये कानून भी अपवाद नहीं हैं। इनमें भी फिक्स्ड टर्म नौकरी पर जोर दिया गया है, जिसका मतलब है कि स्थायी नौकरियां कम होंगी और ठेके पर काम ज्यादा उपलब्ध होगा। इससे सामाजिक सुरक्षा बढ़ेगी नहीं कम होगी। इसी तरह कंपनियां नियमों का कैसे अनुपालन करती हैं उसकी जांच और निगरानी की व्यवस्था कमजोर कर दी गई है। कुछ पहलुओं को छोड़ दिया जाए तो नई श्रम संहिताएं आवश्यक संतुलन साधने में सफल दिखती हैं। ये बदलाव सिर्फ आज के कामगारों के लिए नहीं, आने वाले समय में काम की दुनिया बदलने की चुनौती के लिए हैं। दरअसल, श्रम सुधारों का यह नया ढांचा भारत के आर्थिक, डिजिटल और औद्योगिक भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने वाला मॉडल है। यह सुधार न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान है बल्कि आने वाले दशकों में रोजगार परिदृश्य को स्थिरता, पारदर्शिता और सशक्तिकरण की नई दिशा देगा।

सेहत के लिए दी नसीहत

सीजेआई ने जजों के काम को बताया बेहद तनावपूर्ण, मनोरंजक कार्यक्रमों में शामिल हों

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि जजों को मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होना चाहिए ताकि वे खुद को रिचार्ज कर सकें। सीजेआई ने कहा कि जजों के काम के घंटे लंबे होते हैं और उनका काम बेहद तनावपूर्ण होता है। उनके काम की प्रकृति को देखते हुए उन्हें मनोरंजक गतिविधियां करनी चाहिए। मनोरंजक गतिविधियों में वे गतिविधियां शामिल की जाती हैं, जिन्हें लोग अपने शरीर और दिमाग को तरोताजा करने के लिए करते हैं। इनमें खेलकूद, योग-ध्यान, तैराकी या पैदल चलना आदि कुछ भी हो सकता है।

सीजेआई सूर्यकांत

सीजेआई ने ऑल इंडिया जज बैडमिंटन स्पर्धा के उद्घाटन में यह बात कही

केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल और केंद्रीय मंत्री रिजिजू भी कार्यक्रम में मौजूद रहे

त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की गई दो दिन की यह चैंपियनशिप

मनोरंजक गतिविधियों को आदत में शुमार करें

सीजेआई ने ऑल इंडिया जज बैडमिंटन चैंपियनशिप के उद्घाटन कार्यक्रम में मीडिया से बात करते हुए कहा कि जजों को अपनी उम्र के हिसाब से किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल होना चाहिए। सीजेआई ने कहा 'जजों के काम के घंटे ज्यादा हैं और उनका काम की प्रकृति भी तनावपूर्ण है। उन्हें कई घटों तक बैठकर काम करना होता है। ऐसे में सभी जजों को मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होना चाहिए और इसे अपनी आदत में शुमार करना चाहिए। जजों को रिचार्ज करने के लिए ये जरूरी है।

उच्च न्यायालयों के जज सेहत पर ध्यान दे रहे

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि उच्च न्यायालयों के जज बड़ी संख्या में इस चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं, इससे पता चलता है कि वे अपनी सेहत को लेकर जागरूक हैं। इस दौरान केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। यह दो दिवसीय खेल आयोजन दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जा रहा है। समापन समारोह और इनाम वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सीजेआई जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विक्रम नाथ करेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन पूर्व अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी अबंतिका डेका द्वारा किया जा रहा है।

आज होगा समापन और पुरस्कार वितरण

दो दिन की यह चैंपियनशिप यहां त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की गई है। समापन और पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता रविवार को पूर्व प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ करेंगे।

खुद को रखें तरोताजा

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि न्यायाधीशों का काम घंटों लंबा होने के साथ-साथ अत्यंत तनावपूर्ण होता है, जिसके लिए उन्हें अवकाश के दौरान स्वयं को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि न्यायधीशों को अपनी उम्र के हिसाब से मनोरंजन गतिविधियों में हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों के काम के घंटे लंबे होते हैं और उनके काम का स्वरूप बहुत तनावपूर्ण होता है। सभी न्यायाधीशों को किसी मनोरंजक गतिविधि में हिस्सा लेना चाहिए और इसे अपनी आदत बना लेनी चाहिए। उन्हें खुद को तरोताजा करने के लिए मनोरंजन की जरूरत होती है।

खबर संक्षेप

अनंत गोयनका बने फिक्की के अध्यक्ष

नई दिल्ली। आरपीजी समूह के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने 2025-2026 के लिए फिक्की के अध्यक्ष का पद संभाला। उद्योग निकाय ने कहा कि गोयनका ने इमामी लिमिटेड के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक हर्षवर्धन अग्रवाल की जगह ली है। गोयनका के पास एमबीए और अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री है।

रक्षित ने लौटाया सगाई का 21 लाख का चेक

वाजिदपुर। यहां स्थित द ग्रांड पैलेस रिसोर्ट में हुई रक्षित राणा और दिव्या की सगाई में एक अनूठी मिसाल देखने को मिली। रक्षित ने 21 लाख का चेक ससम्मान लौटाकर संदेश दिया कि दहेज अभिशाप है और इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। दहेज एक सामाजिक अभिशाप है। किसी भी राशि को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आप को फिर झटका, पूर्व विधायक भाजपा में गए

नई दिल्ली। दिल्ली में कल 12 वार्डों के लिए होने वाले एमसीडी उपचुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) को एक तगड़ा झटका लगा है। 'आप' के एक पूर्व विधायक राजेश गुप्ता ने पार्टी का साथ छोड़कर आज भाजपा का दामन थाम लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पार्टी और देश में से किसी एक को चुनना था, तो मैंने देश को चुन लिया।

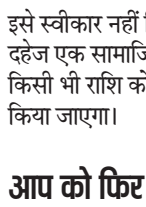

तेजस्वी विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष घोषित

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव 18वीं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे। राजद और महागठबंधन के विधायक दल की बैठक में तेजस्वी के नाम पर सर्वसम्मति से मुहर लगा दी गई। शनिवार को पोलो रोड में हुई बैठक में राजद, कांग्रेस और वाम दलों के विधायकों ने एक स्वर से तेजस्वी को नेता माना।

पंचायत चुनाव में 90 साल का बुजुर्ग उम्मीदवार

कोच्चि। यहां के असमन्नूर गांव में पंचायत चुनाव में उम्मीदवारों में 90 वर्षीय बुजुर्ग नारायणन नायर भी शामिल हैं जिनके लिए उम्र महज एक नंबर है। वे जोश एवं दमखम से अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं तथा लोगों से वोट की अपील कर रहे हैं। निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। वे काला बैग लिए वोट मांग रहे हैं।

ब्रेकफास्ट पालिटिक्स के बाद बोले सिद्धारमैया और शिवकुमार

हम दोनों के बीच कोई मतभेद नहीं और न कभी होंगे, आलाकमान की हर बात मानेंगे

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को बेंगलुरु में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से उनके आवास पर मुलाकात की। कांग्रेस आलाकमान के इशारे पर सिद्धारमैया ने डीके शिवकुमार को ब्रेकफास्ट के लिए बुलाया था। इसके बाद दोनों ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि नाश्ता अच्छा था। हमने वहां किसी भी विषय पर बात नहीं की। हमने सिर्फ नाश्ता किया। डीकेएस हमारे घर आए। शिवकुमार ने मुझे अपने घर आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं और भविष्य में भी कोई मतभेद नहीं होंगे। हमारा एजेंडा 2028 के चुनाव हैं। स्थानीय निकाय चुनाव महत्वपूर्ण हैं। हमने उन पर चर्चा की। हमने 2028 के चुनावों में कांग्रेस को वापस लाने पर भी चर्चा की। हमने चर्चा की कि हम साथ चलेंगे। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं और भविष्य में भी कोई मतभेद नहीं होंगे।

भाजपा बोली- तो अपना ब्रेकअप ठीक कर रहे थे

- दोनों ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की
- सिद्धारमैया बोले- नाश्ता अच्छा था
- किसी भी विषय पर बात नहीं की

भाजपा और जेडीएस को झूठे आरोप लगाने की आदत

नाश्ते करते सिद्धारमैया (दाएं) और डीके शिवकुमार

अब कोई भ्रम नहीं रहेगाः सिद्धारमैया

शिवकुमार के साथ नाश्ते पर बैठक के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि हमने फैसला किया है कि हम आलाकमान की हर बात मानेंगे। अबसे कोई भ्रम नहीं रहेगा। अभी भी कोई भ्रम नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्टरों ने भ्रम पैदा किया है।

सिद्धारमैया ने कहा कि भाजपा और जेडीएस को झूठे आरोप लगाने की आदत है। दोनों ने बयान दिया है कि वे अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे। उनके पास केवल 60 विधायक हैं और जेडीएस के पास 18 विधायक हैं। वे हमारी संख्या का मुकाबला नहीं कर सकते। हमारे पास 140 विधायक हैं। यह एक निरर्थक कवायद है। हम उनके झूठे आरोपों का सामना करेंगे। जहां तक मुझे पता है, कुछ विधायक मंत्री बनना चाहते हैं, इसलिए वे आलाकमान से मिलने गए होंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि वे नेतृत्व के खिलाफ हैं। उनमें से कुछ ने मुझसे बात की और बताया कि वे दिल्ली क्यों गए थे।

हम सुशासन प्रदान कर रहेः शिवकुमार

शिवकुमार ने कहा कि जहां तक नेतृत्व का सवाल है, यह पार्टी आलाकमान को तय करना है। वे जो भी कहेंगे, हम उसका पालन करेंगे। हम पार्टी के वफादार सिपाही हैं। पार्टी देश में एक कठिन दौर से गुजर रही है, लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि हम 2028 में अपनी जीत दोहराएंगे और मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के नेतृत्व में आगे बढ़ेंगे। हम सुशासन प्रदान कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

हमें जो संदेश देना था दे दिया बोले शिवकुमार

दोनों ने शनिवार को प्रदेश कांग्रेस में दरार के विपक्ष के दावों को खारिज करने की कोशिश की। शिवकुमार ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में किसी भी बगावत की संभावना को खारिज किया। डीके ने कहा कि हमें जो भी संदेश देना था,मैंने कांग्रेस को दे दिया है।

जेडीएस ने भी किया बड़ा हमला

सिद्धारमैया-डीके बाज की तरह नजर रखकर अपना झुंड संभाल रहे

जनता दल (सेक्युलर) ने भी कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला बोला है। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार सत्ता मजबूत करने व गुटबाजी संभालने में लगे हैं, जबकि राज्य के असली मुद्दों को पूरी तरह नजरअंदाज कर रहे हैं। सत्ता के लिए सिद्धारमैया और शिवकुमार विरोधी बने सहयोगी विधायकों को खिलाकर-पिलाकर और उन पर बाज की तरह नजर रखकर अपना झुंड संभाल रहे हैं।

ब्रेकफास्ट मीटिंग पर भाजपा का तंज

ब्रेकअप पर मेकअप हो रहा, एकता का नाटक हो रहा

सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच शनिवार को नाश्ते पर मुलाकात हुई। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे ब्रेकअप पर मेकअप वाली मीटिंग करार दिया। उन्होंने कहा कि दोनों नेता अपनी आंतरिक कलह को दबाने के लिए एकता का नाटक कर रहे हैं। ये नाश्ते पर बैठक नहीं थी।

राज्य की जनता मेन्यू में थी ही नहीं

पूनावाला ने कहा कि हमने इन दोनों नेताओं के बीच ट्विटर वॉर भी देखी है। दोनों बेस्ट एक्टर और बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड डिजर्व करते हैं। एक बात बिल्कुल साफ है उस नाश्ते की टेबल पर कर्नाटक की जनता मेन्यू में थी ही नहीं। सिर्फ और सिर्फ सत्ता की राजनीति थी, जनता की नहीं।

कबीर के बयान से बंगाल में घमासान

भले ही टीएमसी छोड़नी पड़े बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे

मैं किसी से नहीं डरता 6 दिसंबर को नींव रखूंगा

टीएमसी के विधायक हुमायूं कबीर

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

पश्चिम बंगाल की भरतपुर विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर ने यह ऐलान करके सियासी भूचाल ला दिया है कि वे 6 दिसंबर को नई बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे। उन्होंने टीएमसी से इस्तीफा देने और दिसंबर तक नई सेक्युलर पार्टी बनाने का भी ऐलान कर दिया। कबीर ने कहा कि मैं टीएमसी छोड़ दूंगा, लेकिन मस्जिद बनाऊंगा। मुस्लिम लोगों की मदद से, सरकार से नहीं बल्कि मुस्लिम कम्युनिटी से आर्थिक मदद लेकर मैं बाबरी मस्जिद बनाऊंगा।

एक कट्ठा जमीन पर नींव रखी जाएगी

कबीर ने दावा किया कि 2011 के सेंसस के मुताबिक 33 पर्सेंट मुस्लिम थे। अब बंगाल में 38 पर्सेंट मुस्लिम हैं। 4 साल इंतजार करो और यह 40 पर्सेंट हो जाएगा। किसी भी कीमत पर 6 दिसंबर को मस्जिद की नींव तैयार हो जाएगी। शुरुआत में एक कट्ठा जमीन पर नींव रखी जाएगी।

ममता दुर्गा पूजा कार्निवल कर रहीं तो मस्जिद गलत कैसे?

कबीर ने चुनौती भरे लहजे में कहा कि ममता बेनर्जी दीघा में जगन्नाथ मंदिर बना रही हैं, सड़कें ब्लॉक करके दुर्गा पूजा कार्निवल कर रही हैं। अगर मैं मस्जिद बनाने जाऊं तो यह क्राइम हो जाता है? मैं उनसे क्या बात करूं? अगर कोई मुझे धमकी देता है तो क्या मैं उसे मिठाई भेजूंगा? मस्जिद प्राथमिकता है। नमाज पढ़ना मुसलमानों का फर्ज है। मुसलमानों को मंदिर बनाने पर कोई एतराज नहीं है, तो मस्जिद बनाने पर एतराज क्यों?

कबीर पर कार्रवाई क्यों नहीं करतीं ममता

कबीर के इन बयानों के बाद बंगाल की सियासत में सवाल उठ रहा है कि क्या ममता चुपके से अपने ही विधायक को बाबरी मस्जिद बनवाने में सपोर्ट कर रही हैं? विपक्षी भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिन्हा ने ने ममता बनर्जी से सवाल किया है कि अगर वो सच में बाबरी मस्जिद नहीं बनवाना चाहतीं तो कबीर के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रही हैं? माइनॉरिटी भी उनकी तुष्टीकरण की पॉलिटिक्स को समझ गए हैं। जिसके शरीर में बाबर का खून बह रहा हो, वही बाबरी मस्जिद बनवाना चाहेगा!

इंडी ब्लाक में टूट की अटकलें हो गईं शुरू

कांग्रेस के उम्मीदवारों ने आरजेडी से गठबंधन को चुनाव में हार के लिए जिम्मेदार ठहराया

कांग्रेस आलाकमान से राजद से गठबंधन तोड़ने की वकालत की

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार विधानसभा चुनावमें करारी हार झेलने के बाद महागठबंधन में टूट की अटकलें हैं। समीक्षा के दौरान कांग्रेस के अधिकतर उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से गठबंधन को चुनावी हार के लिए जिम्मेदार ठहराया। कई ने तो कांग्रेस आलाकमान को राजद से गठबंधन तोड़ने की वकालत भी कर दी। इसके बाद से सियासी पारा गरम है। हालांकि, पार्टी के किसी भी बड़े नेता की तरफ से गठबंधन के भविष्य को लेकर कोई भी बयान नहीं आया है।

बिहार के नेता उठाने लगे महागठबंधन पर सवाल

खरगे और राहुल ने की थी बात

खरगे और राहुल आपस में बात करते हुए

नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में कांग्रेस ने बिहार चुनाव की हार की समीक्षा प्रदेश स्तर के नेता मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी बैठक में मौजूद थे।

अकेले लड़ते तो बेहतर परिणाम होते

अधिकतर उम्मीदवारों ने आलाकमान को बताया कि राजद से गठबंधन की वजह से कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा है। अगर कांग्रेस इस चुनाव में अकेले मैदान में उतरती तो परिणाम बेहतर होते।

गठबंधन में किसी को पकड़कर नहीं रखाः राजद

राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल ने कहा कि गठबंधन में किसी को पकड़कर रखा नहीं जा सकता है। कांग्रेस की अगर मर्जी है कि अकेले और अलग चलेंगे, तो क्या कर सकते हैं। अगर कांग्रेस को लगता है कि गठबंधन में रहने पर हार हुई है और अलग होना है तो अच्छी बात है।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने बताए जीडीपी ग्रोथ के बड़े कारण

पीएम मोदी की विकासवादी नीतियों का नतीजा, सभी अनुमान पीछे छूटे

दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जारी हुए जीडीपी आंकड़ों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकारी सुधारों और विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने से दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। गोयल ने दावा किया कि व्यापार मोर्चे पर वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश का निर्यात अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विकास के आंकड़ों ने कुछ वर्गों की ओर से किए गए दावों को खारिज कर दिया है। यह दर्शाता है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है।यह पीएम मोदी की विकासवादी नीतियों का नतीजा है। यह उछाल त्योहारों से पहले बढ़ी खपत और हाल में लागू जीएसटी सुधारों से संभव हुआ, जिसने बाजार में अतिरिक्त मांग पैदा की और आर्थिक गतिविधियों को गति दी।

जीएसटी में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई

गोयल ने बताया कि भारत के जीएसटी में भी इस वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान उच्च वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान वस्तु निर्यात 0.63 प्रतिशत से 254.25 अरब डॉलर हो गया व आयात 6.37 प्रतिशत बढ़कर 451.08 अरब डॉलर हो गया। इस वित्तीय वर्ष के पहले 9 महीनों के दौरान सेवाओं का निर्यात 237.55 अरब डॉलर रहा, वहीं अप्रैल-अक्टूबर 2024 में यह 216.45 अरब डॉलर था।

राज्यपाल बोस ने अधिसूचना जारी की

सरकारी 'राज भवन' का नाम बदलकर 'लोक भवन' किया

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने केंद्र के निर्देश को लागू करते हुए कोलकाता में स्थित राज भवन का नाम बदलकर 'लोक भवन' कर दिया। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि गृह मंत्रालय के 25 नवंबर के पत्र के अनुरूप यह अधिसूचित किया जाता है कि कोलकाता के 'राज भवन', फ्लैगस्टाफ हाउस और दार्जिलिंग में स्थित राज भवन परिसरों का नाम संशोधित करके 'लोक भवन' कर दिया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। राज भवन, जिसे अब लोक भवन नाम दिया गया है, राज्यपाल का आधिकारिक आवास और कार्यालय है। अब इसे लोक भवन के नाम से ही जाना जाएगा। राज्यपाल बोस ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी दी है।

एनएचआरसी ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा

बसों में अलग ड्राइवर कैबिन गलत व अधिकारों का उल्लंघन

बस डिज़ाइन को लेकर सभी राज्यों से दो हफ्ते में रिपोर्ट मांगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र भेजकर सार्वजनिक परिवहन बसों की असुरक्षित डिजाइन पर गंभीर चिंता जताई है। आयोग ने कहा कि कई बसों में ड्राइवर केबिन को पूरी तरह अलग बनाया जा रहा है, जिससे आग लगने या आपात स्थिति में ड्राइवर और यात्रियों के बीच समय पर संवाद नहीं हो पाता। यह यात्रियों की जान के लिए बड़ा खतरा और जीवन के मौलिक अधिकार का गंभीर उल्लंघन है। सभी मुख्य सचिव सीआईआरटी की सभी सिफारिशों को राज्यभर में लागू करें। लापरवाहों पर तत्काल कार्रवाई हो। पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा व सहायता दी जाए। 2 सप्ताह के भीतर एटीआर भेजें।

पीड़ित परिवारों को मुआवजा व सहायता दे

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

आग की बढ़ती घटनाओं पर संज्ञान लिया

हाल में कई बसों में सफर के दौरान आग की घटनाओं में कई लोगों की मौत हो गई। आयोग की पीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संज्ञान लिया और परिवहन मंत्रालय व केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान पुणे से दो सप्ताह के भीतर विस्तृत एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) मांगी।

सीआईआरटी जांच में गंभीर खामियां मिलीं

सीआईआरटी ने बताया कि राजस्थान परिवहन विभाग के अनुरोध पर जांच में हादसे वाली बस में कई गंभीर कमियां मिलीं। बस बॉडी निर्माण में मानकों का उल्लंघन किया गया था। स्लीपर बसों में ड्राइवर पार्टिशन डोर नियमों के खिलाफ है, फिर भी लगाया गया था। 12 मीटर से लंबी बसों में 5 आपात निकास अनिवार्य हैं पर उपलब्ध नहीं थे।

बस में एफडीएसएस और मानक उपकरण नहीं मिले

अनिवार्य फायर डिटेक्शन एंड सप्रेशन सिस्टम बस में मौजूद नहीं था। स्लीपर कोच के स्लाइडर-चेसिस एक्सटेंशन जैसे खतरनाक हिस्से बगैर अनुमति लगाए गए थे। केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान का कहना है कि सभी स्लीपर कोचों में ड्राइवर पार्टिशन हटाया जाए, एफडीएसएस अनिवार्य रूप से लगाया जाए, 10 किलो के फायर एक्सटिंग्विशर चेक किए जाएं और नियमों के उल्लंघन वाले सभी बस बॉडी डिजाइन तत्काल बंद किए जाएं।

नवंबर में जरूरी कामों को निपटाएं, 1 दिसंबर से नियम बदलेंगे

नवंबर महीना जल्द खत्म होने वाला है और कई सरकारी और वित्तीय कामों की आखिरी तारीख भी पास आ गई है। अगर आपने अभी तक ये काम पूरे नहीं किए हैं, तो 30 नवंबर से पहले पूरा कर लें। 1 दिसंबर से कई नियम बदल जाएंगे।

सरकारी कर्मचारियों के लिए यूपीएस चुनने की आखिरी तारीख

- सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम चुनने की डेडलाइन 30 नवंबर है। पहले यह तारीख 30 सितंबर थी, लेकिन बाद में बढ़ा दी गई। यूपीएस, एनपीएस से अलग है और इसे चुनने का मौका सीमित समय तक ही है।
- पेंशनर्स के लिए लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की डेडलाइन
- पेंशनर्स को अपना लाइफ सर्टिफिकेट 30 नवंबर तक जमा करना होगा। इसे समय पर जमा न कराने पर पेंशन रोकने का खतरा हो सकता है।

टैक्स फाइलिंग और जरूरी रिपोर्ट

- अक्टूबर 2025 में टीडीएस कटने वाले टैक्सपेयर्स को सेक्शन 194-Iए, 194-Iबी, 194एम और 194एस के तहत बयान 30 नवंबर तक जमा करना अनिवार्य है। सेक्शन 92ई के तहत रिपोर्ट देने वाले टैक्सपेयर्स भी 30 नवंबर तक आईटीआर फाइल कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय ग्रुप की कॉन्स्टीट्यूएंट एंटिटीज़ के लिए फॉर्म 3सीईएए जमा करने की आखिरी तारीख भी यही है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव

- ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी की कीमतें अपडेट करती हैं। 1 दिसंबर को भी नए दाम लागू होंगे। 1 नवंबर को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 6.50 रुपए तक घटाई गई थी।

एविएशन टरबाइन फ्यूल की कीमत

- एलपीजी की तरह एटीएफ की कीमतों में भी हर महीने बदलाव होता है। 1 दिसंबर को एटीएफ के दाम बढ़ सकते हैं या कम हो सकते हैं। नवंबर खत्म होने से पहले इन जरूरी कामों को पूरा करना बेहद जरूरी है, क्योंकि 1 दिसंबर से नियम और तारीखें बदल जाएंगी।

निवेश मंत्रा
विनोद गौतम

स्टॉक मार्केट की नब्ज पकड़ना नहीं आसान, इन बातों का रखें विशेष ध्यान

नियमित व अनुशासित निवेश ही करें

दरअसल अनिश्चितता से भरे शेयर ट्रेडिंग में भावों के उतार-चढ़ाव को समझना ही सबसे बड़ी चुनौती होती है। जो ट्रेडर यह समझते हैं कि मुनाफा कमाना बड़ा लक्ष्य है, वे अक्सर घाटा खाते हैं, जबकि भावों की भाषा को पढ़ने वाले कुल मिलाकर फायदे में रहते हैं, क्योंकि किसी भी शेयर के भावों में ही छिपा रहता है उसका भूत, वर्तमान और भविष्य, बस इसे पढ़ने के लिए सधी और पैनी नजर चाहिए। अब सवाल है कि भावों की भाषा पढ़ी कैसे जाए। इसका एक प्रमुख माध्यम है टेक्निकल एनालिसिस।

टेक्निकल एनालिसिस का क्या है अर्थ

टेक्निकल एनालिसिस का अर्थ है किसी स्टॉक के मार्केट डाटा का सूक्ष्म अध्ययन करके उसकी संभावित कीमत का अनुमान लगाना। इसमें मुख्य रूप से दो बातों पर गौर किया जाता है। भाव और ट्रेडिंग की मात्रा यानी वॉल्यूम। सरल शब्दों में कहा जाए तो टेक्निकल एनालिसिस के तहत देखा जाता है कि किसी खास समय अवधि में किसी स्टॉक की कीमत में कितना उतार-चढ़ाव आया। इस अवधि में इसकी ट्रेड की गई संख्या में क्या कभी कोई बड़ा उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

इक्विटी मार्केट में निवेश एक अनुशासन है। इसे तोड़ने पर जोखिम उठाना पड़ सकता है। लेकिन यह देखा गया है कि निवेश के फैसलों में अपवाद को नियम मान लेने की चूक कई लोगों करते हैं। मसलन, आम धारणा है कि इक्विटी फंड में एकमुश्त निवेश नहीं करना चाहिए। इक्विटी फंड में निवेश एसआईपी के जरिये करना चाहिए, ताकि समय के साथ लागत की एवरेजिंग होती रहे। ऐसा करने के कई फायदे हैं। फिर भी, कई लोगों के पोर्टफोलियो इस नियम का पालन नहीं करते हैं और वे इसकी वजहें भी बताते हैं कि मुझे एक बार में यह रकम मिली थी और किसी ने मुझे बताया कि इसे एकबार में ही इस फंड में लगा देना चाहिए या मुझे पता है कि सेक्टर फंड्स से अभी परहेज करना चाहिए, लेकिन यह तो साफ दिख रहा है कि इंफ्रास्टक्चर का हाल बेहतर होने वाला है, तो मैंने इंफ्रा फंड में एक बार में ही मोटी रकम लगा दी या इक्विटी में उतार-चढ़ाव होता रहता है, लिहाजा मैंने एफडी में 10 साल के लिए यह रकम लगा दी। ये तो एफडी की तरह ही हैं। ये तमाम तर्क टिपिकल हैं और इनमें से ज्यादातर मामलों में निवेशक ने सोच-समझकर निवेश नियमों का उल्लंघन करने का निर्णय किया होता है। वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे खुद को अपनी तर्क बुद्धि से या सलाहकार की मदद से यह समझा ले जाते हैं कि मौजूदा हालात में आम नियम का रास्ता छोड़ना फायदेमंद होगा।

ऐसे समझें

निवेश में अनुशासन व नियमों को समझने के लिए यहां एक उदाहरण पेश है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का एक डॉक्यूमेंट है। 'पावर ऑफ टेन' के नाम से। इसे नासा के कंप्यूटर साइंटिस्ट गेरार्ड होल्जमैन ने तैयार किया था। इसमें सेफ्टी-क्रिटिकल सॉफ्टवेयर डिवप्प करने के 10 नियम बताए गए हैं। इसके रिसर्च के दौरान होल्जमैन ने पाया था कि अगर नियमों का पालन किया जाए, तो उन्हें कानून की तरह मानना होगा, न कि दिशानिर्देश की तरह। और कुछ ही नियमों का होना बेहतर है, जिनका कभी उल्लंघन न हो। निवेश पर यह उदाहरण बिल्कुल फिट बैठता है। कहने का मतलब कि निवेश के नियमों में अपवाद की कोई जगह नहीं है। हमेशा बुनियादी नियमों का पालन करना चाहिए। और यह नियम है कि इक्विटी में कभी भी एकमुश्त निवेश नहीं करें। न ही सीधे शेयर बाजार में और न ही म्यूचुअल फंड में। अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखें, एसआईपी अपनाएं, नियमित निवेश का पैटर्न अपनाएं। कभी कभार हो सकता है कि ऐसे हालात बनें, जिनमें निवेश के बुनियादी नियमों के उल्लंघन से बेहतर रिटर्न मिले, लेकिन ऐसे मामले नाममात्र के ही होते हैं।

ट्रेडिंग के जरूरी सूत्र

1. ट्रेडर के लिए सबसे अहम है भावों की भाषा
2. टेक्निकल एनालिसिस से समझें भावों की धड़कन
3. टेक्निकल एनालिसिस में चार्ट का अध्ययन अहम
4. ट्रेडर को प्राइस व वॉल्यूम का आकलन करना चाहिए
5. टेक्निकल एनालिसिस से ट्रेंड अनुमान लगा सकते हैं

टेक्निकल व फंडामेंटल एनालिसिस में अंतर

फंडामेंटल एनालिसिस में जहां हम लंबे निवेश के नजरिए से कंपनी के अतीत और वर्तमान को कसौटी पर कसने की कोशिश करते हैं, वहीं टेक्निकल एनालिसिस मूल रूप से भावों की तात्कालिक गणना पर आधारित पद्धति है। इसका उद्देश्य ट्रेडर की मदद करना होता है। फिर चाहे वह ट्रेडर इंट्रा डे हो या फिर शॉर्ट टर्म ट्रेडर। फंडामेंटल एनालिसिस में हम कंपनी की आय, उसके द्वारा दिए गए लाभांश और शोध जैसी बातों को अपने अध्ययन का आधार बना सकते हैं।

ऐसे करें एनालिसिस

टेक्निकल एनालिसिस में इनमें से कुछ संकेतकों का उपयोग किया जा सकता है लेकिन इसमें मुख्य रूप से कुछ विशेष टूल्स और तकनीक का इस्तेमाल किया जता है। इन विशेष साधनों में एक है चार्ट का अध्ययन। चार्टों के जरिए टेक्निकल एनालिसिस करने वाला ट्रेडर दो अहम चीजों पर ध्यान देता है- पहला प्राइस मूवमेंट और दूसरा शेयर का ट्रेंड। अगर कोई शेयर आपके द्वारा निर्धारित कीमत से दो फीसदी गिर भी जाता है तो मुमकिन है कि वह अपट्रेंड हो। यानी उसमें मुनाफा वसूली या किसी और वजह से थोड़े वक्त के लिए करेक्शन आया हो लेकिन वह जल्द ही फिर से रफ्तार पकड़ सकता है। टेक्निकल एनालिसिस के जरिए हम समझने की कोशिश करते हैं कि किस सीमा के बाद कोई शेयर दिशा बदल सकता है।

कई तरह के चार्ट पैटर्न

टेक्निकल एनालिसिस में काम आने वाले चार्ट पैटर्न भी कई तरह के होते हैं। जैसे- हेड एंड शोल्डर, डबल टॉप या बॉटम वगैरह। इसके अलावा जो चीज टेक्निकल एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है, वह है मूविंग एवरेज। मूविंग एवरेज पर अलग से चर्चा करेंगे, फिलहाल हम आपको उसका एक परिचय देते चलें। मूविंग एवरेज का अर्थ है कि कोई शेयर किसी खास अवधि में किस औसत भाव के साथ मूव कर रहा था। इसका आकलन लगाने में हम कुछ और तकनीकी बिंदुओं पर गौर कर करते हैं, जैसे, सपोर्ट और रेजिस्टेंस। टेक्निकल एनालिसिस के जरिए शेयर के भावों का अर्थशास्त्र समझने में मदद मिलती है।

शेयर बाजार में क्या है अपर सर्किट और लोअर सर्किट?

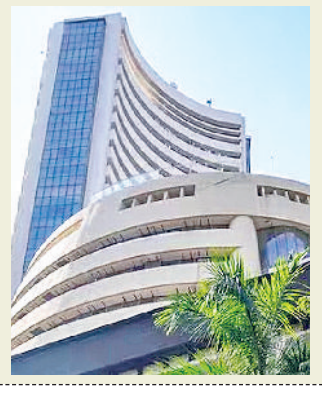

क्यों घटता-बढ़ता है शेयर का मूल्य?

सामान्य निवेशक इस बात को लेकर कभी कभी बहुत हैरान रहते हैं कि शेयर का मूल्य किस हिसाब से बढ़ता और घटता रहता है। शेयर का मूल्य दो कारणों से बढ़ता या घटता रहता है। पहला कारण शेयर की सप्लाई और डिमांड और दूसरा कारण कंपनी द्वारा मुनाफा कमाना या कंपनी का घाटा। लेकिन, अगर हम स्टॉक ट्रेडिंग में देखें तो शेयर की सप्लाई और डिमांड की वजह से अधिकतर शेयर का मूल्य घटता बढ़ता रहता है। जब भी शेयर की डिमांड बढ़ती है यानी ज्यादा लोग खरीदते हैं तो उसका दाम बढ़ जाता है। और, जब लोग शेयर को बेचना स्टार्ट कर देते हैं तब शेयर का मूल्य घटने लगता है यह इस तरह से काम करता है।

लोअर सर्किट को ऐसे समझें

मान लीजिए आपके पास किसी कंपनी का शेयर हैं। किसी वर्ष के दौरान उस कंपनी को किसी कारणवश घाटा लगना शुरू हो जाता है। ऐसे में आप उस कंपनी का शेयर बेचने लगेंगे। ऐसे ही बहुत से लोग जो उस कंपनी के शेयर को लिए होंगे वह भी बेचना शुरू कर देंगे। जब सब बेचना शुरू कर देंगे तो एक ही दिन में उस कंपनी का शेयर शून्य तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में शेयर का मूल्य एक निश्चित सीमा तक गिरे इसके लिए एमएसई तथा बीएसई स्टॉक एक्सचेंज ने कुछ नियम बनाए हैं। जिनके अंतर्गत जब किसी कंपनी में अचानक सब लोग शेयर बेचना शुरू कर दें तो एक निश्चित सीमा तक ही उस शेयर का मूल्य घटेगा। उसके बाद उस शेयर की ट्रेडिंग बंद हो जाएगी। यह जो मूल्य घटने की सीमा है, उसे ही लोअर सर्किट कहते हैं।

कैसे काम करता है अपर सर्किट

अपर सर्किट को एक उदाहरण के जरिए समझते हैं। मान लीजिए कि आपके पास किसी कंपनी के शेयर हैं। उस कंपनी को खूब मुनाफा होता है या किसी कारणवश उस कंपनी में निवेशकों की रूचि बढ़ जाती है। ऐसे में उस कंपनी के शेयर का दाम खूब चढ़ने लगता है। ऐसे में किसी कंपनी के शेयर का मूल्य एक ही दिन में आसमान में पहुंच जाएगा। इसी हालत से बचने के लिए शेयर बाजार में अपर सर्किट का प्रावधान है। उस निश्चित मूल्य सीमा तक उस कंपनी के शेयर का दाम पहुंचते ही उसमें अपर सर्किट लग जाएगा और उसकी ट्रेडिंग बंद हो जाएगी। जिस तरह से लोअर सर्किट पर 10, 15 और 20 फीसदी का नियम लागू होता है, वही नियम अपर सर्किट पर भी लागू होता है। लोअर सर्किट के तीन चरण होते हैं। यह 10 फीसदी, 15 फीसदी और 20 फीसदी की गिरावट पर लगता है। यदि 10 फीसदी की गिरावट दिन में 1 बजे से पहले आती है, तो बाजार में एक घंटे के लिए कारोबार रोक दिया जाता है। इसमें शुरुआती 45 मिनट तक कारोबार पूरी तरह रुका रहता है और 15 मिनट का प्री-ओपन सेशन होता है।

क्या आपके पीएफ अकाउंट में भी सितंबर-अक्टूबर का कंट्रीब्यूशन नहीं दिख रहा

उन सैलरीड कर्मचारियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है जिनके पीएफ पासबुक में सितंबर और अक्टूबर 2025 की सैलरी से कटे पैसे अभी तक नहीं दिख रहे हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने कहा है कि ये सिर्फ एक अस्थायी तकनीकी दिक्कत है, जल्दी ठीक हो जाएगी। ईपीएफओ अपना नया और अपग्रेडेड इलेक्ट्रॉनिक चालान-कम-रिटर्न सिस्टम लॉन्च कर रहा है। इसलिए हाल के महीनों की पीएफ एंट्री फेज में डाली जा रही हैं। इसी वजह से कुछ लोगों की पासबुक में सितंबर-अक्टूबर के पैसे अभी गायब या अधूरे दिख रहे हैं।

पासबुक लाइट से होगी आसानी

बता दें कि ईपीएफओ ने हाल ही में 'पासबुक लाइट' नाम की नई सुविधा शुरू की है। इसमें आप देख सकते हैं कि आपके खाते में कितना पैसा जमा हुआ, कितना निकला और अभी कितना बचा हुआ है। मतबल जरूरी जानकारी के लिए आसान सुविधा शुरू की गई है। ये सुविधा मेंबर पोर्टल पर ही उपलब्ध है। इसके लिए अलग से पासबुक वाली वेबसाइट पर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही इससे ट्रैफिक ज्यादा होने पर भी सिस्टम हैंग भी नहीं होता और जल्दी जानकारी मिल जाती है।

ई-सेवा पोर्टल पर पीएफ पासबुक कैसे चेक करें

- यूएएन मेंबर ई-सेवा पोर्टल पर जाएं।
- अपना यूएएन, पासवर्ड डालें और ओटीपी से लॉगिन करें।
- डैशबोर्ड पर 'पासबुक लाइट' चुनें, वहां से स्टेटमेंट देखें या डाउनलोड करें।

उमंग ऐप पर पासबुक कैसे देखें

- उमंगऐप में लॉगिन करें।
- ईपीएफओ सर्विस सर्च करें और 'व्यू पासबुक' पर क्लिक करें।
- यूएएन डालें, ओटीपी से वेरीफाई करें, अपना मेंबर आईटी चुनें और ई-पासबुक डाउनलोड कर लें।

ऑनलाइन पीएफ क्लेम करने के लिए क्या-क्या चाहिए

- ऑनलाइन क्लेम डालने वाले मेंबर्स को ये चीजें पहले से पूरी करनी जरूरी हैं:
- यूएनएन एक्टिवेट होना चाहिए और उससे जुड़ा मोबाइल नंबर काम कर रहा हो।
- आधार लिंक और ओटीपी से वेरीफाई होना चाहिए।
- बैंक अकाउंट डिटेल्स ईपीएफओ में अपडेट होनी चाहिए।
- अगर सर्विस 5 साल से कम है और फाइनल सेटलमेंट करना है तो पेन भी लिंक होना चाहिए।

जैसे-जैसे ईपीएफओ नया सिस्टम पूरी तरह लागू करेगा, सितंबर-अक्टूबर 2025 के पीएफ पैसे जल्दी ही सभी की पासबुक में दिखने लगेंगे।

यूपीआई वेरिफिकेशन से लेकर 'स्पॉट ए स्कैम' टूल तक, निवेशकों को फ्रॉड से बचाने के लिए सेबी के सुझाव

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत बताई। उन्होंने आगाह किया कि नॉन-रजिस्टर्ड एडवाइजर ग्रुप, लोगों को असुरक्षित कारोबारी माध्यम की ओर आकर्षित कर रहे हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं। बीएसई के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि इस दौर में जहां गलत सूचनाएं तथ्यों से अधिक तेजी से प्रसारित होती हैं, यह चुनौती और भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इसलिए, निवेशक सुरक्षा को मजबूत करना नियामक की प्रमुख प्राथमिकता बन गया है। योजनाओं की पहचान करने में और अधिक सहायता करने के लिए 'स्पॉट ए स्कैम टूल' पेश किया है, जो यूजर्स की ऑनलाइन प्रामाणिकता सत्यापित करने में मदद करता है। पांडेय ने बताया कि सेबी ने पिछले 18 महीनों में मेटा, गूगल, टेलीग्राम और एक्स सहित सोशल मीडिया एवं सर्च मंचों पर गैरकानूनी या भ्रामक ऑनलाइन सामग्री के एक लाख से अधिक मामलों को चिह्नित किया है। उन्होंने कहा कि इसके अनुरूप विनियमित संस्थाओं को सोशल मीडिया पर अनियमित सलाहकारों के साथ जुड़ने की अनुमति नहीं है, जिससे झूठे दावों व हानिकारक पेशकशों के प्रसार को रोकने में मदद मिलेगी।

यूपीआई से जुड़ा एक मान्य ढांचा पेश किया

सेबी ने इन प्रयासों के तहत यूपीआई से जुड़ा एक मान्य ढांचा पेश किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पेमेंट सिर्फ सेबी रजिस्टर्ड मध्यस्थों की प्रामाणिक यूपीआई आईडी पर ही किए जाएं। बाजार नियामक ने जांच सुविधा का भी विस्तार किया गया है जिससे निवेशक 'सेबी इन्वेस्टर' वेबसाइट और सारथी मोबाइल ऐप पर बैंक खातों की वास्तविकता की तुरंत पुष्टि कर सकते हैं। यह समझते हुए कि धोखाधड़ी की गतिविधि बिना किसी चेतावनी के हो सकती है निवेशक अब स्वेच्छा से अपने लेनेदने के खातों को 'फ्रीज' या 'ब्लॉक' कर सकते हैं। यह ठीक वैसे ही है जैसे 'हैक' किए गए डेबिट कार्ड को 'ब्लॉक' किया जाता है। यह विकल्प तत्काल सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

गारंटीड रिटर्न के वादे से रहें सावधान

कारोबार संबंधी धोखाधड़ी वाले ऐप विश्वसनीय लगते हैं, डिजिटल खाते वैधता का दिखावा करते हैं और पक्के रिटर्न का वादा करने वाली ऐसा योजनाएं पेश करते हैं जो कोई भी रेगुलेटेड मार्केट नहीं दे सकता। बाजार नियामक के प्रमुख ने खतरे की गंभीरता को दोहराते हुए कहा कि ऐसे "नॉन-रजिस्टर्ड एडवाइजर ग्रुप, लोगों को असुरक्षित ट्रेड प्लेटफॉर्म की ओर आकर्षित करते हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार के मामले कोई छिटपुट घटनाएं नहीं हैं, बल्कि निवेशकों के विश्वास, जिज्ञासा और आकांक्षाओं का फायदा उठाने के समन्वित प्रयास हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि लोग 'अवसर की आड़ में धोखे' का शिकार न हों।

पारिवारिक वसीयत में सही हिस्सा नहीं मिला? जानें, क्या है कानून और कोर्ट में क्या माना जाता है सबूत

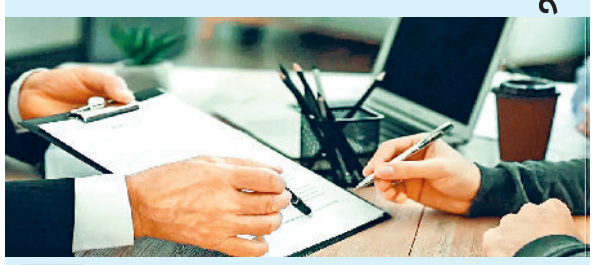

परिवार में वसीयत को लेकर झगड़े अक्सर रिश्तों को बिखेर देते हैं। अगर वसीयत में हिस्से बराबर न हों या लगे कि कोई बाहर से दखल दे रहा था, तो मामला और उलझ जाता है। लेकिन कानून के मुताबिक, सिर्फ असमानता देखकर वसीयत को चुनौती नहीं दी जा सकती। यहां बहुत मजबूत सबूत चाहिए। अगर परिवार पहले से ही सही कदम उठाएं, तो लंबी अदालती लड़ाई और पैसे की बर्बादी से बच सकते हैं। खैतान एंड कंपनी की पार्टनर ज्योति सिन्हा बताती हैं कि ऐसे मामलों में सही जानकारी होना जरूरी है, वरना छोटी-छोटी बातें नजरअंदाज हो जाती हैं।

छिपे हुए संकेत जो नजर नहीं आते

परिवार वाले अक्सर उन छोटे-छोटे इशारों को मिस कर देते हैं, जो वसीयत में गड़बड़ी की ओर इशारा करते हैं। सिन्हा कहती हैं कि अगर कोई फायदा उठाने वाला शख्स लंबे समय से टेस्टेटर (वसीयत बनाने वाला) के करीब रहा हो और फैसले प्रभावित करने की कोशिश करता दिखे, तो ये दबाव या अनुचित प्रभाव का संकेत हो सकता है। इसके अलावा, वसीयत में हस्ताक्षर में कुछ असामान्य हो, जैसे डॉक्टर का सर्टिफिकेट न होना जो दिमागी हालत की पुष्टि करे, या जहां काट-पीट हुई हो वहां इनिशियल्स न हों, तो ये चेतावनी के घंटे हैं। ये चीजें खुद-ब-खुद वसीयत को अमान्य नहीं बनातीं, लेकिन जांच की जरूरत बताती हैं। सिन्हा की सलाह है कि इन पर गौर करके जल्दी कदम उठाएं, क्योंकि वक्त बीतने पर सबूत गुम हो सकते हैं।

सबूत जुटाने की जल्दबाजी क्यों?

समय बहुत कीमती है ऐसे मामलों में। सिन्हा कहती हैं कि वसीयत बनाने के वक्त की घटनाओं का टाइमलाइन बनाएं, टेस्टेटर की शारीरिक और मानसिक स्थिति के बारे में जानकारी इकट्ठा करें। असली हस्ताक्षर के नमूने, फोटो, चिट्ठियां या ईमेल जैसे दस्तावेज रखें, जो ये साबित करें कि वसीयत प्राकृतिक है या संदिग्ध। परिवार अक्सर सोचते हैं कि उनके पास जो कागज हैं, वो बेकार हैं, लेकिन सिन्हा की राय है कि सब कुछ वकील को दिखाएं। वो तय करेंगे कि क्या काम आएगा। अगर देर की, तो महत्वपूर्ण चीजें खो सकती हैं।

अदालतें कैसे काम करती हैं?

जज लोग वसीयत पर दस्तखत करते वक्त की परिस्थितियों को गौर से जांचते हैं। सिन्हा बताती हैं कि क्या टेस्टेटर आजाद था, उसे सब समझ आ रहा था? बीमारी, नशा या कोई ऐसी चीज जो फैसले पर असर डाले, उसकी जांच होती है। अनुचित प्रभाव साबित करना काफी मुश्किल है, क्योंकि कानूनी स्तर ऊंचा है।

अगर वसीयत से बाहर कर दिया गया तो?

वसीयत से नाम कटना अकेले चुनौती का आधार नहीं होता। सिन्हा कहती हैं कि पहले देखें कि बिना वसीयत के संपत्ति कैसे बंटती। अगर कोई कानूनी वारिस 'अप्राकृतिक बहिष्कार' का दावा करता है, तो वो सेल्फ-अक्वायर्ड संपत्ति के लिए मुश्किल से मान्य होता है, लेकिन पैतृक संपत्ति के लिए काम कर सकता है। ऐसे में कोई कदम उठाने से पहले वकील से बात जरूर करें, क्योंकि मामला जटिल है।

अलर्ट हर साल गुजरना पड़ता है इस प्रक्रिया से, जानकारी होना जरूरी

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट स्वीकार हुआ या नहीं, इस चिंता में हैं? ऐसे चुटकियों में करें चेक

पेंशन जारी रखने के लिए सालाना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना एक जरूरी काम होता है। लेकिन, बहुत से बुजुर्गों की सबसे बड़ी चिंता यही रहती है कि उनका डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बैंक या पेंशन डिपार्मेंट ने एक्सेप्ट कर लिया या नहीं। नीचे हम जानेंगे कि यह पूरा सिस्टम कैसे काम करता है, इसमें क्या-क्या जानकारी देनी पड़ती है। साथ ही इसमें सबसे जरूरी काम यह पता करना होता है कि आपका सर्टिफिकेट एक्सेप्ट हो गया या नहीं। लाइफ सर्टिफिकेट एक आधार आधारित डिजिटल सर्टिफिकेट है। इससे पेंशन लेने वाले व्यक्ति के जीवित होने की पुष्टि हो जाती है, वो भी बिना बैंक या डिपार्टमेंट के चक्कर लगाए। जैसे ही आप इसे बनाते हैं, यह इलेक्ट्रॉनिक तरीके से आपके पेंशन देने वाले बैंक या डिपार्टमेंट तक पहुंच जाता है। हर सर्टिफिकेट का एक अलग प्रमाण-आईडी नंबर होता है, जिससे आप और डिपार्टमेंट दोनों उसकी स्थिति देख सकते हैं।

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाते समय आपको ये जानकारी डालनी होती है

⏭ आधार नंबर और नाम ⏭ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर ⏭ पेंशन पेमेंट ऑर्डर नंबर ⏭ पेंशन खाते का नंबर और बैंक का नाम ⏭ पेंशन मंजूर करने वाले डिपार्टमेंट और पेंशन देने वाले बैंक/डिपार्टमेंट का नाम ⏭ इसके बाद फिंगरप्रिंट, आंख की स्कैन या चेहरे की पहचान (बायोमेट्रिक) देनी जरूरी है। अगर कोई भी जानकारी गलत हुई तो सर्टिफिकेट रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए बहुत ध्यान से भरें, क्योंकि 30 नवंबर की डेडलाइन नजदीक है।

चेहरे की पहचान से कैसे बनाएं सर्टिफिकेट

अगर आप फेस ऑथेंटिकेशन तरीका इस्तेमाल करना चाहते हैं तो आपके पास एंड्रॉयड फोन होना चाहिए। दो ऐप डाउनलोड करें **adhaarFaceRD** और **Jeevan Pramaan Face App**।

आगे ये करें : आधार से वेरीफाई करें, पेंशन की सारी डिटेल भरें साफ-साफ अपना चेहरा फोटो खिंचवाएं, काम पूरा होने पर आपके रजिस्टर्ड, मोबाइल पर मैसेज आएगा और डाउनलोड लिंक भी मिल जाएगा।

सबसे जरूरी: पता करें कि आपका सर्टिफिकेट एक्सेप्ट हुआ या नहीं , सर्टिफिकेट जमा करने के बाद यह जरूर चेक करें कि बैंक/डिपार्टमेंट ने उसे मंजूर किया है या नहीं। तरीका बहुत आसान है। ऑफिशियल वेबसाइट **jeevanpramaan.gov.in** पर जाएं, अपना प्रमाण-आईडी डालकर सर्टिफिकेट डाउनलोड करें, सर्टिफिकेट के सबसे नीचे मैसेज देखें, अगर लिखा हो कि पीडीए ने एक्सेप्ट कर लिया, मतलब काम हो गया।

अगर रिजेक्ट लिखा हो तो तुरंत नया सर्टिफिकेट सही जानकारी और बायोमेट्रिक के साथ बनवाएं।

अगर दिसंबर से पहले सही सर्टिफिकेट जमा नहीं हुआ तो पेंशन रुक सकती है। इसलिए अभी समय है, आज ही चेक कर लें और जरूरत पड़े तो दोबारा जमा कर दें।

वुमेंस प्रीमियर लीग का शेड्यूल जारी, 2 शहर में 22 मुकाबले, मुंबई इंडियंस-आरसीबी के बीच पहला मैच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की शुरुआत 9 जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) और 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुकाबले के साथ होगी। डब्ल्यूपीएल 2026 के शेड्यूल की जानकारी देते हुए बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि नवी मुंबई में दो डबल-हेडर मुकाबले होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला 5 फरवरी को वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में आयोजित होगा। विमेंस प्रीमियर लीग 2026

में 9-17 जनवरी के बीच मुकाबले नवी मुंबई में खेले जाएंगे। इस दौरान 11 मुकाबले आयोजित होंगे। इसके बाद शेष 11 मैच वडोदरा में होंगे। इनमें प्लेऑफ भी शामिल हैं। वडोदरा लेग की शुरुआत गुजरात जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के साथ होगी। मुंबई इंडियंस डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर इस सीजन में उतर रही है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस खिताब को जीतने वाली दूसरी टीम है। गुजरात जायंट्स वडोदरा लेग की शुरुआत आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से करेगी, जिसके बाद दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच 2025 के फाइनल का री-मैच होगा। 1 फरवरी को लीग स्टेज खत्म होने के बाद, एलिमिनेटर में दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमें हिस्सा लेंगी। टेबल टॉपर सीधे 5 फरवरी को फाइनल में पहुंचेगी।

टाइम टेबल

नवी मुंबई लेग:
9 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
10 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स
10 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स
11 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स
12 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स
13 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स
14 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
15 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स
16 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स
17 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस
17 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा लेग:
19 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
20 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस
22 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स
24 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स
26 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस
27 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
29 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
30 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस
1 फरवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स
3 फरवरी: एलिमिनेटर
5 फरवरी: फाइनल

खबर संक्षेप

ओजस्विनी ने जीती डीजीसी लेडीज एमेच्योर ओपन गोल्फ चैंपियनशिप

नई दिल्ली। ओजस्विनी सारस्वत ने दिल्ली गोल्फ क्लब में 222 के कुल स्कोर के साथ 15वीं डीजीसी लेडीज एमेच्योर ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता। इस प्रतियोगिता में 115 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जिसमें सारस्वत ने 222 अंकों के साथ ट्रॉफी जीती, जबकि केया बडुगु (225) दूसरे और योग्या भल्ला (232) तीसरे स्थान पर रही। अन्य खिलाड़ियों में प्रतियोगिता के अंतिम दिन एशम अग्निश ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने पांचवें होल पर एक शानदार होल-इन-वन दर्ज किया। पिछले वर्षों की तरह इस साल भी खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता से विश्व एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग अंक हासिल किए।

शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब अदिति अवनि शीर्ष 20 में बनाई जगह

मलागा। गोल्फर अदिति अशोक एंडालुसिया कोस्टा डेल सोल ओपन डी एस्पाना में दूसरे राउंड के बाद शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब पहुंच गई जबकि अवनि प्रशांत ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए शीर्ष 20 में जगह बना ली। इस प्रतियोगिता की पूर्व विजेता अदिति ने दूसरे राउंड में दो अंडर 70 का स्कोर बनाया और अब वह पांच अंडर 139 के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गई है। अवनि ने दूसरे राउंड में तीन अंडर 69 का सर्वश्रेष्ठ कार्ड हासिल किया, जिससे उनका स्कोर चार अंडर हो गया और वह संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। भारत की अन्य खिलाड़ियों में प्रणवी उर्स (71) एक ओवर के कुल स्कोर पर 47वें स्थान पर जबकि हिताशी बख्शी (76) और दीक्षा डागर (75) दोनों संयुक्त 64वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड को ब्रिस्बेन टेस्ट से पहले लगा झटका, मार्क वुड दूसरे मुकाबले से बाहर

पर्थ। इंग्लैंड क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले झटका लगा है। तेज गेंदबाज मार्क वुड ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। वह पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में खेले थे। इस मुकाबले में इंग्लैंड को दो दिन के अंदर सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। मार्क वुड का यह नौ महीनों के अंदर पहला प्रतिस्पर्धी मैच था। साथ ही अगस्त 2024 के बाद उनका पहला टेस्ट था।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

गिल और अय्यर इंजरी के कारण बाहर, मैच दोपहर 1.30 से शुरू

आज से भारत-द.अफ्रीका वनडे सीरीज का आगाज, रोहित और कोहली की कड़ी परीक्षा

एजेंसी ▶▶| रांची

अब केवल वनडे में खेल रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार से शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला में आकर्षण का केंद्र होंगे, जिससे वह 2026 में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा भी मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम प्रबंधन इस श्रृंखला से चयन संबंधी समस्याओं का समाधान भी करना चाहेगा। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान चयन संबंधी मसलों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा था। रोहित और कोहली दोनों अब केवल एक ही अंतरराष्ट्रीय प्रारुप में खेलते हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत के टेस्ट सीरीज हराने के बाद रोहित और कोहली की वनडे सीरीज जीतने के लिए कड़ी परीक्षा होगी। वहीं शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर दोनों इंजरी के कारण बाहर हैं।

केएल राहुल को कप्तानी की कमान

इस सीरीज के लिए भारतीय टीम की कप्तान केएल राहुल के हाथों में सौंपी गई है। शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर दोनों इंजरी के कारण बाहर हैं। साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहली बार रविंद्र जडेजा भी वनडे टीम में नजर आने वाले हैं। साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा होंगी। उनके ऊपर भी नजरें होंगी। क्योंकि साउथ अफ्रीका ने 10 साल से भारत में कोई भी वनडे सीरीज नहीं जीती है।

बुमराह और सिराज को आराम

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है, जबकि नियमित कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर चोटिल हैं। उनकी अनुपस्थिति न केवल टीम की बल्लेबाजी को कमजोर करती है, बल्कि कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल और मुख्य कोच गंभीर को भी अपनी भूमिकाएं और जिम्मेदारियां निभाने के लिए बाध्य करती है। मध्यक्रम की पहेली और भी नाजुक है। प्रबंधन को यह तय करना होगा कि ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को चुना जाए या फिर नीतीश कुमार रेड्डी को। तिलक वर्मा ने खुद को भरोसेमंद बल्लेबाज साबित किया है और टीम प्रबंधन उन्हें अंतिम एकादश में रखना चाहेगा।

विराट अपने नाम करेंगे खास रिकॉर्ड

कोहली ने द्विपक्षीय वनडे सीरीज के इतिहास में 196 पारियों में 9936 रन बनाए हैं। अगर कोहली इस मैच में 64 रन बना लेते हैं तो द्विपक्षीय वनडे सीरीज में 10 हजार रन पूरे कर लेंगे और ऐसा करने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बन जाएंगे। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर एमएस धोनी हैं, जिन्होंने 201 पारियों में 7669 रन बनाए हैं। बता दें कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोहली का वनडे रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने अभी तक साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में 65.39 की औसत से 1504 रन बनाए हैं, इस दौरान वह पांच शतक लगाने में कामयाब रहे हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे करने से सिर्फ 98 रन दूर रोहित

रोहित अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले मैच में रोहित शर्मा के पास एक खास उपलब्धि को अपने नाम करने का मौका होगा। रोहित इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे करने से सिर्फ 98 रन दूर हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में अभी तक सिर्फ 13 खिलाड़ी ही इस उपलब्धि को अपने नाम कर पाए हैं। 98 रन बनाते ही वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 20000 रन बनाने वाले भारत के चौथे और दुनिया के 14वें क्रिकेटर बन जाएंगे। भारत के लिए यह कारनामा अभी तक सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ ने ही हासिल किया है।

टीमें इस प्रकार

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यानसन, टोनी डी जॉर्जी , रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जके, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी

मलेशिया, नीदरलैंड ने की जीत से शुरुआत

एजेंसी ▶▶| मदुरै

मलेशिया और नीदरलैंड ने पूल ई के मैचों में क्रमशः ऑस्ट्रिया और इंग्लैंड को हराकर एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। मलेशिया ने दिन के पहले मैच में ऑस्ट्रिया को 5-1 से जबकि नीदरलैंड ने इंग्लैंड को 5-3 से हराया।

मलेशिया के लिए दानिश खैरिल (56वें और 57वें मिनट) ने दो जबकि हैरिस उस्मान (28वें मिनट), एडम जोहरी (47वें मिनट) और नवीनेश पनिकर (55वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। ऑस्ट्रिया का एकमात्र गोल 56वें मिनट में जूलियन कैसर ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इससे पहले नीदरलैंड की इंग्लैंड पर जीत में जान वैनट लैंड (दूसरे और 49वें मिनट) ने दो मैदानी गोल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके अलावा कैस्पर वैन डेर वीन (26वें मिनट) ने भी एक मैदानी गोल किया, जबकि जोप्पे वोलबर्ट (39वें मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक पर और डैनिलो ट्राइलिंग (54वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित की। इंग्लैंड के लिए गोल कैडेन ड्रेसी (11वें), माइकल रॉयडेन (29वें) और जॉर्ज फ्लेचर (49वें) ने किए।

श्रीकांत, त्रीसा-गायत्री खिताब के करीब

लखनऊ। पूर्व चैंपियन किदांबी श्रीकांत और गत चैंपियन त्रीसा जॉली तथा गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्रमशः पुरुष एकल और महिला युगल फाइनल में जगह बनाई। वर्ष 2016 में यहां खिताब जीतने वाले 32 साल के श्रीकांत ने कड़े मुकाबले में हमवतन और 2023 के राष्ट्रीय चैंपियन मिथुन मंजूनाथन को सेमीफाइनल में 21-15, 19-21, 21-13 से हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत फाइनल में हांगकांग के जेसन गुनावन और जापान के मिनोरु कोगा के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। श्रीकांत की जीत से पहले त्रीसा और गायत्री की दुनिया की 14वें नंबर की जोड़ी ने ओंग शिन यी और कारमेन टिंग की मलेशिया की दुनिया की 33वें नंबर की जोड़ी को सीधे गेम में 21-11, 21-15 ये हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

फीफा विश्व कप

फाइनल ड्रॉ का बॉयकॉट करेगा ईरान यूएस ने किया वीजा देने से इनकार

एजेंसी ▶▶| तेहरान

ईरान की फुटबॉल फेडरेशन 2026 फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल ड्रॉ का बहिष्कार करेगी। यह ड्रॉ 5 दिसंबर को वॉशिंगटन डीसी में निर्धारित है।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान प्रतिनिधिमंडल के कई प्रमुख सदस्यों को वीजा देने से इनकार कर दिया है। फेडरेशन के प्रवक्ता आमिर मेहदी अलावी ने बताया कि यह फैसला आवश्यक पूछताछ, आंतरिक चर्चाओं और खेल एवं युवा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से परामर्श के बाद लिया गया है। उन्होंने अमेरिकी कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे खेल भावना के विपरीत बताया है। आमिर मेहदी अलावी ने स्पष्ट किया है उन्होंने फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो समेत उनके अधिकारियों को वीजा के मुद्दे के बारे में बता दिया गया है।

हेड कोच समेत चार सदस्यों को मिला वीजा

रिपोर्ट के मुताबिक, अलावी ने बताया है कि फीफा ने इस मामले को गंभीरता से लेने का वादा किया है। वीजा देने से इनकार करने के बाद फेडरेशन के अध्यक्ष समेत कई खास लोगों पर इसका असर पड़ा है। हालांकि, पुरुषों की नेशनल टीम के हेड कोच आमिर घालेनोई समेत चार सदस्यों को वीजा मिल गया है। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से होगी। फुटबॉल का यह महाकुंभ 19 जुलाई तक खेला जाएगा, जिसमें 48 टीमें हिस्सा लेने जा रही हैं। इन टीमों को चार-चार के 12 ग्रुप में बांटा जाएगा। इसे यूनाइटेड स्टेट्स, कनाडा और मेक्सिको मिलकर होस्ट करेंगे। ऐसा पहली बार है जब यह टूर्नामेंट तीन देशों में खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज के बाद हर ग्रुप से टॉप दो टीमें, साथ ही आठ सबसे ऊंची रैंक वाली तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें, एक बड़े नॉकआउट फेज में जाएंगी, जिससे पिछले एडिशन की तुलना में एक बड़ा और ज्यादा कॉम्पिटिटिव एलिमिनेशन ब्रैकेट बनेगा।

विश्व चैंपियन तीरंदाज अदिति ने जीता गोल्ड, नटराज का पूल में दबदबा

नई दिल्ली। शिवाजी यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहीं विश्व चैंपियन तीरंदाज अदिति गोपीचंद स्वामी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों (केआईयूजी) के पांचवें दिन कंपाउंड महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। पूल में ओलंपियन श्रीहरि नटराज और भव्या सचदेवा ने बेंगलुरु की जैन

यूनिवर्सिटी को दबदबा बनाए रखने में मदद की, जिससे तैराकी स्पर्धा अभियान 27 स्वर्ण पदक के साथ खत्म हुआ। यूनिवर्सिटी ने तैराकी की नौ स्पर्धाओं में आखिरी दिन सात स्वर्ण पदक जीते। जैन यूनिवर्सिटी 45 पदक (27 स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी 22 स्वर्ण के साथ दूसरे और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी 21 स्वर्ण पदक के साथ तीसरे स्थान पर है। उन्नीस साल की अदिती ने जिन भी खेलो इंडिया युवा खेलों में हिस्सा लिया है, उन सभी में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर केआईएसजी में शानदार शुरुआत की। नटराज पूल में आखिरी दिन के स्टार रहे। उन्होंने 100 मी फ्रीस्टाइल में 52.30 सेकेंड के समय के साथ और 50 मी बैकस्ट्रोक (26.53 सेकेंड) में स्वर्ण पदक जीता।

फाइनल आज भारत और बेल्जियम में होगी भिड़ंत

सुल्तान अजलन शाह हॉकी के फाइनल में भारत, कनाडा को 14-3 से हराया

एजेंसी ▶▶| तइपोह

जुगराज सिंह के चार गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बड़े स्कोर वाले मुकाबले में कनाडा को 14-3 से हराकर पूल तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर सुल्तान अजलन शाह कप के फाइनल में जगह बनाई।

भारतीय टीम को टूर्नामेंट में अभी तक सिर्फ बेल्जियम से एक गोल से हार मिली लेकिन पिछले मैच में न्यूजीलैंड पर 3-2 की शानदार जीत के बाद खिलाड़ी आत्मविश्वास से ओतप्रोत थे। भारतीय टीम रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी। नीलकांत शर्मा ने मैच की शुरुआत चौथे मिनट में गोल दागकर की, जिसके बाद सीनियर टीम में पदार्पण करने के बाद

अच्छी फॉर्म में चल रहे राजिंदर सिंह ने 10वें मिनट में गोल कर दिया। यह रोमांचक शुरूआत रही। कनाडा ने शुरुआती गोल का जवाब पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके उसे गोल में बदलकर दिया। 11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। फिर अगले कुछ मिनटों में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने क्रमशः 12वें और 15वें मिनट में गोल कर किए, जिससे भारत की बढ़त 4-1 हो गई।

दिल्ली कैपिटल्स ने 10 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा

दीया यादव बनीं 16 की उम्र में लीग की सबसे युवा खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल 2025 में 14 वर्षीय खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने अपना डेब्यू करके इतिहास रचा था। उस सीजन शतक लगाने के बाद इस खिलाड़ी ने मुड़कर नहीं देखा। अब वह इंडिया ए और इंडिया अंडर 19 का भी हिस्सा हैं।

वहीं अब उनकी तरह ही वुमेंस प्रीमियर लीग 2026 के लिए हुए मेगा ऑक्शन में एक 16 वर्षीय खिलाड़ी का नाम सामने आया है। इस खिलाड़ी का नाम दीया यादव है। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने 10 लाख के बेस प्राइस पर अपने साथ जोड़ा है।

कॅरियर का टर्निंग प्वॉइंट थी यह पारी

दिल्ली कैपिटल्स के दीया पर बोली लगाने के बाद शेफाली वर्मा ने इंस्टाग्राम पर उन्हें बधाई भी दी थी। दीया तीन साल से शेफाली के साथ खेलती आ रही हैं। उनका खेलना का स्टाइल भी ठीक भारतीय ओपनर की तरह है। उन्होंने अंडर 15 वुमेंस वनडे कप में त्रिपुरा के खिलाफ 125 गेंद पर 213 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस पारी के बाद दीया ने कहा भी कि इससे पहले उन्हें कोई नहीं जानता था। यह पारी उनके कॅरियर का टर्निंग प्वॉइंट थी।

शेफाली और जेमिमा के साथ खेलेंगी

गौरतलब है कि डब्ल्यूपीएल के मेगा ऑक्शन में 67 खिलाड़ियों की बोली कुल पांच टीमों ने लगाई थी। इसमें दीया का नाम भी शामिल था। वह दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा बनी हैं। इस टीम में पहले से शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स जैसी विश्व विजेता भारतीय बैटर शामिल हैं। शेफाली हाल ही में वर्ल्ड कप फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच भी रही थीं। खास बात यह है कि 16 वर्षीय दीया शेफाली को अपना रोल मॉडल भी मानती हैं। वह हरियाणा के लिए शेफाली के साथ खेल भी चुकी हैं।

हरियाणा के लिए दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर

इस साल आयोजित हुई सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में शेफाली सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थीं। जबकि दीया हरियाणा के लिए दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर थीं। उन्होंने 6 पारियों में 298 रन बनाए थे। दिल्ली कैपिटल्स के सीईओ सुनील गुप्ता ने बताया कि उनकी नजरें दीया के ऊपर अंडर 15 सर्किट के समय से थीं। उनकी शॉट खेलने की रेंज और बॉल को स्ट्राइक करने की एबिलिटी से दिल्ली की फ्रेंचाइजी काफी प्रभावित थी।

आईएनएस विक्रांत व अन्य युद्धपोतों से कोलंबो पहुंची 21 टन से अधिक राहत सामग्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

दित्वा चक्रवात से श्रीलंका में जारी जानमाल के नुकसान का सिलसिला अभी पूरी तरह से थमा नहीं है। अब तक सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, मृतकों की संख्या 123 के पार पहुंच गई है। जबकि बाढ़ में लापता हुए लोगों की संख्या 130 से ज्यादा हो गई है। ऑपरेशन सागर बंधु के माध्यम से भारतीय नौसेना के स्वदेशी विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रांत और एक अन्य जंगी युद्धपोत आईएनएस उदयगिरि के जरिए 21 टन राहत सामग्री कोलंबो पहुंचाई गई है। विक्रांत से दो चेतक हेलीकॉप्टरों ने उड़ान भरकर खोज और बचाव अभियान की शुरुआत कर दी है। जिसमें उनके साथ श्रीलंका की नौसेना के कर्मी भी मौजूद थे। सशस्त्र सेनाओं (वायुसेना, नौसेना) और विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने शनिवार को एक्स पर की गई अपनी कुछ पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है। वहीं, चक्रवात के भारत पहुंचने से पहले यहां देश में राहत और बचाव एजेंसियां किसी भी आपात परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात हैं। बताते चलें कि भारत ने इस भीषण प्राकृतिक आपदा के बीच श्रीलंका को सबसे पहले प्रतिक्रिया देते हुए जरूरी मदद पहुंचाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते शुक्रवार को अपनी एक्स पोस्ट के जरिए मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी। उन्होंने मुश्किल की इस घड़ी में भारत के मजबूती से श्रीलंका के साथ खड़े होने की भी घोषणा की थी।

खास बातें

- श्रीलंका के दित्वा चक्रवात प्रभावितों तक तेजी से मदद पहुंचाता भारत
- मुश्किल हालात के बीच फंसे हुए भारतीयों के लिए उच्चायोग ने जारी की हेल्पलाइन

श्रीलंका में भारत के उच्चायोग ने देश के नागरिकों की मदद के लिए कोलंबो स्थित भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर हेल्पलाइन के साथ एक आपातकालीन सहायता डेस्क बनाया है। जिस पर बाढ़ या बारिश के बीच मुसीबत में फंसा हुआ कोई भी व्यक्ति +94773727832 नंबर डायल कर मदद ले सकता है। वायुसेना ने बताया कि सागर बंधु अभियान के जरिए वायुसेना ने 28, 29 नवंबर की रात को उत्तर-प्रदेश के गाजियाबाद स्थित एयरबेस से एक सी-130 और एक आईएल-76 विमान तुरंत तैनात किया गया। अब तक दोनों के जरिए 80 से ज्यादा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मी, 8 टन उपकरणों के साथ 21 टन राहत सामग्री, प्रभावित श्रीलंकाई समुदायों के लिए आवश्यक राशन के साथ अन्य जरूरी सामान कोलंबो पहुंचाया गया है।

मदद के लिए हेल्पलाइन जारी

संकट की इस घड़ी में भारत श्रीलंका के साथ मजबूती से खड़ा है। जिसमें उसकी निकट पड़ोसी द्वीपीय देश को लेकर बनी हुई पड़ोसी प्रथम की भावना बेहद महत्वपूर्ण रही है। नौसेना का एक अन्य युद्धपोत सुनयना भी विशाखापट्टनम से राहत सामग्री की खेप लेकर श्रीलंका रवाना हो गया है।

जबकि वायुसेना के 2 मी-17वी5 हेलीकॉप्टर जरूरी राहत सामग्री लेकर पहुंच गए हैं। दोनों राहत-बचाव अभियान में स्थानीय एजेंसियों के साथ निकट समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।

राहत सामग्री में कंबल, टेंट शामिल

आईएल-76 से श्रीलंका में 9 टन राहत सामग्री, 2 शहरी खोज-बचाव दल और 80 एनडीआरएफ कर्मियों को भेजा गया है। कुल 27 टन राहत-बचाव सामग्री समुद्री और हवाई मार्ग से भेजी गई है। वायुसेना के एक अन्य विशालकाय परिवहन विमान सी-130 के जरिए 12 टन सहायता सामग्री कोलंबो पहुंचाई गई है। जिसमें टेंट, कंबल, तारपोलीन, साफ-सफाई की किट और बना बनाया खाना शामिल है।

संगम विहार में आग लगने से भाई बहन समेत चार की मौत

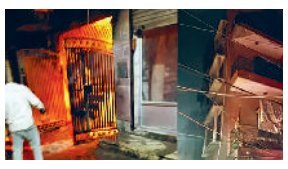

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के संगम विहार इलाके के तिगड़ी एक्सटेंशन ब्लॉक बी में शनिवार शाम एक चार मंजिला इमारत में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई। मरने वाले दो लोगों की पहचान नहीं हो पाई है। एक मृतक का नाम सतेंद्र उर्फ जिमी (38) बताया गया है। वह इमारत का मालिक था। मरने वाली एक महिला है। उसका नाम अनीता (40) है। वह मकान मालिक सतेंद्र की बहन थी। उसकी इलाज के दौरान देर रात सफदरजंग अस्पताल में मौत हुई। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार आग लगने की सूचना शाम 6:24 बजे मिली। पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और पाया कि चार मंजिला इमारत में भूतल पर स्थित जूते की दुकान से भीषण आग लग गई थी।घटनास्थल पर तीन पुरुष घायल पाए गए। दो घायल महिलाओं को बचाकर अस्पताल भेजा गया। मृतकों में से एक की पहचान सतेंद्र उर्फ जिमी पुत्र स्वर्गीय प्रमोद गुप्ता (इमारत के मालिक) के रूप में हुई है। सतेंद्र की बहन अनीता की उम्र 40 साल बताई गई है। वह अस्पताल में भर्ती करवाई गई दो महिलाओं में से एक थी। अन्य दो मृतकों की पहचान अभी बाकी है। विस्तृत जांच के लिए अपराध और फोरेंसिक टीमों को मौके पर बुलाया गया है। आगे की जांच जारी है। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

प्रोजेक्ट 17-ए का एक बहुउद्देशीय जंगी युद्धपोत है तारागिरी, जिससे समुद्री चुनौतियों से निपटना आसान होगा

नौसेना की बढ़ेगी समुद्री क्षमता, एमडीएल ने सौंपा तारागिरी युद्धपोत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की पाकिस्तान से लगी हुई पश्चिमी सीमा पर बने हुए तनावपूर्ण हालात के बीच नौसेना अपनी मारक क्षमता को लगातार चाक-चौबंद बनाए रखने के अभियान में जुटी हुई है। जिसका स्पष्ट प्रमाण हर थोड़े अंतराल के बाद बल के बेड़े में शामिल हो रहे स्वदेशी जंगी प्लेटफार्म से देखने को मिलता है। इसी क्रम में शनिवार को मुंबई स्थित मझगांव डाकयार्ड लिमिटेड (एमडीएल) ने नौसेना को नीलगिरी श्रेणी यानी प्रोजेक्ट 17-ए के तहत निर्मित तीसरा उन्नत स्टेल्थ युद्धपोत तारागिरी (यार्ड 12653) सौंप दिया है। मूलरूप से यह एक बहुउद्देशीय भूमिका में शानदार प्रदर्शन करने वाला पोत है। जिसे समुद्री क्षेत्र में वर्तमान और भावी चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस श्रेणी के तीन अन्य जहाज अगले साल 2026 तक नौसेना को मिलने की संभावना है। जिनमें से एक का निर्माण एमडीएल में और बाकी दोनों कोलकाता स्थिति जीआरएसई में निर्माणाधीन हैं। यहां बता दें कि आने वाले समय में तारागिरी युद्धपोत को औपचारिक रूप से नौसेना में कमीशन किया जाएगा।

तारागिरी की खासियत

नौसेना ने बताया कि तारागिरी युद्धपोत बल द्वारा प्रयोग किए गए पूर्व आईएनएस तारागिरी युद्धपोत का ही एक नया रूप है। पूर्व तारागिरी लिएंडर श्रेणी का युद्धपोत था और बल में उसका करीब 33 वर्षीय सेवाकाल 16 मई 1980 से 27 जून 2013 तक रहा है। नीलगिरी श्रेणी के युद्धपोतों में पी-17 (शिवालिक) की तुलना में उन्नत हथियार और सेंसर सूट लगे हैं। जहाज संयुक्त डीजल, गैस प्रणोदन संयंत्र से लैस है। जिनमें एक डीजल इंजन और एक गैस टरबाइन शामिल है। तारागिरी का कुल वजन 3 हजार 510 टन, लंबाई 149 मीटर और चौड़ाई 17.8 मीटर है। वहीं, दुश्मन के हौसले तोड़ने के लिए इसमें ब्रह्मोस मिसाइल, एमएफ-स्टार रडार, एमआरएसएएम कॉम्प्लेक्स, 76 मिमी. एसआरजीएम, 30 मिमी. और 12.7 मिमी. निकट रक्षा हथियार प्रणालियों के संयोजन के अलावा पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए रॉकेट और टॉरपीडो भी लगाए गए हैं। नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) द्वारा डिजाइन और निरीक्षण दल (मुंबई) की निगरानी में तारागिरी का निर्माण कार्य किया गया है।

11 महीने में नौसेना को मिला चौथा जहाज

पिछले 11 महीने में तारागिरी के रूप में नौसेना को चौथा जहाज मिला है। पहले दो जहाजों के निर्माण से मिले अनुभव के आधार पर तारागिरी के निर्माण की अवधि को घटाकर 81 महीने कर दिया गया। जबकि प्रथम श्रेणी (नीलगिरी) के निर्माण में 93 महीने लगे थे। तारागिरी की बात करें तो ये युद्धपोत नौसेना के डिजाइन, स्टेल्थ, मारक क्षमता, स्वचालन और उत्तरजीविता में एक बड़ी छलांग को दर्शाता है। इसके अलावा ये युद्धपोत निर्माण में देश की आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है।

युद्धपोत में लगी 75 फीसदी स्वदेशी सामग्री

युद्धपोत की डिलीवरी देश की डिजाइन, जहाज निर्माण और इंजीनियरिंग क्षमता को प्रमाणित करती है। इसमें 75 फीसदी स्वदेशी सामग्री लगाई गई है। परियोजना में 200 से अधिक सूक्ष्म एवं लघु उद्योग (एमएसएमई) शामिल रहे हैं। जिससे 4 हजार कर्मियों को प्रत्यक्ष रूप से और 10 हजार से अधिक कर्मियों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है।

दिल्ली बम धमाके में सुरक्षा एजेंसियों ने नए षड़यंत्रों का किया बड़ा खुलासा

डॉ. शाहीन के फ्लैट से मिले 18.5 लाख रुपए, सोने के बिस्किट और विदेशी करेंसी

अल फलाह विश्वविद्यालय (इनसेट में) डॉ. मुजम्मिल व डॉ. शाहीन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली बम धमाके की आरोपी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग की कमांडर डॉ. शाहीन चार साल सऊदी अरब में भी रही है। साल 2014 से 2018 के दौरान उसने सऊदी अरब के मेडिकल कॉलेज में बतौर प्रोफेसर नौकरी की।

साल 2018 में भारत लौटने के बाद 2021 तक तीन साल उसने कुछ नहीं किया। वो घर पर ही रहती थी। फिर 2021 में उसने अल फलाह यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर की नौकरी हासिल कर ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के सूत्रों की मानें तो सऊदी अरब से जब वो लौटी तो आतंकी संगठन के संपर्क में आ चुकी थी और अपना नेटवर्क फैलाने लगी। इस दौरान उसे टेरर फंडिंग के रुपए भी काफी मिले। साल 2021 में अल फलाह यूनिवर्सिटी में कार्यरत होने के बाद डॉ. शाहीन, डॉ. मुजम्मिल के बेहद करीब आ गई थी। दोनों के बीच नजदीकियां काफी बढ़ गईं और प्यार और शादी तक ये रिश्ता पहुंच गया।

आरोपियों की हिरासत अवधि बढ़ी

एनआईए की विशेष अदालत ने चार आरोपियों की हिरासत अवधि को दस दिनों के लिए बढ़ा दिया है। इन आरोपियों में डॉ. मुजम्मिल, डॉ. अदील, डॉ. शाहीन और मुफ्ती इरफान अहमद वगाये शामिल है। अदालत के इस फैसले से जांच एजेंसी को मामले की जांच को आगे बढ़ाने और अन्य संभावित लिंक को खंगालने में मदद मिलेगी। 10 दिन की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद एनआईए ने सात आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया था।

डॉ. शाहीन से खुलवाया लॉकर

गुरुवार रात एनआईए की टीम ने अल फलाह यूनिवर्सिटी में डॉ. शाहीन के फ्लैट नंबर 32 का डिजिटल लॉकर उसकी मौजूदगी में खुलवाया। मौजूद पैकेट खोलकर चेक किए तो इनमें 18.50 लाख रुपए नकद, सोने के दो बिस्किट, गहने मिले। सोने के बिस्किट व जूलरी का कुल वजन 300 ग्राम पाया गया।

ऊर्जा, व्यापार, और वैश्विक मसलों पर होगी

पुतिन के दिल्ली दौरे से पहले रूसी संसद का बड़ा फैसला

भारत और रूस के बीच सैन्य समझौते की पुष्टि, रक्षा संबंधों को होगा फायदा

पुराने भरोसेमंद संबंधों के नए दौर की शुरुआत

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले महीने दो दिन के भारत दौरे पर आएंगे। पुतिन राजकीय दौरे पर 4-5 दिसंबर को भारत आएंगे। इस यात्रा के दौरान पुतिन मुख्य रूप से 23वें भारत-रूस सालाना सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जहां रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और भू-राजनीतिक मसलों पर अहम चर्चाएं होने की संभावना है। इस दौरान व्लामीदर पुतिन की पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात होगी। पुतिन के दिल्ली के इस अहम दौरे से पहले रूस की संसद (स्टेट डूमा) ने एक अहम सैन्य समझौते की पुष्टि का ऐलान किया है। रूस की संसद व्लादिमीर पुतिन के दिल्ली आने से पहले भारत के साथ एक जरूरी मिलिट्री समझौते को मंजूरी देने जा रही है। दरअसल इस साल फरवरी में 2025 को भारत और रूस के बीच रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट (रेलोस-आरईएलओएस) हुआ था।

यह एग्रीमेंट स्ट्रेटेजिक मिलिट्री कोऑपरेशन बढ़ाने के लिए है। पुतिन की भारत यात्रा और रेलोस समझौते को रूस की संसद द्वारा मंजूरी मिलना, दोनों देशों के बीच दशकों पुराने भरोसेमंद संबंधों के नए दौर की शुरुआत मानी जा रही है। रक्षा सहयोग, ऊर्जा साझेदारी और वैश्विक समीकरणों के बीच यह दौरा भारत-रूस संबंधों को नई मजबूती देने में अहम भूमिका निभाएगा।

पीएम नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन फाइल फोटो

सैन्य सहयोग मजबूत होगा

यह महत्वपूर्ण सैन्य लॉजिस्टिक समझौता 18 फरवरी 2025 को मॉस्को में भारत के राजदूत विनय कुमार और रूस के तत्कालीन उप-रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन द्वारा साइन किया गया था। स्टेट डूमा ने रेलोस दस्तावेज को अपलोड किया है। इस समझौते का उद्देश्य है भारत और रूस की सेनाओं के बीच सामरिक गतिविधियों में लॉजिस्टिक सपोर्ट को आसान बनाना, संयुक्त सैन्य अभ्यासों को सुचारू करना, आपदा राहत अभियानों में तेजी लाना और सेना के अन्य ऑपरेशंस को सहयोगात्मक रूप से संचालित करना। रूसी सरकार का कहना है कि रेलोस समझौते की मंजूरी से दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में विश्वास और सहयोग नई मजबूती के साथ उभरेगा।

आपसी सैन्य गतिविधियां तेज हो जाएंगी

इस समझौते के लागू होने से भारत और रूस के बीच संयुक्त सैन्य गतिविधियां काफी सरल और तेज हो जाएंगी। दोनों देश एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों, हवाई अड्डों और नौसैनिक अड्डों का शांतिपूर्ण उद्देश्यों और सैन्य अभ्यासों के लिए उपयोग कर सकेंगे। आपसी लॉजिस्टिक सपोर्ट मिलने से सैनिकों, उपकरणों और सैन्य संसाधनों की तैनाती में समय और लागत दोनों कम होगी। यह समझौता भविष्य में आर्कटिक क्षेत्र में संभावित संयुक्त अभ्यासों को भी दायरे में लाएगा।

भारतीय नौसेना रूसी नौसैनिक अड्डों का उपयोग कर सकेगी

भारतीय नौसेना के तलवार-श्रेणी के युद्धपोत और आईएनएस विक्रमादित्य जैसे बड़े जहाज रूस के उत्तरी समुद्री ठिकानों का उपयोग कर पाएंगे, भारतीय समुद्री ठिकानों और बंदरगाहों का उपयोग कर सकेगी, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह सहयोग भारत के लिए खास इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हिंद महासागर में चीन और अन्य बाहरी देशों की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।

समझौता आर्कटिक क्षेत्र में भी लागू होगा

रेलोस समझौते का उद्देश्य संयुक्त सैन्य अभ्यास, आपदा राहत और अन्य अभियानों के लिए समन्वय प्रक्रिया को आसान बनाना है। रेलोस से सैन्य अभ्यास और आपदा राहत अभियान समेत संयुक्त गतिविधियों के लिए प्रक्रियाएं सरल करके सैन्य सहयोग को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। इस प्रकार के समझौते सहभागी देशों के लिए शांतिकालीन अभियानों के भौगोलिक अवसरों का विस्तार करते हैं। इस समझौते के प्रावधान आर्कटिक क्षेत्र में संयुक्त अभ्यासों पर भी लागू हो सकते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109